सच्ची ख़बर, सबकी ख़बर... भोपाल, शुक्रवार 14 मार्च 2025 वर्ष - 12 अंक-197 पृष्ठ-08 मूल्य-₹02 www.madhyaswarnim.com

दैनिक मध्य स्वर्णिम

मैं परमात्मा की मर्जी का मुख्यमंत्री: डॉ. मोहन

राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के जरिए विपक्ष पर जोरदार प्रहार

मध्य स्वर्णिम

हमेशा मुस्कुराकर अपनी बात कहने वाले मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अपनी अभिव्यक्ति की ख़ास शैली के लिए प्रसिद्द होते जा रहे हैं।शांत रहकर भी विपक्ष के आरोपों को प्रामाणिकता के साथ सिलसिलेवार जबाब देने के मामले में डॉ. मोहन इतनी गंभीर बात कह रहे हैं कि सभी निरुत्तर हो जाते हैं। गुरुवार को विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान धन्यवाद प्रस्ताव का जबाब देते हुए मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री ने एक लाइन के उत्तर से पूरे सभा को अपनी वाक्पटुता का कायल बना दिया। दरअसल,कांग्रेस कई महीनों से डॉ.मोहन यादव को पर्ची वाला मुख्यमंत्री बताकर व्यंग करती आ रही है, इसी क्रम में आज नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी सदन के अंदर एक बार फिर कहा -'आप पर्ची वाले मुख्यमंत्री हैं,भूलिए मत 'इस पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तपाक से उत्तर दिया -' मैं परमात्मा की मर्जी से मुख्यमंत्री हूं' ।

वैसे तो ये सुनने में एक सहज स्वीकारोक्ति है,लेकिन इसके मायने बहुत विराट निकलते हैं। उनके इस जबाव ने विपक्ष के नेताओं को एक सन्देश भी दिया और आगामी समय के लिए बहस का नया कोण भी दिया है। राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान नेता प्रतिपक्ष के आरोपों को खुद मुख्यमंत्री डॉ. यादव नोट करते दिखाई दिए। पूरे भाषण को ध्यान से सुना और जब खुद बोलने खड़े हुए तो सिलसिलेवार सभी आरोपों का दस्तावेजी प्रामाणिक उत्तर देकर ख़ारिज भी किया। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने सदन में विपक्ष से कहा कि जैसे हमने अपनी बात सुनी उम्मीद है आप भी मेरी बात सुनेंगे। सीएम ने कहा कि जिस प्रकार से हमने बजट रखा है। आप सबके सहयोग से 5 साल में हम बजट डबल करने का संकल्प ले रहे है। साल 2047 तक हम 4 लाख से बढ़ाकर 250 लाख करोड़ तक करने का संकल्प कर रहे है। कांग्रेस सरकार में 80 से घटकर 60 फीसदी प्रति व्यक्ति आय हो गई। बीजेपी सरकार में फिर 80 फीसदी पर लेकर आए। राज्य की जीडीपी भी हमारी सरकार में बढ़ी है। तेज गति से चलने वाली अर्थव्यवस्था मध्यप्रदेश है। कृषि क्षेत्र में 44 फीसदी योगदान रहा। बजट को 5 साल में डबल करने का संकल्प लिया है।सीएम ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने प्रदेश की जनता के साथ अन्याय किया है। कांग्रेस सरकार में औद्योगिक दर माइनस थी।

आपके पाप हम धोने का काम कर रहे। आपकी सरकार में कई मिल बंद हुई। हमारी सरकार ने इन मिलों के मजदूरों को पैसे दिलाने का काम किया। हमने निवेश के लिए कई नीतियां बनाई। बजट में जिला स्तर में विकास समिति के गठन का प्रावधान किया। उद्योगपतियों के लिए सिंगल विंडो सिस्टम चालू किया। बेकार की परमिशन का सरलीकरण किया।सीएम डॉ मोहन यादव ने कहा 2003 तक कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान बंद मिलों के मजदूरो की न्याय देने का काम हमारी सरकार ने किया। कांग्रेस के सिर पर मिल बंद करने का पाप है।हम कांग्रेस के पाप धो रहे हैं। मिल मजदूरों को पैसा देकर उनके साथ न्याय किया।

2003 तक प्रदेश में विकास दिखता नहीं था। अब सरकार राजस्व मामलों का अभियान चलाकर निराकरण कर रही है। बिजली पानी सड़क से लेकर हर क्षेत्र के विकास पर हमारी सरकार का फोकस है। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह पर भी निशाना साधाते हुए कहा कि पूर्व सीएम के बेटे कांग्रेस एमएलए जयवर्धन सदन में नही है। वे सवाल पूछ रहे थे और अब सदन में है नही। 10 साल कांग्रेस की सरकार रही गुना में एक विश्वविद्यालय नहीं बना। हमारी सरकार ने गुना में विश्वविद्यालय खोला है।सीएम ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस एक के बाद एक राज्य से, देशभर से बाहर जा रही है यह आपका भाग्य है।

कृपा करके ऐसे काम मत करो कि आपको इतनी बेज्जती सहन करना पड़े।जब मैं आगे बढ़कर विकास के मामले में बात करता हूं,नए निवेश की बात करता हूं तो इन बात को लेकर आगे बढ़े। बात पुरानी हो गई है आज नई इंडस्ट्रीज का माहौल बन रहा है सकारात्मक माहौल बन रहा है। हमारे पास भी कई सारे निवेशक आ रहा है। आपके पास भी आएंगे आपके क्षेत्र में भी आना चाहिए। सभी विधायकों से निवेदन करना चाहता हूं कि आपके क्षेत्र में भी आए। 18 प्रकार की निवेश पॉलिसी हमने बनाई है निवेश पालिसी का आप भी अध्ययन करिए कौन सा क्षेत्र छूट गया है।

स्टार्ट अप नीति, एमएसएमई विकास नीति, इलेक्ट्रिक नीति, ड्रोन संवर्धन उपयोग नीति, सेमीकंडक्टर, पर्यटन नीति पूंजीगत सहायता से लेकर सभी प्रकार के लाभ दे रहे हैं।सीएम ने आगे कहा कि मैं सदन को एक और जानकारी देना चाहूंगा इसी बजट के माध्यम से न केवल पक्ष विपक्ष हमने एक और प्रावधान किया है। आम तौर पर हमारे जिले स्तर पर जिला पंचायत,नगरी निकाय यह जो गवर्निंग बाडी यह तो 74वें संविधान संशोधन के बाद अपना काम करती है।

लाड़ली बहना योजना की बढ़ेगी राशि

गुरुवार को एमपी विधानसभा के बजट सत्र का चौथा दिन रहा। सदन की कार्यवाही के बाद सीएम डॉ मोहन यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। सबसे पहले मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को होली की बधाई दी। इसके बाद उन्होंने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की सफलता के साथ हमने बजट पेश किया। सरकार ने भी लोगों को साथ में रख के बजट बनाया हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को लेकर हमने जो वादा किया वो टाइम से पहले पूरा किया। आज हमारी 24त्र प्रतिशत औद्योगिक विकास दर हैं। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए सीएम ने कहा कि कांग्रेस के 56 साल में बजट 23 हजार करोड़ का था। हमने सिर्फ एक साल के लिए 4 लाख करोड़ रुपए का बजट बनाया है। हमारी सरकार हर क्षेत्र में काम कर रही है।वहीं लाडली बहना योजना की राशि बढ़ाने पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि हमने जो वादा किया था हम उसे पूरा करेंगे। प्रदेश सरकार ने साल 2025-26 के बजट में लाडली बहना योजना के लिए 18 हजार 669 करोड़ का प्रावधान किया है। बुधवार को बजट भाषण में वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने बताया कि लाडली बहना योजना को अटल पेंशन योजना से जोड़ा जाएगा।

सुबह की रोशनी का हिसाब कर

मुख्यमंत्री के भाषण के बीच सदन में हंसी-ठिठौली को माहौल भी देखा गया। दरअसल, सीएम डॉ मोहन यादव के भाषण के दौरान नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने चुटकी ली। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि गीता का सार है मुख्यमंत्री का भाषण है। नेता प्रतिपक्ष सदन में मुस्कुराते हुए बोले भाषण में जो हुआ अच्छा हुआ.. इस मामले में कैलाश विजयवर्गीय ने ठिठौली करते हुए उमंग सिंगार को जवाब दे दिया। कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि 'लगता है आपकी उम्र 80 साल हो गई, जो गीता का सार समझ आ गया' ।मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के भाषण के बीच कांग्रेस विधायक राजेंद्र सिंह ने अपना शायराना अंदाज दिखाया। कांग्रेस विधायक ने कहा कि मैं भी 93 से 98 तक उद्योग मंत्री रहा हूं। उस वक्त 10000 करोड़ का निवेश आया था। तब से अब तक बढ़ी कीमतों के हिसाब से निवेश का हिसाब कर लीजिए। राजेंद्र सिंह ने शायराना अंदाज में कहा कि 'रात गई रात की बात ना कर, आई है सुबह की रोशनी का हिसाब कर' । मध्य प्रदेश के सीएम डॉ मोहन यादव का बड़ा बयान सामने आया हैं। लाडली बहना योजना की राशि बढ़ाने लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने जो वादा किया था हम उसे पूरा करेंगे। हमारी सरकार हर क्षेत्र में काम कर रही है। वहीं उन्होंने कांग्रेस पर जमकर निशाना भी साधा है।

उमंग का श्रृंगार नहीं कर पा रहे नेता-प्रतिपक्ष

मध्यप्रदेश विधानसभा के बजट सत्र की शुरुआत हो गई है। सत्र शुरू होने से पहले प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस की तरफ से बड़े-बड़े दावे किए गए। कथित भ्रष्टाचारों को लेकर दावा किया गया कि सरकार की नाक में दम कर देंगे। लेकिन,सदन की चार दिनों की कार्यवाही के दौरान विपक्ष के दावे फुस्स होते दिखाई दे रहे हैं। हालांकि,सदन की गरिमा,मर्यादा और संसदीय परम्परा के परिपालन में आवश्यक है कि स्वस्थ,सारगर्भित चर्चा की जाए। लेकिन मेरा अपना मत है कि प्रदर्शन के आधार पर नेता प्रतिपक्ष की भूमिका में उमंग शायद विश्वास खोते जा रहे हैं। इसके पीछे कई कारण भी हो सकते हैं,लेकिन वास्तविकता यह है कि इस भूमिका के लिए जिस पैनेपन और धार की आवश्यकता होती है वह शायद उमंग सिंघार से देखने नहीं मिल रही है। राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान एलओपी के पास

मध्य स्वर्णिम अपनीबात

सुनील दत्त तिवारी
मो. 9713289999

शानदार अवसर होता है,सरकार की नीतियों,रीतियों को घेरने के लिए। लेकिन गुरुवार के दिन जिस प्रकार से आधी अधूरी तैयारी के साथ वो सदन में आए उसी का कारण भी था कि कभी भी सरकारी बेंच असहज नहीं दिखा। वैसे भी देखा जा रहा है कि कांग्रेस के वरिष्ठ विधायकों का सहयोग या तो उमंग को मिल नहीं रहा या वो लेना नहीं चाह रहे हैं। चर्चा के लिए जिन विपक्ष के विधायकों के नाम दिए जा रहे हैं,ऐसा आरोप है कि वो उमंग सिंघार के खेमे के होते हैं। कमलनाथ लम्बे समय से सदन में नहीं आ रहे हैं ,बहुत दिनों से अजय सिंह राहुल की आवाज सदन ने नहीं सुनी। डॉ. राजेंद्र सिंह से लेकर बाला बच्चन जयवर्धन से लेकर ओमकार मरकाम तक सभी असमंजस में दिखाई देते हैं। शायद उमंग सिंघार के ऊपर लगे व्यक्तिगत/पारिवारिक आरोपों की वजह से भी उनका परफॉरमेंस सतही है। सदन में भी वे विपक्ष के बेंच का नेतृत्व करते नहीं दिखाई देते। कई मौके ऐसे आए जब अपने साथियों की आवाज को बुलंद करने के लिए सिंघार के संरक्षण की जरूरत होती है, लेकिन नेता प्रतिपक्ष का साथ नहीं मिलता दिखाई दे रहा है। अब तो वाक आउट भी रस्म अदायगी जैसा ही हो गया है। विपक्ष के नेताओं को पता ही नहीं होता कि किस मुद्दे पर कब सदन से वाक आउट करना है। अन्यथा तो पहले विधायक दल की बैठक में तय होता था कि बहिर्गमन के बिंदु क्या होंगे ?किस तरीके से सरकार को कठघरे में खड़ा किया जाएगा ? प्रदेश का चर्चित परिवहन घोटाला ऐसा लग रहा जैसे भूपेंद्र सिंह और हेमंत कटारे की व्यक्तिगत विद्वेष का मामला बनकर रह गया है। इस मुद्दे को जितनी संजीदगी से उठाए जाने की आवश्यकता थी उसमे भी नेता प्रतिपक्ष की भूमिका को लेकर प्रश्न पूछे जाना चाहिए। पहली बार के कांग्रेस विधायक कहीं ज्यादा मुखर हैं,लेकिन उनको कई बार सिंघार बैठाते हुए दिखाई देते हैं। बहरहाल स्वस्थ लोकतंत्र के लिए मजबूत विपक्ष और असरदार नेता प्रतिपक्ष की भूमिका बहुत जरूरी है। लेकिन पिछले कई अवसरों पर उमंग का श्रृंगार करते नहीं दिखाई दे रहे मध्यप्रदेश के नेता-प्रतिपक्ष।

सोशल मीडिया पर छाया रहा शिवार्चन विक्रमोत्सव

भोपाल। मध्य प्रदेश की मोहन सरकार द्वारा महाशिवरात्रि पर्व से प्रारंभ किया गया, विक्रम उत्सव गुरुवार को सोशल मीडिया पर दिनभर ट्रेंडिंग पर रहा। सोशल मीडिया X पर विक्रमोत्सव शिवार्चन दूसरे नंबर पर दिन भर ट्रेनिंग किया ।जिसको देश और विदेश के लाखों लोगों ने पसंद किया। आपको बता दें कि महाकाल के उज्जैन से महाशिवरात्रि के पर्व से मध्य प्रदेश के संस्कृत अभ्युदय का कार्यक्रम विक्रम महोत्सव की शुरुआत हुई है। विश्व का सबसे लंबे अवधि तक चलने वाला यह सांस्कृतिक आयोजन 125 दिनों का होगा, इसमें भारतीय उत्कर्ष की तरह-तरह की सांस्कृतिक, सामाजिक, राष्ट्रीय, कलात्मक, खेल बौद्धिक समागम किया जा रहे हैं ।इसकी गूंज पूरे देश में हो रही है, इसी क्रम में आगामी 30 मार्च को विक्रमादित्य वैदिक एप का शुभारंभ होने जा रहा है ।जो विश्व की 180 से ज्यादा भाषाओं में होगी और काल गणना के भारतीय पद्धति को विश्व में नया आयाम प्रदान करेगी। इस उपलब्धि पर महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ संस्थान के निदेशक और मुख्यमंत्री के संस्कृति सलाहकार श्री राम तिवारी ने आयोजन की संपूर्ण रूपरेखा और आयोजन से जुड़े लोगों को बधाई देते हुए कहा है , मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के भारतीय उत्कर्ष के वैभव को वैश्विक पहचान दिलाने की गई कोशिशें का नतीजा है ।आज विक्रम महोत्सव विश्व के सांस्कृतिक चेतना का केंद्र बिंदु बनता जा रहा है ।साथ ही सोशल मीडिया पर ट्रेंडिंग विक्रमोत्सव यह दर्शाता है की हिंदुस्तान का दिल अब विश्व में भी धड़क रहा है ।

@POLYTOON

केंद्र और तमिलनाडु में भाषा विवाद गहराया

चेन्नई। तमिलनाडु में भाषा विवाद गहराता जा रहा है। अब एमके स्टालिन सरकार ने राज्य सरकार के बजट 2025-26 से रुपये का प्रतीक चिह्न हटा दिया है। इसकी जगह सरकार ने तमिल भाषा का प्रतीक लगाया है। ऐसा माना जा रहा है भाषा विवाद के चलते तमिलनाडु सरकार ने यह कदम उठाया है।केंद्र सरकार और द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम यानी डीएमके के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार के बीच राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 में प्रस्तावित त्रिभाषा फॉर्मूला राजनीतिक विवाद का केंद्र बना हुआ है। तमिलनाडु सरकार ने एनईपी व त्रिभाषा फॉर्मूले को लागू करने से मना कर दिया है। इसके चलते केंद्र सरकार ने समग्र शिक्षा अभियान (एसएसए) के तहत मिलने वाली 573

करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता रोक दी है। एसएसए फंडिंग पाने के लिए राज्यों को एनईपी के दिशा-निर्देशों का पालन करना होता है। फंड रोके जाने से सीएम स्टालिन बिफरे हुए हैं। उन्होंने दक्षिणी राज्यों में हिंदी थोपने का आरोप लगाया है। केंद्र के अनुसार शिक्षा संविधान की समवर्ती सूची में है व त्रिभाषा फॉर्मूले को लागू करना राज्यों की जिम्मेदारी है।तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि केंद्र सरकार तमिलनाडु और पेरियार का अपमान करती है।

क्या हम असभ्य हैं? जो लोग हमें असभ्य कहते हैं, वास्तव में वे असभ्य तरीके से व्यवहार कर रहे हैं और हमारे खिलाफ टिप्पणी कर रहे हैं। तमिल लोग बहुत जल्द इसका करारा जवाब देंगे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) पर त्रिभाषा नीति के विरोध को लेकर निशाना साधा और स्टालिन सरकार पर तमिलनाडु में 'राजनीतिक गड़बड़ी' पैदा करने और बच्चों को उनके 'सीखने के अधिकार' से वंचित करने का आरोप लगाया।

छतरपुर के गांव से आंबेडकर की मूर्ति चोरी

छतरपुर। मध्यप्रदेश के छतरपुर से अलग तरह का मामला सामने आया है। दो दिन पहले गांव में बाबा साहब आंबेडकर की मूर्ति लगाई गई थी। पर बुधवार रात मूर्ति चोरी हो गई। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मूर्ति की तलाश शुरू कर दी है।जानकारी के मुताबिक मामला छतरपुर के गढ़ीमलहरा थाना क्षेत्र के बारी गांव का है। वारदात बुधवार-गुरुवार की रात की है। गुरुवार सुबह ग्रामीणों को मूर्ति नहीं दिखने पर थाना पुलिस को सूचना दी। एडिशनल एसपी विदिता डांगर के अनुसार, ग्रामीणों ने कुछ संदिग्ध व्यक्तियों के नाम बताए हैं। पुलिस इस दिशा में जांच कर रही है। जांच के बाद मुकदमा दर्ज किया जाएगा।स्थानीय निवासी जयप्रकाश ने बताया कि कुछ लोग पहले से ही मूर्ति स्थापना का विरोध कर रहे थे। ओमप्रकाश अहिरवार ने खुलासा किया कि कुछ लोग जमीन पर अतिक्रमण करना चाहते थे। इस मामले में पहले कलेक्टर की जनसुनवाई में शिकायत भी की गई थी।

अवकाश सूचना

रंगों में घुली मिठास है,
हर चेहरे पर उल्लास है,
दिल से दिल की हो पहचान,
खुशियों से भर जाए हर अरमान।

'मध्य स्वर्णिम' के सभी पाठकों को मध्य स्वर्णिम परिवार की तरफ से उल्लास के रंगों के त्यौहार पर हार्दिक शुभकामनाएं। अब हमारा अंक सोमवार 17 मार्च को प्रकाशित होगा।

संपादक

आदेश

बीजेपी विधायक ने पुलिस के आदेश को 'तुगलकी फरमान' बताया

हैदराबाद पुलिस ने होली पर वाहन और रंग डालने पर प्रतिबंध लगाया

हैदराबाद। हैदराबाद और साइबराबाद पुलिस ने होली समारोह के सिलसिले में कुछ प्रतिबंध लगाए हैं। इसके तहत समूहों में वाहनों की आवाजाही और बिना मर्जी के लोगों पर रंग डालने पर रोक लगा दी है। यह प्रतिबंध 13 मार्च शाम 6 बजे से 15 मार्च सुबह 6 बजे तक लागू रहेगा। इस पर गुरुवार को बीजेपी विधायक राजा सिंह ने नाराजगी जताई।

पुलिस अधिसूचना की आलोचना करते हुए गोशामहल के विधायक सिंह ने इसे तुगलकी फरमान करार दिया।पुलिस ने एक अधिसूचना में सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर समूहों में दोपहिया और अन्य वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया है ताकि शांति-व्यवस्था भंग न हो या जनता को असुविधा या खतरा न हो। अधिसूचना के अनुसार, अनिच्छुक व्यक्तियों, स्थानों और वाहनों पर रंग या रंगीन पानी फेंकना या सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर अनिच्छुक लोगों को रंग लगाना और उनके लिए परेशानी खड़ी करना भी प्रतिबंधित है।

यह सरकारी आदेश 13 मार्च शाम छह बजे से 15 मार्च सुबह छह बजे तक प्रभाव में रहेगा।पुलिस ने एक अलग अधिसूचना जारी कर 14 मार्च को सुबह छह बजे से शाम छह बजे तक शराब/ताड़ी की दुकानों और रेस्तरां से जुड़े बार (स्टार होटलों और पंजीकृत क्लबों के बार को छोड़कर) को बंद करने का निर्देश दिया। राजा सिंह ने दावा किया कि पुलिस ने कांग्रेस सरकार के निर्देश पर अधिसूचना जारी की है।

उन्होंने कहा कि मैं मुख्यमंत्री और पुलिस अधिकारियों से पूछना चाहता हूं। रमजान के 30 दिनों के दौरान लोग रात में कैसे मोटरसाइकिलों पर और समूहों में घूमते हैं? क्या यह तेलंगाना के नौवें निजाम रेवंत रेड्डी और पुलिस अधिकारियों को दिखाई नहीं देता है? इन 30 दिनों के दौरान हैदराबाद में कितना उपद्रव होता है? विधायक ने पूछा कि क्या उन्हें ऐसा करने वालों के खिलाफ 'फरमान' जारी करने का कोई विचार नहीं आया? उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस एक विशेष समुदाय की 'गुलाम 'है और वह हिंदू विरोधी है।

कांग्रेस की नीतियों पर प्रहार

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार एक अलग तरह की अधिसूचना जारी कर सकती थी, जिसमें मुसलमानों से अपील की जाती कि वे होली के दौरान एक दिन के लिए घरों से बाहर न आकर हिंदू भाइयों के साथ सहयोग करें। बीजेपी विधायक ने कहा कि लेकिन सरकार ने प्रतिबंध लगाकर हिंदुओं के खिलाफ कार्रवाई करने का विकल्प चुना। उन्होंने मुख्यमंत्री से ऐसी नीति बदलने का आह्वान किया।

@खबर संक्षेप

सड़क हादसे में एक परिवार उजड़ गया

महासमुंद। राष्ट्रीय राजमार्ग- 353 पर भीषण सड़क हादसे में कार सवार एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई। कार और ट्रक की टक्कर में राजस्व विभाग में पदस्थ आरआई ताहर सिंह ठाकुर सहित उनके पूरे परिवार की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा दोपहर 3 :48 बजे ओंकारबंद के पास हुआ। हादसा इतना भयानक था कि कार के परखच्चे उड़ गए। शवों को निकालने के लिए स्थानीय प्रशासन को काफी मशक्कत करनी पड़ी ।इस हादसे में ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल है। वहीं घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने क्रेन की मदद से मृतकों और घायलों को बाहर निकाला। सभी शवों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बागबाहरा भेजा गया है। घायल ट्रक चालक को इलाज के लिए महासमुंद जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

प्रधानमंत्री ने सभी को होली की शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज सभी को होली की शुभकामनाएं दीं। मोदी ने कामना की कि यह त्यौहार सभी के जीवन में नया उत्साह और ऊर्जा भरे और देशवासियों में एकता के रंग को और गहरा करे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मोदी का पोस्ट जारी किया आप सभी को होली की ढेरों शुभकामनाएं। हर्ष और उल्लास से भरा यह पावन-पर्व हर किसी के जीवन में नई उमंग और ऊर्जा का संचार करने के साथ ही देशवासियों की एकता के रंग को और प्रगाढ करे, यही कामना है।

एसी में गैस डालने के दौरान फटा कंप्रेसर, मैकेनिक मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के शाहदरा जिला के कृष्णा नगर में बुधवार दोपहर एसी में गैस भरने के दौरान अचानक एक तेज धमाके के साथ कंप्रेसर फट गया। हादसे में वहां काम कर रहा मैकेनिकल बुरी तरह जख्मी हो गया। उसे पास के एक नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। मृतक की शिनाख्त मोहन लाल (42) के रूप में हुई है। कृष्णा नगर थाना पुलिस ने छानबीन के बाद लापरवाही से मौत का मामला दर्ज कर लिया है। बृहस्पतिवार को पुलिस ने सब्जी मंडी मोर्चरी में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज से मामले की जांच कर रही है। दुकान मालिक से भी पूछताछ की जा रही है। हादसे के बाद परिजनों को रो-रोकर बुरा हाल है।

होली पर कड़े इंतजाम, कहीं ढकी गईं मस्जिदें तो कहीं बनाए गए कंट्रोल रूम

नई दिल्ली। यूपी में होली के रंग में कहीं किसी तरह की भंग न पड़े इसके लेकर प्रदेश में खास इंतजाम किए गए हैं। यहां तक की होली के दिन जुमे की नमाज का वक्त भी बदल दिया गया है। संभल में मस्जिदों को तिरपाल से ढक दिया गया है। इससे पहले बरेली में निकली ऐतिहासिक राम बरात के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम देखने को मिले। अब शुक्रवार को होली मनाई जानी है रंगों के इस त्योहार को शांति और बिना तनाव पूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने पहले से तैयारियां कर ली हैं। मेरठ में होली और दुल्हेंडी को लेकर पुलिस प्रशासन ने भी अपनी तैयारियां पूरी कर ली है।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

बैतूल विधायक ने दी होली पर्व की बधाई

बैतूल। बैतूल विधानसभा क्षेत्र के विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने जिलेवासियों को होली पर्व की शुभकामनाएं दी है। उन्होंने आव्हान किया कि होलिकादहन बुराई पर अच्छाई की विजय के रूप में मनाया जाता है। इसीलिए यह पर्व सिर्फ होलिका दहन तक सीमित न रहे बल्कि हमारे भीतर की नकारात्मकता,अहंकार, द्वेष, ईर्ष्या का भी दहन करें। बैतूल विधायक खंडेलवाल ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि भाईचारा,सद्भाव और सामाजिक समता का प्रतीक रंगोत्सव होली पर्व सभी के जीवन में खुशहाली और समृद्धि के रंग बिखेरे।

माताजी की पुण्यतिथी पर वृद्धों, अस्तपाल में बांटे फल

परासिया। चांदामेटा निवासी दीपक वर्मा, पार्षद माधुरी वर्मा ने माताजी की स्मृति में भमोडी वृद्धाश्रम और परासिया चांदामेटा सिविल अस्पताल में फल का वितरण किया। दीपक वर्मा की माताजी स्व पंचादेवी वर्मा की आज पांचवी पुण्यतिथी थी। इस दौरान शहजादी बेगम, सुषमा परमार, नेहा उईके, संस्कार, प्रथम, तन्मय वर्मा, रियाज, अर्पण तकलौदे उपस्थत रहे।

मकोडिया़ डेम निर्माण मामले में कलेक्टर से मुलाकात

रायसेन। मकोडिया़ डैम के निर्माण को लेकर को रायसेन कलेक्टर कार्यालय में महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में शमशाबाद विधायक सूर्य प्रकाश मीणा,विदिशा जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि कैलाश रघुवंशी,जिला पंचायत सदस्य राजेंद्र सिंह बघेल,पूर्व मंडी अध्यक्ष रघुवीर सिंह मीणा,प्रताप सिंह रघुवंशी,नरेंद्र दांगी,चरण सिंह रघुवंशी,भाजपा महामंत्री राघवेंद्र दांगी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। बैठक में डैम निर्माण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई। जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि ने कलेक्टर को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय मंत्री को भेजे गए पत्रों की प्रतियां सौंपी। मुख्यमंत्री द्वारा इस प्रोजेक्ट को मॉनिटरिंग में लिए जाने की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि यदि प्रेशराइज्ड स्कीम से पानी दिया जाए तो बांध की ऊंचाई कम की जा सकती है। जिले में अनुपयोगी, मोटर नहीं डले हुए और बोर केप नहीं लगे हुए बोरवेल बंद करने के दिए आदेश रायसेन। अनुपयोगी एवं खुले नलकूपों/बोरवेल में छोटे बच्चों के गिरने संबंधी घटनाएं या तथ्य यदा-कदा संज्ञान में आते रहते हैं। जिले में उक्त घटनाओं की संभावनाओं के दृष्टिगत कलेक्टर अरूण विश्वकर्मा के आदेशानुसार जिले की सीमा के अंतर्गत ऐसे बोरवेल जो उपयोग में नहीं आ रहे हैं, जिन बोरवेल में मोटर नहीं डली है और जिनमें बोर केप नहीं लगा हुआ है ऐसे बोरवेल के मकान मालिक/किसान/संस्था को उक्त बोरबेल को क्रांकीट या धातु के ढक्कन/केप से मजबूती के साथ सील या बंद किए जाने के आदेश दिए गए हैं।

जिले में अचल संपत्ति की प्रस्तावित गाइडलाइन के संबंध में सुझाव 15 मार्च तक आमंत्रित

रायसेन। जिला में अचल संपत्ति के मूल्य निर्धारण हेतु गठित जिला मूल्यांकन समिति की बैठक गत दिवस संपन्न हुई जिसमें जिले की कुल 2293 लोकेशन में से 1128 लोकेशन में मूल्य वृद्धि प्रस्तावित की गई है। यह प्रस्ताव केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड भोपाल को अनुमोदन हेतु प्रेषित किए जाएंगे। प्रस्तावित गाइड लाईन आमजन के अवलोकन हेतु जिले में स्थित उप पंजीयक एवं जिला पंजीयक कार्यालय में रखी गई है। आमजन जिले में अचल सम्पत्ति के मूल्य वृद्धि के संबंध में 15 मार्च 2025 तक अपने सुझाव दे सकते हैं।

भारत निर्वाचन आयोग चुनावी प्रक्रिया को मजबूत बनाने पार्टी अध्यक्षों और वरिष्ठ नेताओं से करेगा बातचीत

रायसेन। भारत निर्वाचन आयोग ने कानून ढांचे के अंतर्गत चुनावी प्रक्रियाओं को और मजबूत बनाने के लिए पार्टी अध्यक्षों और वरिष्ठ नेताओं को बातचीत के लिए आमंत्रित किया है। आयोग ने मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों से ईआरओ, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय स्तर पर अनिराकृत प्रकरणों की 30 अप्रैल, 2025 तक जानकारी मांगी है।

माथनी कोयला खदान को बंद करने का फरमान

सेफ्टी कमेटी ने लिया निर्णय, मशीने बाहर निकालने का हुआ आदेश

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

होली पर क्षेत्र के लिए गुरुवार को बुरी खबर आई। वेस्टर्न कोल फील्ड्स लिमिटेड के पेंच क्षेत्र की माथनी भूमिगत कोयला को बंद करने का आदेश कंपनी ने जारी कर दिया है। सेफ्टी कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर खदान को बंद करने का फरमान आया है। गुरुवार को पांच बजे जीएम ने पेंच मुख्यालय में मजदूर संगठनों के प्रतिनिधियों को बुलाकर आदेश सुना दिया। खदान को सुरक्षा कारणों से बंद करने को मुख्य कारण बताया गया है। गौरतलब है कि बीती पंद्रह जनवरी से माथनी कोयला खदान में उत्पादन बंद है। इस खदान के सेक्शन में आग के बाद खदान में हानिकारक जहरीली कार्बन मोनोआक्साईड गैस बढ गई थी। इसके बाद खदान से उत्पादन बंद कर दिया गया था। नागपुर से कमेटी ने आकर खदान का निरीक्षण किया था। मजदूर संगठनों ने तब कहा था कि टीम की जांच के आधार पर जो नतीजा निकलेगा उसे मानेंगे। आज कंपनी ने खदान को बंद करने का आदेश टीम की रिपोर्ट के अधार पर निकाल दिया।

पेंच मुख्यालय के सभाकक्ष में मजदूर संगठन बीएमएस से अच्छेलाल गुप्ता, संजय बावरिया, इंटक से मनोज तिवारी, उदय प्रताप सिंह, एचएमएस से राजेंश सूर्यवंशी, मंगेश मुंदेकर, एटक से यादव, अलीम, सीटू से मीर हसन, अमरनाथ उपस्थित रहे। प्रबंधन से जीएम अनूप हंजूरा, डिप्टी जीएम, एपीएम उपस्थित रहे।

जीएम ने बताया कि सेफ्टी कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर खदान को सुरक्षा कारणों से बंद करने का आदेश आया है। मशीनों को निकालना है। ट्रांसफर को लेकर आगे नीति बनाई जाएगी। बीएमएस ने बैठक में कहा कि माईनिंग स्टाफ और अन्य संगठनों ने भी बात की थी कि स्थानीय स्तर पर कमेटी बनाई जाएगी।

सभी संभावनाओं के बाद ही खदान को बंद किया जाएगा। डीपी से बीएमएस की चर्चा में भी यही बात सामने आई थी। लेकिन खदान को बंद करने से पहले विचार करना चाहिए। प्रबंधन ने पाथाखेडा की घटना का हवाला देकर सुरक्षा को प्राथमिकता बताकर खदान को बंद करना ही उचित बताया।

बहाल हुई मोरडोंगरी खुर्द पंचायत की बिजली व्यवस्था

पूर्व सरपंच ने कराइ मध्यस्थता, चालू हो गई बिजली

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

बिजली विभाग ने आज मोरडोंगरी खुर्द पंचायत की बिजली व्यवस्था बहाल कर दी। पंचायत ने नौ लाख रुपयों का बकाया बिल जमा नहीं किया था। जिसके चलते पंचायत की बिजली काट दी गई थी। गुरुवार को पूर्व सरपंच अंकुश जायसवाल की मध्यस्थता से मामला सुलझा और बिजली व्यवस्था बहाल कर दी गई।

बिजली विभाग ने पंचायत के 13 कनेक्शन की बिजली काटी थी। जिससे त्यौहार पर परेशानी थी। अंकुश जायसवाल ने कहा कि पानी वितरण नहीं होन`से लोग परेशान हो जातें। सभी ने ग्राम पंचायत पहुचकर सचिव को बिल जमा करने के निर्देश दिए । विधुत विभाग के जेई आरके डेहरिया से चर्चा कर सुचारू रूप से ग्राम पंचायत की विद्युत आपूर्ति करने की बात रखी। बिजली कनेक्शन जोड़कर ग्रामवासियों को राहत प्रदान की गई । पूर्व सरपंच अंकुश जायसवाल, देवेंद्र डेहरिया, पंकज दुबे, पप्पू डोंगरे, नवीन बाउसकर, रूपेश सोनी, हेमेन्द्र सिंह चौहान, संजय पवार, दिनेश साहू, हर्ष पवार, सागर साहू, सोनू यादव, रमेश साहू एवं साथी उपस्थित हुए।

न्यूटन जामा मस्जिद में कराया रोजा अफ्तार

परासिया। जामा मस्जिद न्यूटन नंबर 4 में गुरुवार को रोजा अफ्तार कराया गया। असलम खान निवासी न्यूटन नंबर 13 की ओर से रोजा इफ्तार कराया गया । मुनव्वर अली मोहम्मद शमी शोएब सिद्दीकी शौकत अली व जमात के तमाम हाजिरी मौजूद रहे।

अष्टभुजा माता मंदिर में मनाया 17 वां स्थापना दिवस

मंदिर में हवन पूजन और भंडारा किया

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

नगर के वार्ड क्रमांक तीन के अष्ठभुजा माता मन्दिर में 17 वा स्थापना दिवस धूम धाम से मनाया गया। मंदिर में इस अवसर पर हवन पूजन और भंडारा किया गया। नगर के वार्ड क्रमांक 3 जीएम,ऑफिस के पास टेकड़ी पर स्थित अष्ठभुजा माता मन्दिर का 17 वा स्थापना दिवस धूम धाम से मनाया गया । पण्डित अवधेश पाण्डे के द्वारा पूजा अर्चना हवन आरती की गई । मन्दिर में अष्ठभुजा माता के साथ ही हनुमान दादा भैरव बाबा , विराजमान है । दूर दूर से भक्तगण यहाँ आते है । वार्ड नम्बर 21 मंगली बाजार के भक्त गणों ने ढोल बाजो से चुनरी अर्पित की । लाल ध्वज फहराया गया। साथ ही प्रसाद वितरण किया। कार्यक्रम में बसन्त मालवी, सन्तोष राजपूत, अशोक थापा, मोहन नुनहरिया, ललित सूर्यवंशी, तरुण साहू, कृष्णा पंडौले, मुकेश राजपूत, उमा शंकर यादव ,शुभम डेहरिया, गौरव वर्मा, नवल यादव, मनीष टेकाम, समर्थ यादव ,रानी नुनहारिया, शीला राजपूत, मंजू यादव, अनसुइया यादव, चन्द्र प्रभा वर्मा ,शकुन यादव आरती राजपूत सरला देशमुख, ऋत्रु ओरिया, पूनम राजपूत, रिंकी राजपूत एवं भक्तगण उपस्थित थे । देर शाम तक मन्दिर में विशाल भण्डारा हुआ।

होली पर तरह तरह की पिचकारियों से सजा बाजार

पुष्पा की कुल्हाडी और एनिमल हथोडा पिचकारी की बढी डिमांड

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

होली का उत्साह बाजार में नजर आ रहा है। होली के लिए बाजार पूरी तरह सज चुका है। इस बार होली मनाने के लिए रंग गुलाल, के साथ गुब्बारे, पिचकारी, मुखौडे, विग आदि की दुकानें सज गई है। नई नई पिचकारियों से बाजार गुलाजर है। पुष्पा की कुल्हाडी पिचकारी और एनिमल मूवी के हथौडे वाली पिचकारी की बाजार में डिमांड है।

बाजार में इस बार हरबल गुलाल बडी मात्रा में उपलब्ध है। हरबल गुलाल की बढती मांग को देखते हुए व्यापारियों ने इसे उपलब्ध कराया हे। परंपरागत गुलाल से हरबल गुलाल की कीमतें कुछ ज्यादा है। व्यापारी मोनू साहू ने बताया कि रंग गुलाल के दाम पिछले साल की तरह है। पिचकारियों की कीमतें पिछली बार की तरह है। उन्होंने बताया कि टैंक वाली पिचकारियों का चलन बढ रहा है। पाईप पिचकारियो की डिमांड भी ज्यादा है। पुरानी तरह की प्लास्टिक की पिचकारियों की मांग है लेकिन बाजार में वैसी पिचकारियां अब आना बंद हो गई है। परंपरागत पिस्तौल को तरह तरह के खिलौनों में बदल दिया गया है। कर्कष आवाज वाले पोंगे, मुखौटे भी उपलबध है।

जिले भर में हुआ होलिका दहन आज निकलेगा, हुरियारों का जुलूस होगी रंगो की बौछार

शहर में 100 से अधिक स्थानों पर हुआ होलिका दहन

रायसेन। गुरूवार को जिला मुख्यालय सहित जिले भर में शुभ मुहूर्त के हिसाब से होलिका दहन किया गया। वहीं होलिका दहन को लेकर प्रशासन पुलिस भी जगह-जगह मुस्तैद रही। वहीं आज शुक्रवार को जिला मुख्यालय सहित जिले भर में रंगों का पर्व धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। जिला मुख्यालय पर हिन्दू उत्सव समिति द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सागर रोड़ पर स्थित पाटनदेव हनुमान मंदिर से सुबह 9 बजे विशाल चल समारोह शहर के प्रमुख मार्गो से धूमधाम के साथ निकाला जाएगा। हिउस के अध्यक्ष ने अनिल चौरासिया ने बताया कि इस बार चल समारोह को भव्य रूप दिया गया,चल समारोह मुखर्जी नगर,सागर,भोपाल तिराहा,माता मंदिर चौराहा,मढईपुरा,मालीपुरा,नरापुरा ,तिपट्टा बाजार,पुरानी बस्ती से होता हुआ चोपड़ा मोहोल्ला भोपाल रोड से गंज बाजार हनुमान मंदिर महामाया चौक पर समापन होगा। इस चल समारोह को सफल बनाने की अपील हिउस के कार्यवाहक अध्यक्ष सहित आदि हिउस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं द्वारा करते हुए अधिक से अधिक संख्या में चल समारोह में शामिल होने की अपील की है।

100 से अधिक स्थानों पर हुआ होलिका दहन

जिला मुख्यालय पर100 से अधिक स्थानों पर परम्परागत तरीके से होली का दहन किया गया। वहीं होली जलाने के स्थान पर सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस के जवान तैनात रहे। वहीं एसपी पंकज कुमार पण्डेय ने भी शहर में कानून व्यवस्था का देर रात्रि तक जायजा लिया। वहीं जिले की सभी तहसीलों में भी परम्परगत तरीके से होलिका का दहन मुहूत के अनुसार किया गया और आज शुक्रवार को जिला मुख्यालय सहित जिले भर में धूमधाम के साथ रंगों का पर्व होली मनाई जाएगी।

10 बर्षो से माहामाया चौक पर जलते है कंडो की होली

शहर में करीब 100 स्थानों पर होलिका दहन किया जाता है। लेकिन शहर के माहामाया चौक पर करीब 10 बर्षो से कंड़ो की होली जलाते आ रहे है, और इस बार भी कंडे की होली जलाई गई। पूर्व हिन्दू उत्सव समिति के अध्याक्ष प.कृष्णमोहन चतुर्वेदी ने बताया की शहर के माहामाया चौक पर दो हजार कंड़ो की होलिका का दहन किया जाता है,जो करीब 10 बर्षो से लगातार कंडो की होली जलते आ रहे है।

मार्च शुरू होते ही गर्मी ने दी दस्तक, बेतवा नदी कई जगहों पर सूखी, गांवों में पानी की किल्लत शुरू

दिन का अधिकतम तापमान 38 डिग्री और रात का न्यूनतम तापमान 19 डिग्री दर्ज किया

रायसेन। जिले में मार्च माह शुरू होके ही मार्च के दूसरे सप्ताह में ही गर्मी ने दस्तक दे दी है। गुरूवार को दिन का अधिकतम तापमान 38 डिग्री और रात का न्यूनतम तापमान 19 डिग्री दर्ज किया गया है। बढ़ती गर्मी से बेतवा नदी कई स्थानों पर सूखने लगी है। गर्म हवाओं के चलते लोगों ने कूलर और पंखे का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। मौसम विभाग के अनुसार मार्च के अंतिम सप्ताह तक तापमान 40 डिग्री तक पहुंच सकता है। लू चलने की भी संभावना है। वही तेज धूप के कारण गेहूं की फसल तेजी से पक रही है। अधिकतर खेतों में गेहूं पकने की कगार पर है। गर्मी की शुरुआत के साथ ही जल स्तर में गिरावट आ रही है। जिले के कई गांवों में पहले से ही पानी की किल्लत महसूस की जा रही है।

बेतवा नदीं कई जगहों पर सूखी

जीवन दयनीय बेतवा नदी भी कई स्थानों पर सूखने लगी है। किसान नदी किनारे के खेतों में मोटर लगाकर पानी खींच रहे हैं। यह भी नदी के सूखने का एक कारण है। भूजल स्तर में गिरावट से आने वाले समय में पेयजल संकट और गहरा हो सकता है। वही ग्रामीण क्षेत्रों में अभी से पेयजल संकट छाने लगा है ग्रामीण दूर-दूर से पानी ला रहे है। आने बाले समय में और पेयजल को लेकर गांवो के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

आबकारी विभाग ने 7.32 लाख रुपए की 182 लीटर अवैध शराब पकड़ी

रायसेन (मध्य स्वर्णिम)।

होली त्योहार से पहले जिला प्रशासन ने गुरुवार को अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई की है। कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा के निर्देश पर दो विशेष उडऩदस्ते गठित किए गए। सहायक आयुक्त आबकारी वंदना पाण्डेय के आदेश पर टीमों ने कार्रवाई कर गांवों में छापेमारी की। केतोघान,सीतापार,बम्होरी जंगल समेत 23 स्थानों पर दबिश दी गई। इस दौरान 182 लीटर हाथभट्टी की शराब, 55 पाव अंग्रेजी शराब और 47 लीटर देसी शराब जब्त की गई। टीम ने 6710 किलोग्राम महुआ लहान के सैंपल लेकर मौके पर नष्ट कर दिए। जब्त की गई शराब की कीमत 7 लाख 32 हजार रुपए आंकी गई है। उडऩदस्ता दलों का नेतृत्व आबकारी उप निरीक्षक रविंद्र अहिरवार और मुकेश श्रीवास्तव ने किया। सहायक आयुक्त आबकारी वंदना पाण्डेय ने बताया कि होली के मद्देनजर विशेष उडऩदस्ता दलों का गठन किया गया है। ये टीमें रोजाना कार्रवाई कर रही है। और अवैध शराब के कारोबार में लिप्त लोगों को बख्शा नहीं जाएगा।

कोटवार और चौकीदार को बनाया विशेष पुलिस अधिकारी

रायसेन। जिले में माह मार्च में होलिका दहन, धुलेंडी तथा रंगपंचमी पर्व परम्परानुसार मनाया जाएगा। कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा जिले में पर्वो के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस अधीक्षक के प्रतिवेदन पर जिले के समस्त थाना क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले कोटवारों को विशेष पुलिस अधिकारी नियुक्त किया गया है। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा द्वारा जारी आदेश के तहत पुलिस एक्ट की धारा 17 के अंतर्गत रायसेन जिले के समस्त थाना क्षेत्रों में आने वाले ग्राम कोटवारों/चौकीदारों को उनके कार्यक्षेत्र के अंतर्गत कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए 13 से 16 मार्च तक ग्राम कोटवारों तथा चौकीदारों को विशेष पुलिस अधिकारी नियुक्त किया गया है।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

फर्नीचर शोरूम कर्मचारी ने जहरीला पदार्थ खाकर की आत्महत्या

भोपाल। शहर के उपनगर बैरागढ़ में रहने वाले एक फर्नीचर शोरूम कर्मचारी ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली है। मृतक के परिजनों का आरोप है कि उसने सूदखोर की प्रताड़ना से तंग आकर की यह आत्मघाती कदम उठाया है। पुलिस के अनुसार सीआरपी बैरागढ़ में रहने वाला लक्ष्मणदास पिता डोलाराम लीलाराम (40) एक फर्नीचर शोरूम में सेल्समेन की करता था। उसके परिवार में पत्नि सहित बच्चे भी है। सोमवार को लक्ष्मणदास ने घर में रखा जहरीला पदार्थ खा लिया था। हालत बिगड़ने पर परिवार वालो को हादसे की भनक लगी और वह उसे फौरन ही इलाज के अस्पताल लेकर पहुंचे। उपचार के दौरान उसकी हालत लगातर नाजूक होती गई आखिरकार गुरुवार को उसने दम तोड़ दिया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस टीम ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के बाद परिजनो को सौंप दिया है। मामले में मृतक के परिजनो का आरोप है की बैरागढ़ में रहने वाले एक सूदखोर से लक्ष्मणदास ने ढाई साल पहले 2.50 लाख रुपए उधार लिए थे। इसके एवज में वह उसे मूल सहित ब्याज की भी भारी भरकम रकम लौटा चुका था। लेकिन इसके बाद भी सूदखोर लगातार उसे मूल रकम और ब्याज लौटाने का दबाव बनाते हुए आए दिन घर आकर परिवार और पड़ोसियो के सामने गालियां देकर अपमानित करता था। सूदखोर उसे प्रताड़ित करते हुए फोन लगाकर जेल भिजवाने की धमकी भी देता था। परिवार वालो का आरोप है कि उसी की प्रताड़ना से तंग आकर लक्ष्मणदास ने जहर खाकर खुदकुशी की है। पुलिस का कहना है की फिलहाल घटनास्थल से ऐसा कोई सुसाइड नोट या अन्य सुराग नहीं मिला है, जिससे आत्महत्या का कारण साफ हो सके। पुलिस परिवार वालो के आरोपो के आधार पर आगे की जॉच करेगी ओर उसके आधार पर ही आगे की कार्यवाही की जायेगी।

वीआईपी रोड पर बोर्ड चोरी करते दो युवको का वीडियो हुआ वायरल

भोपाल। राजधानी भोपाल में बीते दिनो आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए नगर निगम ने करोड़ों रुपए खर्च कर शहर की खूबसूरती के लिये कई प्रशंसनीय काम कराए थे, जिन्हें देखने के लिये राजधानीवासी भी बड़ी संख्या में आ रहे है। इसी कड़ी में निगम ने वीआईपी रोड पर अन्य सौंदर्यकरण के कार्यो के साथ ही बीएमसी के बोर्ड भी लगाए थे। इनमें से एक बोर्ड को कुछ युवकों ने तोड़ दिया और जाली भी उखाड़ ली। दो युवकों की इस हरकत का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। वीडियो में एक युवक बीएमसी का बोर्ड उखाड़कर ले जाते हुए नजर आ रहा है, जबकि दूसरे युवक के हाथ में नशीला पदार्थ रखा था। वीडियो में वे बोर्ड और जाली को बेचने की बात कहते नजर आ रहे हैं। वीडियो में एक तीसरा युवक भी दिखाई देता है, जो पास में ही फुटपाथ पर बैठा अपने हाथ में नशीला पर्दाथ तैयार कर रहा है। वीडिया बनाने वाले व्यक्ति की आवाज भी सुनाई दे रही है, वह कह रहा है की चोरी करने वाले दोनो युवक काफी नशे है, और पास बैठा तीसरा युवक गांजा तैयार कर रहा है। मामले में नगर निगम ने थाने में शिकायत की है। गौरतल है की बीती 1 मार्च को भी कमला पार्क में लगी जाली को तोड़ते हुए निगम अधिकारियों ने एक व्यक्ति को रंगेहाथों पकड़कर कार्यवाही के लिये तलैया पुलिस के हवाले किया था।

अनामिका रघुवंशी का हुआ पीएचडी में एडमिशन

भोपाल। मध्य प्रदेश भोपाल की न्यूज़ एंकर अनामिका रघुवंशी का इलाहाबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी में पीएचडी के लिए एडमिशन हुआ है। आपको बता दें कि इनका नेट मास कम्युनिकेशन से क्वालिफाइड है। इनकी यूजी और पीजी दोनों मास कम्युनिकेशन के प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी माखनलाल चतुर्वेदी यूनिवर्सिटी, भोपाल से हुई है। अब पीएचडी के लिए एडमिशन इलाहाबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी, प्रयागराज में हुआ है। सेंट्रल यूनिवर्सिटी में पीएचडी के लिए एडमिशन होना एक बड़ी उपलब्धि होती है! इन्हें एनसीसी (सी) सर्टिफिकेट में भी अल्फा ग्रेड प्राप्त है।

परिवहन घोटाले को लेकर कांग्रेस का विरोध

सिंघार ने सरकार को घेरा, कहा- जांच होनी चाहिए

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा सत्र के चौथे दिन नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में कांग्रेस विधायकों ने परिवहन घोटाले की जांच को लेकर विधानसभा परिसर में मौजूद गांधी प्रतिमा के सामने अनोखा प्रदर्शन किया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार समेत कांग्रेस के विधायक अपने हाथों में प्रतीकात्मक सोने की ईट व कंकाल बने कपड़े पहनकर विधानसभा पहुंचे और परिवहन घोटाले में शामिल सभी किरदारों को बेनकाब करते हुए जांच की मांग की।

मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने आरोप लगाते हुए कहा कि परिवहन घोटाला नर्सिंग के बाद प्रदेश का सबसे बड़ा घोटाला है। सरकार इसमें लीपापोती कर रही है। उन्होंने कहा- इसी घोटाले के चलते मंत्री गोविंद राजपूत, पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह, इनके सहयोगी संजय श्रीवास्तव, संजय डांडे, वीरेश तुमराम जैसों ने हजारों करोड़ की संपत्ति बना ली है। सरकार इनकी जांच क्यों नहीं कराना चाहती है।

उमंग सिंघार ने कहा कि सौरभ शर्मा सिर्फ छोटी मछली है, बड़ी मछलियों पर सरकार हाथ क्यों नहीं डालना चाहती? उन्होंने सवाल पूछा कि क्या मुख्यमंत्री इसलिए इस आग में हाथ नहीं डालना चाहते कि उनके भी हाथ जल जाएंगे? नेता प्रतिपक्ष ने आगे कहा कि खेतों में सोने की ईंटें निकल रही है। पूरा प्रदेश कर्ज के बोझ से कंगाल हो गया है। जनता कंकाल की तरह होती जा रही है और घोटाले में लिप्त मंत्री और अधिकारी करोड़पति होते जा रहे हैं। इस पूरे मामले की जांच होनी चाहिए, जिससे घोटाले के सभी किरदार बेनकाब होंगे।

मध्य प्रदेश के तीन जिलों का पारा 39 डिग्री पार

होली बाद और बढ़ेगी गर्मी

भोपाल। मध्य प्रदेश के तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार, आसमान साफ होने से सूरज की धूप सीधे जमीन पर आ रही है। इस कारण दिन गर्म हो गए हैं। हालांकि रात का तापमान भी लगातार बढ़ रहा है। प्रदेश के तीन शहरों का तापमान 39 डिग्री से ज्यादा दर्ज किया गया है। प्रदेश के 5 बड़े शहरों में उज्जैन सबसे गर्म है। यहां दिन का तापमान 38 डिग्री पहुंच गया है। भोपाल, इंदौर और जबलपुर में 37 डिग्री के पार है। वहीं, खजुराहो, नर्मदापुरम, रतलाम-मंडला में भी गर्मी का असर बढ़ा है। ऐसा ही मौसम गुरुवार को भी बना रहेगा। होली के बाद गर्मी और असर दिखाने लगेगी।

प्रदेश में और बढ़ेगी गर्मी

मौसम विभाग के वैज्ञानिकों का कहना है कि अब गर्मी से राहत नहीं मिलेगी। होली के बाद असर और बढ़ जाएगा। हालांकि, मार्च में उत्तर-भारत में वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव होते हैं। जिनका असर से पारे में गिरावट भी होती है। मार्च के तीसरे सप्ताह में बारिश होने की संभावना जरूर है।

अगले 2 दिन ऐसा मौसम

13 मार्च- भोपाल समेत प्रदेश के अन्य शहरों में पारे में बढ़ोतरी हो सकती है। रात में भी पारा बढ़ा रहेगा।

14 मार्च- प्रदेश के पूर्वी हिस्से यानी, जबलपुर, रीवा, सागर और शहडोल संभाग में भी गर्मी का असर बढ़ा मिलेगा।

जाने कैसे रहेगा यह पूरा सप्ताह

मध्य प्रदेश में इस सप्ताह इंदौर, उज्जैन और नर्मदापुरम संभाग में रात का तापमान सामान्य से 2-3 डिग्री अधिक होगा जबकि गुजरात के ऊपर साइक्लोनिक सकुर्लेशन सिस्टम की वजह से भोपाल, जबलपुर, सागर, रीवा, शहडोल, ग्वालियर और चंबल संभाग में तापमान सामान्य 15-17 डिग्री तक रहेगा। वहीं, अधिकतम तापमान इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, चंबल और सागर संभाग में सामान्य से बढ़े रहेंगे। भोपाल, नर्मदापुरम, रीवा, शहडोल और जबलपुर संभाग में यह सामान्य 31-34 डिग्री सेल्सियस पर बना रहेगा। इस दौरान बारिश की संभावना नहीं है। पश्चिमी और दक्षिणी हिस्से में बादल जरूर छाए रहेंगे।

होलिका दहन, धूलहेंडी, रंगपंचमी, रमजान एवं ईद के दौरान शहर में शांति व सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर विशेष चेकिंग व पैदल भ्रमण

भोपाल। होलिका दहन, धूलहेंडी, रंगपंचमी, रमजान एवं ईद के दौरान शहर में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा निर्देशन में थाना प्रभारी व स्टॉफ एवं यातायात स्टॉफ द्वारा विभिन्न स्थानों पर नाकाबंदी व बेरिकेडिंग कर संदिग्धों एवं वाहनों की सघनता से व VDP पोर्टल के माध्यम से चेकिंग की जा रही है तथा भीड़भाड़ वाले स्थानों, बाजारों, बस स्टैंड, रेल्वे स्टेशन एवं अन्य संवेदनशील स्थानों पर BD&DS (बम डिस्पोजल एवं डॉग स्कायड) टीम द्वारा एन्टीसेबोटेज चेकिंग की जा रही है। साथ ही थाना क्षेत्र के सभी वित्तीय संस्थान बैंक, एटीएम एवं धार्मिक संस्थानों को नियमित रूप से चेक किया जा रहा है एवं क्षेत्र में नियमित भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था बनाई जा रही है। पेट्रोलिंग मोबाइल एवं स्त्रक्क्ष द्वारा बाजार एवं भीड़भाड़ वाले इलाकों में नियमित रूप से भ्रमण किया जा रहा है एवं बाजार में महिलाओं से चर्चा कर खरीददारी करते समय एवं रुपये का लेनदेन करते समय सावधानी बरतने हेतु सुझाव दिए जा रहे है तथा असामाजिक तत्व व आपराधिक तत्वों पर नजर रखी जा रही है। संवेदनशील इलाक़ों मे विशेष सावधानी रखने हुए ड्रोन कैमरे से भी निगरानी कि जा रही है एवं सोशल मीडिया पर विशेष मोनिटरिंग करते हुए असामाजिक तत्वों पर नजर रखी जा रही है।

इंजीनियरिंग छात्र ने मॉ से बात करने के बाद फांसी लगाकर की खुदकुशी

भोपाल। टीटी नगर थाना इलाके में इंजीनियरिंगकी पढ़ाई कर रहे छात्र द्वारा अपने कमरे में फांसी लगाकर खुदकुशी किये जाने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। पुलिस को मौके से सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उसने आदर्श द्विवेदी नामक व्यक्ति का नाम लेते हुए लिखा है अपने परिवार का पैसा लौटाने की बात लिखी है।

साइड नोट में लिखी दोस्त द्वारा उधारी की रकम वापस नहीं करने की बात

मामला कायम कर पुलिस आगे की जॉच कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार मूल रुप से रीवा का रहने वाला सत्यम द्विवेदी (18) रमा नगर में एक अन्य साथी के साथ किराये से रहते हुए एक निजी कॉलेज से बीटेक सीएस ब्रांच में फर्स्ट ईयर की पढ़ाई कर रहा था। सत्यम रोजाना मां से फोन पर बात करता था। बुधवार की रात उसने मां से बात की। और पूछा कि आदर्श ने उधार लिया पैसा वापस किया या नहीं।

इस पर मां ने बताया कि अभी उन्होंने पैसे नहीं लौटाए हैं। मॉ से बात करने के कुछ ही देर बाद सत्यम ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। बाद में घटना की जानकारी पुलिस नेपरिजनों को फोन कर दी। उसके कमरे से पुलिस को सुसाइड नोट बरामद हुआ है, जिसमें उसने आदर्श द्विवेदी के लिए लिखा है, की मेरे परिवार को पैसा लौटा दो। तुमने कहा था, बुधवार तक दे दोगे। लेकिन नहीं दिए, मैंने तुम्हारी मदद की है।

एनआईए ने नहीं सिलवानी पुलिस ने बंदूकें और 26 कारतूस के साथ पकड़ा था युवको को

सिलवानी से चोरी किया माल छिपाकर रखा था भोपाल के अशोका गार्डन में

भोपाल। अशोका गार्डन थाना इलाके में पुलिस टीम द्वारा दबिश देकर बंदूके और 26 कारतूस के साथ पकड़े गये दो आरोपियो के मामले में नया मोड़ आ गया है। पहले इस कार्यवाही को लेकर अफवाह थी की दबिशकी यह कार्यवाही एनआईए ने की है। लेकिन इस खबर के सोशल मीडिया पर जमकर वायरल होने के बाद सामने आया की यह कार्यवाही रायसेन जिले की सिलवानी ने की है।

सिलवानी पुलिस का कहना है की भोपाल से दो बदमाशों को चोरी की दो बंदूके और 26 कारतूस के मामले में हिरासत में लिया गया है। जानकारी के अनुसार 7 मार्च को छोटी मस्जिद के पास सिलवानी निवासी अब्दुल फैसल के सूने मकान का ताला चटकाकर उनकी और उनके भाई जीशान की दो बंदूके और 26 जिंदा कारतूस चोरी हो गए थे। शिकायत मिलने पर एफआईआर दर्ज कर आरोपियो की धरपकड़

के लिये टीम बनाई गई थी। टीम ने मुखबिर से मिली सूचना पर अंकित तिवारी निवासी गोपालगंज सागर हाल पता अशोका गार्डन निवासी और उसके दोस्त सिलवानी निवासी राजुकमार पुत्र मुन्ना लाल प्रजापति को गिरफ्तार कर लिया है।

उनके पास से दोनों बंदूकें और कारतूस बरामद हुए हैं। इन दोनों ने अशोका गार्डन स्थित किरए के मकान में यह माल छिपाकर रखा हुआ था। आगे की जॉच में सामने आया की राजकुमार भोपाल में रहकर मैकेनिक का काम करता है। वह पूर्व में भोपाल के शाहजहांनाबाद इलाके में हुई लूट के मामले में गिरफ्तार हो चुका है। उसकी दोस्ती जेल में ही अंकित तिवारी से हुई थी।

अंकित बिलखिरिया में हुई एक हत्या के मामले में उस समय जेल में बंद था। वहीं राजकुमार फरियादी अब्दुल फैसल का परिचित है। उसे उसके यहॉ हथियार रखे होने की जानकारी थी, और उसने ही अंकित के साथ मिलकर हथियार चोरी करने की योजना बनाई थी।

राजधानी में चोरो के हौसले बुलंद

रिटायर्ड एडीजी सूने मकान पर दिनदहाड़े धावा बोल उड़ाया 15 लाख का माल

भोपाल। राजधानी के पॉश इलाके में शुमार चूनाभट्टी क्षेत्र में स्थित जानकी नगर में रहने वाले रिटायर्ड एडीजी के घर दिनदहाड़े अपना निशाना बनाकर बैखौफ चोरो ने घर में घुसकर लाखो का माल उड़ा दिया। घटना 10 मार्च दोपहर के समय की है, उस समय घर पर कोई नहीं था। बताया गया है कि रिटायर्ड एडीजी अपनी पत्नी के साथ विदेश गए हुए थे।

बदमाश घर से सोने-चांदी के जेवरात सहित दो लाख की नकदी सहित 15 लाख का माल बटोरकर रफूचक्कर हुए है। बुधवार को जब वह वापस लौटे तब उन्हें चोरों के कारनामे का पता चला। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला कायम कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

थाना पुलिस के अनुसार जानकी नगर में अपनी पत्नी के साथ रहने वाले राधाकृष्णा मेत्ता (65) एडीजी के पद से रिटायर्ड हुए आईपीएस अधिकारी हैं। उनके बच्चे विदेश में रहते हैं। बीती 5 मार्च को वह घर पर ताला लगाकर विदेश चले गए थे।

वहां से बुधवार को जब वह वापस लौटे तो अंदर जाने पर उन्हें घर का सारा सामान बिखरा हुआ मिली वहीं बेडरूम में रखी अलमारियों के लॉकर भी टूटे पड़े थे। चैक करने पर पता चला की भीतर घुसे बदमाश सोने-चांदी के जेवरात, 2 लाख की नगदी सहित करीब 15 लाख का माल चोरी कर लेय गये है।

उन्होंने थाने जाकर शिकायत दर्ज कराई जांच के बाद पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। बदमाशों की करतूत घर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई है। फुटेज में नजर आ है, कि एक बदमाश घर के पीछे के दरवाजे से भीतर दाखिल हुआ और बेडरूम में जाकर अलमारियों में रखे जेवरात और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। बदमाश ने घर के सभी कमरों में जाकर सामान की तलाशी ली है। फुटेज के आधार पर पुलिस संदिग्ध की पहचान जुटाने के प्रयास कर ही है।

औरंगजेब की कब्र भारत से हटाई जाए: पंडित प्रदीप मिश्रा

सीहोर। मुगल बादशाह औरंगजेब को लेकर देशभर में राजनीतिक विवाद छिड़ा हुआ है। इस मुद्दे पर बयानबाजी लगातार जारी है। अब इस बहस में कुबरेश्वर धाम के अंतरराष्ट्रीय कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा का बड़ा बयान सामने आया है, जो चर्चा का विषय बना हुआ है। मीडिया से बातचीत में पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि

औरंगजेब सनातन विरोधी था और उसका विरोध करना सनातन धर्म की मजबूती का प्रतीक है। उन्होंने कहा, औरंगजेब ने सनातन धर्म और राष्ट्र के लिए कुछ नहीं किया। इसलिए उसकी कब्र भारत से हटाई जानी चाहिए। उसकी जगह जो भी बनाना हो, बनाया जाए। यह विवाद महाराष्ट्र के समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी के बयान के बाद गहराया। अबू आजमी ने औरंगजेब को अच्छा राजा बताते हुए कहा था कि उसके शासनकाल में भारत अफगानिस्तान तक फैला था। साथ ही उन्होंने दावा किया कि औरंगजेब और छत्रपति शिवाजी महाराज के बीच संघर्ष सत्ता और भूमि को लेकर था, न कि धर्म के कारण। इस बयान के बाद तीखी प्रतिक्रिया आई, और बाद में दबाव बढ़ने पर उन्होंने अपना बयान वापस ले लिया। पंडित प्रदीप मिश्रा ने उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में आम और वीआईपी दर्शनों के भेदभाव पर भी अपनी राय दी। उन्होंने कहा, महाकाल राजा अपने भक्तों में भेदभाव नहीं करते। आम और खास सभी को समान रूप से दर्शन का लाभ मिलना चाहिए।

गर्भवती बहन की देखभाल के लिए आई साली से जीजा ने किया रेप

पति ने मायके लाकर छोडा, साली ने बच्चे के जन्म के बाद दर्ज कराई एफआईआर

भोपाल। गोविंदपुरा थाना इलाके में अपनी गर्भवती बड़ी बहन की देखभाल के लिये नर्मदापुरम से आई 22 वर्षीय साली के साथ मौका पाकर उसके जीजा जितेन्द्र ने ही दुष्कर्म कर डाला। घटना 1 जनवरी 2024 की है।

परिवार की बदनामी और बहन का घर न बिगड़े इस कारण पीड़िता ने उस समय जीजा की करतूत के बारे में किसी को कुछ नहीं बताया और वापस चली गई। थोड़े समय बाद लड़की के परिवार वालो ने अच्छा रिश्ता आने पर उसकी शादी दूसरे लड़के से कर दी। शादी के दो महीने बाद ही पीड़ीता को पेट दर्द की शिकायत होने लगी।

ससूराल वाले जब उसे इलाज के लिये डॉक्टर के पास लेकर

गये तब चेकअप कराने पर पता चला की उसे पांच महीने का गर्भ है, जबकि शादी को दो महीने ही बीते थे।

इसके बार दोनो परिवारो के बीच खासी तनातनी हो गई, और पीडिता के गुस्साये पति ने उसे उसके परिजनो के पास मायके लाकर छोड़ दिया। पिछले दिनों पीड़िता ने बच्चे को जन्म भी दिया और इसके बाद भोपाल आकर जीजा के खिलाफ प्रकरण दर्ज कराया। पुलिस को पीड़िता ने बताया की उसकी बड़ी बहन भोपाल के गोविंदपुरा इलाके में रहती है। बड़ी बहन को पिछले साल डिलीवरी होना थी। उसकी और घर की देखभाल के लिए वह नर्मदापुरम से उसके घर भोपाल आकर रह रही थी। 1 जनवरी 2024 को वह घर पर अकेली थी।

एमबीए छात्रा को शादी का झांसा देकर बीटेक के छात्र ने किया था दुष्कर्म

भोपाल। हबीबगंज थाना पुलिस ने एमबीए की छात्रा की शिकायत पर उसके प्रेमी के खिलाफ दुष्कर्म का प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी दिल्ली का रहने वाला है, जो पढ़ाई करने के लिये भोपाल आया था। इस दौरान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हुई फ्रेंडशिप के बाद उसने पिछले साल एक होटल में ले जाकर छात्रा के साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाये थे। विरोध करने पर उसने जल्द शादी करने का झांसा दिया था। लेकिन बीते दिनों आरोपी ने उसके साथ शादी करने से इंकार कर दिया। इसके बाद मामला पुलिस तक पहुंच गया। थाना पुलिस के मुताबिक राजधानी भोपाल के बिट्ठल मार्केट में रहने वाली 25 वर्षीय पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया की वह एक निजी कॉलेज से एमबीए सेकेंड ईयर की पढ़ाई कर रही है। आरोपी युवक सुमीत पासवान दिल्ली का रहने वाला है, जो पहले साल भोपाल में रहकर बी.टेक की पढ़ाई कर रहा था। साल 2021 में उन दोनो की फ्रेंडशिप सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से हुई थी। पहले उनके बीच चैटिंग और फिर उनके बीच फोन पर बातचीत होने लगी। आरोप है कि पिछले साल जनवरी महीने में सुमित ने उसे मिलने के लिये बुलाया था। छात्रा तब उससे मिलने पहुंची तब आरोपी उसे घुमाने के बहाने अपने वाहन पर बैठाकर हबीबगंज इलाके के एक होटल में ले गया। यहां उसने कमरे में ले जाकर छात्रा के साथ जबरदस्ती करते हुए उसकी मर्जी के खिलाफ शारीरिक संबंध बना डाले। पीड़िता के विरोध करने पर आरोपी ने उसे जल्द ही शादी करने का झांसा दे दिया।

स्वस्थ जीवनशैली अपनाएँ, किडनी रोगों से बचें: शुक्ल

नियमित जाँच और अंगदान को बढ़ावा देने का किया आह्वान

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर किडनी रोगों से बचा जा सकता है। विश्व किडनी दिवस के अवसर पर उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने प्रदेशवासियों से किडनी रोगों के प्रति जागरूक रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियां क्रॉनिक किडनी डिजीज (सीकेडी) के प्रमुख कारण हैं।

इसके नियंत्रण के लिए समय पर जांच और सतर्कता अत्यंत आवश्यक है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं लेकिन अधिक मात्रा में पानी पीने से बचें। अपने आहार में किडनी के लिए अनुकूल फल और सब्जियाँ शामिल करें और भोजन में प्राकृतिक जड़ी-बूटियों और मसालों का प्रयोग करें। नियमित रूप से व्यायाम करें और धूम्रपान व शराब के सेवन से बचें। साथ ही, चीनी और नमक के अधिक सेवन से परहेज करें ताकि किडनी की कार्यक्षमता प्रभावित न हो।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और सभी नागरिकों को उत्कृष्ट चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। राज्य सरकार किडनी रोगियों को गुणवत्तापूर्ण उपचार और डायलिसिस सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। वर्तमान में प्रदेश में कुल 67 डायलिसिस इकाइयाँ कार्यरत हैं। इनमें 325 डायलिसिस मशीनों से मरीजों को राहत प्रदान की जा रही है। अप्रैल 2024 से फरवरी 2025 तक 5058 मरीजों ने इन सेवाओं का लाभ लिया, और इस अवधि में 1,76,975 डायलिसिस सत्र सफलतापूर्वक संपन्न किए गए।

रोकथाम और प्रारंभिक पहचान पर जोर

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में मधुमेह और उच्च रक्तचाप से ग्रस्त सभी मरीजों की नियमित सीकेडी जांच सुनिश्चित की जा रही है, ताकि इस बीमारी को प्रारंभिक अवस्था में पहचाना और नियंत्रित किया जा सके। सभी चिकित्सकों को भी इस विषय में जागरूक किया जा रहा है कि वे उच्च जोखिम वाले मरीजों की समय पर पहचान कर उचित मार्गदर्शन दें।उन्होंने नागरिकों से अंगदान को अपनाने की अपील की है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि सरकार अंग प्रत्यारोपण को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न योजनाओं और सुविधाओं पर कार्य कर रही है, जिससे अधिक से अधिक मरीजों को नया जीवन मिल सके।

त्यौहार ही नहीं देश के विकास के लिए भी जरूरी है सौहार्द और भाईचारा

इस बार बसंतोत्सव होली और पाक माह रमजान का जुमा एक साथ आया है, जिसे लेकर देश के विभिन्न हिस्सों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। इस त्योहारी सीजन में हिंदू-मुस्लिम एकता और भाईचारा बनाए रखने और पर्व को परंपरागत और शांतिपूर्ण ढंग से मनाने की अपील भी जनता से की गई है। संवेदनशील शहरों व विभिन्न इलाकों में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने भी पूरी मुस्तैदी दिखाई है। पुलिस वाहनों के साथ पैदल मार्च कर उत्पातियों व असामाजिक तत्वों को सीधा संदेश दिया गया है कि कोई भी गुस्ताखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी, गफलत हुई कि कार्रवाई सख्त होगी। वैसे कहा यही जाता है कि जहां पुलिस ईमानदारी के साथ अपनी ड्यूटी पूरी करती है, वहां क्राइम रेट खुद-ब-खुद गिर जाता है। बहरहाल यहां बात इस समय होली और रमजान पर भाईचारे और सौहार्द बनाए रखने की हो रही है। इस कारण याद आ जाता है वो वक्त जबकि त्यौहार और पर्व के आने की खुशियां बहुत पहले से घर-आंगन से लेकर गलियों और चौक-चौराहों तक में अपनी खुशबू बिखेरने लगती थी। त्यौहार आने के एक पखवाड़ा पहले से ही तैयारियों का दौर शुरु हो जाता था। क्या हिंदू और क्या मुसलमान सभी धर्मों के मानने वाले एक साथ त्यौहार मनाते और एक-दूसरे को बधाई देते नजर आते थे। यह सच है कि अमीर खुसरो और रसखान के जमाने की होली से लेकर मुंशी प्रेमचंद की ईदगाह तक के यादगार पलों को गुजरे हुए वर्षों गुजर गए। अब वो बीते जमाने की बात हो गई। कहने में हिचक नहीं कि वोट बैंक की खातिर गंदी राजनीति ने समाज को बांटने और धर्म के नाम पर लोगों को लड़ाने का जो काम किया अब वो अपने चरम पर पहुंच चुका है। विभाजनकारी ताकतें अपने मंसूबों पर सफल होती हुई नजर आ रही हैं। यही वजह है कि आज त्यौहार और पर्व आने का नाम सुनते ही शांतिप्रिय लोगों के माथे पर चिंता की लकीरें साफ उभर आती हैं। एक अनजाना डर और भय का वातावरण निर्मित होता है, जिससे लोग स्वंय घरों में कैद हो इस पल के किसी तरह गुजर जाने की प्रार्थना करते नजर आ जाते हैं। इसी के साथ त्यौहार व पर्व का उत्साह समाप्त प्राय: हो जाता है और जो सामने आता भी है तो वह महज दिखावा होता है या फिर एक दूसरे को उकसाने वाली उपद्रवी प्रवत्ति नजर आती है। अब बहुतायत में आपसी भाईचारा और सौहार्द की बातें तो कहानियों में जमा इबारत की बात हो गई हैं। इससे जहां भाईचारे में पड़ी दरार और चौड़ी होती चली जा रही है वहीं समाज से खुशहाली धीरे-धीरे गायब होने लगी है। इस पर ध्यान देने की आवश्यकता है, इससे पहले कि स्थिति और भयावह हो जाए और दुनियां हम विश्वगुरुओं पर हंसने लगे। हमें अपनी भाईचारे वाली भारतीय संस्कृति और सांझा चूल्हा वाली परंपरा की ओर लौट जाना होगा। इसके बिना तो देश का विकास भी संभव नहीं है। इसका जीता-जागता उदाहरण हमारे पड़ोसी देश हैं जिनके हालात आज इस कदर बदतर हो चले हैं कि कभी भी उनके टुकड़े होने का अंदेशा सताए जा रहा है। अस्थिर सरकारें और उस पर सड़कों पर जनता का विरोध बताता है कि जब बीज बबूल का बोया गया तो आम कहां से होगा।

यहां यह भी नहीं भूलना चाहिए कि हिंदुस्तान में मनाए जाने वाले त्यौहार आज और कल की परंपरा का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि इनकी अपनी एक ऐतिहासिक पहचान है। होली को ही ले लें इसे वसंत ऋतु में हर्षोल्लास के साथ मनाए जाने के कारण वसंतोत्सव और काम-महोत्सव भी कहा जाता है। इतिहासकार बताते हैं कि आर्यों के काल में भी होली पर्व मनाया जाता रहा है। वह भी इसलिए क्योंकि होली याद दिलाती है बुराई पर अच्छाई की जीत की। पौराणिक कथाओं के अनुसार होलिका राक्षस कुल के महाराज हिरण्यकश्यप की बहन थीं, जो कि अग्निदेव की उपासक थीं। अग्निदेव ने उन्हें प्रसन्न हो वरदान स्वरूप एक ऐसा वस्त्र दिया था जिसे धारण करने के बाद अग्नि भी उन्हें जला नहीं सकती थी। वहीं बालक प्रहलाद की भगवान विष्णु के प्रति अगाध भक्ति से परेशान राजा हिरण्यकश्यप ने अपनी बहन होलिका को आदेश दिया कि वह उनके पुत्र प्रह्लाद को गोद में लेकर हवन कुंड में बैठें। उनका मानना था कि ऐसा करने से प्रहलाद अग्नि में जल जाएगा और होलिका उसी वस्त्र की सहायता से सकुशल बाहर आ जाएंगी, लेकिन हुआ उल्टा और प्रहलाद को ईश्वर ने बचा लिया, जबकि होलिका आग में भस्म हो गई। इस प्रकार अधर्म पर धर्म की विजय हुई और तभी से होली मनाने की परंपरा शुरु हो गई। इस प्रकार होली मनाने की परंपरा अनादिकाल से चली आ रही है। वहीं दूसरी तरफ रंगों से खेले जाने वाली होली को राधा-कृष्ण के पावन प्रेम की याद में मनाया जाना बताया जाता है। मतलब होली रंगों के साथ प्रेम और समर्पण का भाव भी लिए हुए होती है। इसके बाद आधुनिकतम होली को वैज्ञानिक और पर्यावरणीय पहलुओं को ध्यान में रख कर खेलने की परंपरा है। इसमें किसी भी प्रकार से किसी को किसी भी तरह की तकलीफ पहुंचाने का कोई संदेश नहीं दिया गया है। इस बार होली चूंकि रमजान के दूसरे सप्ताह के शुक्रवार को आई है, इसे देखते जहां शासन-प्रशासन विशेष सतर्कता बरत रहा है तो वहीं सामाजिक व धार्मिक संगठनों ने भी त्यौहारों को शांतिपूर्वक मनाने और भाईचारा कायम रखने की अपील की है। अब सवाल यह उठता है कि शांति और भाईचारे के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्मित करने की बात महज त्यौहारों और पर्वों के समय पर ही क्यों की जाती है। इसकी आवश्यकता तो साल के 365 दिन होती है, ताकि देश अपने विकास पथ पर बिना रुके तेज गति से आगे बढ़ता चला जाए। इससे भारत में सुख-समृद्धि आएगी और देश का मान दुनियां में बढ़ेगा। इसके लिए गंदी राजनीति खत्म होनी चाहिए और धर्म-जाति व संप्रदाय के आधार पर बांटने की कुचालें परास्त होनी ही चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ी को एक सुंदर और विकसित भारत मिल सके।

खतरे में दुनिया में फसलों की विविधता

दुनिया में तापमान बढ़ता रहा तो फसलों की विविधता खतरे में पड़ जाएगी। एक अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि यदि वैश्विक तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो जाता है, तो फसल विविधता खो सकती है, जिससे विश्वव्यापी खाद्य सुरक्षा के लिए जोखिम बढ़ सकता है। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि उच्च तापमान के कारण वैश्विक खाद्य उत्पादन का लगभग एक तिहाई हिस्सा खतरे में पड़ सकता है। फिनलैंड के आल्टो विश्वविद्यालय के विज्ञानियों ने नेचर फूड में प्रकाशित शोध में बताया है कि तापमान, वर्षा के पैटर्न और समग्र शुष्कता में परिवर्तन दुनिया भर में 30 प्रमुख खाद्य फसलों के विकास को प्रभावित करेंगे। निम्न अक्षांश क्षेत्र (भूमध्य रेखा के नजदीकी क्षेत्र), खास कर उष्णकटिबंधीय देशों के बड़े हिस्से सबसे अधिक नुकसान उठाने वाले हैं। जैसे-जैसे तापमान बढ़ेगा, इन क्षेत्रों में कृषि के लिए बहुत अधिक भूमि अनुपयुक्त होती जाएगी। फसलों की विविधता में भी भारी गिरावट आएगी। विविधता के नुकसान का मतलब है। कि कुछ क्षेत्रों में खेती के लिए उपलब्ध खाद्य फसलों के दायरे में काफी कमी आ सकती है। इससे खाद्य सुरक्षा कम होगी और पर्याप्त कैलोरी और प्रोटीन प्राप्त करना अधिक कठिन हो जाएगा। इन बदलती परिस्थितियों से दुनिया के मौजूदा खाद्य फसल उत्पादन का आधा हिस्सा प्रभावित हो सकता है। चावल, मक्का, गेहूं, आलू और सोयाबीन जैसी प्रमुख फसलों को उपयुक्त कृषि भूमि में भारी कमी का सामना करना पड़ सकता है। इससे उन लोगों के लिए चुनौतियां बढ़ सकती हैं जो दैनिक पोषण के लिए इन फसलों पर निर्भर हैं। अफ्रीका के सहारा रेगिस्तान के दक्षिण में स्थित देश सबसे अधिक प्रभावित होंगे। यदि ग्लोबल वार्मिंग तीन डिग्री सेल्सियस से अधिक हो जाती है तो इन देशों में वर्तमान उत्पादन का लगभग तीन चौथाई हिस्सा खतरे में पड़ जाएगा। वैश्विक तापमान वृद्धि का असर सब जगह एक जैसा नहीं होगा। नया अध्ययन निम्न अक्षांश और मध्य से उच्च अक्षांश क्षेत्रों (भूमध्य रेखा और ध्रुवीय क्षेत्रों के बीच में गर्म और ठंडी जलवायु वाले क्षेत्र) के बीच में एक स्पष्ट अंतर को दर्शाता है। भूमध्य रेखा के नजदीकी देशों को जहां फसल की भारी क्षति और विविधता में गिरावट का सामना करना पड़ सकता है, वहीं ठंडी जलवायु वाले देश अपने समग्र उत्पादन स्तर को बनाए रख सकते हैं। मध्य और उच्च अक्षांश वाले क्षेत्र गर्म होती दुनिया में फसलों की एक विस्तृत श्रृंखला को खेती करने में सक्षम हो सकते हैं। ग्लोबल वार्मिंग नए कीट पैदा कर सकती है और चरम मौसम की घटनाएं ला सकती है। अगर हम भविष्य में अपनी खाद्य प्रणाली को सुरक्षित रखना चाहते हैं, तो हमें जलवायु परिवर्तन को कम करना पड़ेगा और इसके प्रभावों के अनुकूल होना पड़ेगा।

होली महोत्सव के सांस्कृतिक और सामाजिक महत्व

भारत भूमि के संस्कार वास्तव में एक ऐसी अनमोल विरासत है, जो सदियों से एक परंपरा के रूप में प्रचलित है। जो समाज में ऐक्य भाव की स्थापना करने का मार्ग प्रशस्त करता है। वर्तमान में जहां परिवार टूट रहे हैं, वहीं समाज में अलगाव की भावना भी विकसित होती जा रही है। इस भाव को समाप्त करने के लिए हमारे त्यौहार हर वर्ष पथ प्रदर्शक बनकर आते हैं, लेकिन विसंगति यह है कि हम इन त्यौहारों को भूलते जा रहे हैं।

त्यौहार की परिपाटी को हमने अपनी सुविधा के अनुसार बदल दिया है। ऐसे में यही कहा जा सकता है कि हम अपनी जड़ों से या तो कट चुके हैं या फिर कटने की ओर अग्रसर हो रहे हैं। जो व्यक्ति या समाज अपनी जड़ों से कट जाता है वह निश्चित ही पतन की ओर ही जाता है।

भारत के प्रमुख त्यौहारों में शामिल होली को पूरा भारत देश मनाता है। होली के त्यौहार का सांस्कृतिक आधार देखा जाए तो यह वर्ष में हुए परस्पर मनमुटाव को समाप्त करने का एक माध्यम है। भारत की संस्कृति अत्यंत श्रेष्ठ भी इसीलिए ही कही जाती है कि यहां आपसी सामंजस्य का बोध है। यहां के सभी त्यौहार आपसी सामंजस्य को बढ़ावा देने वाले होते हैं। इसी प्रकार रंगों का पर्व होली का त्यौहार भी सामंजस्य को बढ़ावा देता है। जिस प्रकार से होली के अवसर पर सभी रंग आपस में घुल मिल जाते हैं, उसी प्रकार से व्यक्तियों के मिलने की भी कल्पना की गई है। इस त्यौहार पर दुश्मनों के भी भाव बदल जाते हैं, और सारे देश में दोस्ती का वातावरण निर्मित होता हुआ दिखाई देता है। वर्तमान में होली के बारे में हम कहते हैं कि पहले जैसी होली अब नहीं होती। यह सत्य है कि कि इसमें परिवर्तन आया है, लेकिन क्या हमने सोचा कि ऐसा परिवर्तन आने के पीछे कारण क्या हैं। वास्तव में इसके लिए हम ही दोषी हैं। पांच दिन के इस त्यौहार की मस्ती को हमने समेट कर रख दिया है और मात्र एक या दो घंटे में पूरा त्यौहार मना लिया जाता है। ऐसे में मात्र एक घंटे में होली का वह भाई चारा वाला स्वरूप कैसे दिखाई देगा।

होली के इस पावन पर्व पर हमारे समाज के कई लोग दुश्मनी मिटाना तो दूर, दुश्मनी पालने की कवायद करते हुए दिखाई देते हैं। पिछले कई वर्षों से देश के कई भागों में होली के अवसर पर लड़ाई झगड़े होते हुए भी दिखाई देने लगे हैं। इससे सवाल यह उठता है कि क्या हम होली को वास्तविक अर्थों में मनाने का मन बना पा रहे हैं। अगर नहीं तो तो हमें यह कहने का भी अधिकार भी नहीं है कि होली का स्वरूप पहले जैसा नहीं रहा। पौराणिक मान्यताओं के आधार पर होली के पावन पर्व का निष्कर्ष निकाला जाए तो यही परिलक्षित होता हुआ दिखाई देता है कि जिसके मन में विकार होता है, उसे समाप्त करने का होली का त्यौहार सबसे अच्छा अवसर है, अगर हमने अपने अंदर पैदा हुए विकास को समाप्त करने का प्रयास नहीं किया तो भगवान उस विकार को समाप्त करने का काम कर देंगे। हम जानते हैं कि भगवान नरसिंह ने राक्षस हिरण्यकश्यप को इसलिए मार दिया कि उसके अंदर कई प्रकार के विकास समाहित हो गए थे। भगवान के भक्त प्रह्लाद ने कई बार चेताया भी, लेकिन उसने अपने अंदर के अहम को समाप्त नहीं किया। रंगों का पर्व होली हिन्दुओं का पवित्र त्यौहार है। यह मौज-मस्ती व मनोरंजन का त्योहार है। सभी हिंदू जन इसे बड़े ही उत्साह व सौहार्दपूर्वक मनाते हैं। यह त्योहार लोगों में प्रेम और भाईचारे की भावना उत्पन्न करता है। जिस प्रकार बसंत के मौसम में रंग बिखरते हैं, उसी प्रकार से होली के अवसर पर भी रंग बिखरते हुए दिखाई देते हैं। रंगों का अर्थ है, मन में बसंत की बहार का उल्लास। अगर होली के अवसर पर हमारे मन में उल्लास नहीं है तो फिर होली के मायने ही क्या हैं? इसलिए होली पर मन की प्रफुल्लता बहुल जरूरी है। प्राकृतिक रूप से फाल्गुन की पूर्णिमा ही नहीं अपितु पूरा फाल्गुन मास होली के रंगों से सराबोर हो जाता है। होली का त्यौहार ज्यों-ज्यों निकट आता जाता है त्यों-त्यों हम नए उत्साह से ओत-प्रोत होने लगते हैं।

होली का पर्व प्रतिवर्ष फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। इस पर्व का विशेष धार्मिक, पौराणिक व सामाजिक महत्व है। इस त्योहार को मनाने के पीछे एक पौराणिक कथा प्रसिद्ध है। प्राचीनकाल में हिरण्यकश्यप नामक असुर राजा ने ब्रह्मा के वरदान तथा अपनी शक्ति से मृत्युलोक पर विजय प्राप्त कर ली थी। अभिमानवश वह स्वयं को अजेय समझने लगा। सभी उसके भय के कारण उसे ईश्वर के रूप में पूजते थे परंतु उसका पुत्र प्रह्लाद ईश्वर पर आस्था रखने वाला था। जब उसकी ईश्वर भक्ति को खंडित करने के सभी प्रयास असफल हो गए तब हिरण्यकश्यप ने अपनी बहन होलिका को यह आदेश दिया कि वह प्रह्लाद को गोद में लेकर जलती हुई आग की लपटों में बैठ जाए, क्योंकि होलिका को आग में न जलने का वरदान प्राप्त था। परंतु प्रह्लाद के ईश्वर पर दृढ़-विश्वास के चलते उसका बाल भी बांका न हुआ बल्कि स्वयं होलिका ही जलकर राख हो गई। तभी से होलिका दहन परंपरागत रूप से हर फाल्गुन मास की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। इस बात से कहा जा सकता है कि कुटिलता पूर्वक चली गई चाल कभी सफल नहीं हो सकती है। भगवान की भक्ति के समक्ष सारी कुटिलता धरी की धरी रह जाती है। हम सभी भगवान की भक्ति के समक्ष कुछ भी नहीं हैं। व्यक्ति चाहे कितना भी सामर्थ्यवान हो जाए, लेकिन जिन लोगों पर भगवान का आशीर्वाद है, उनका कभी कोई कुछ बिगाड़ नहीं सकता। होलिका दहन के दिन रंगों की होली होती है जिस दुल्हैड़ी भी कहा जाता है। इस दिन बच्चे, बूढ़े और जवान सभी आपसी वैर भुलाकर होली खेलते हैं। सभी होली के रंग में सराबोर हो जाते हैं। वे एक-दूसरे पर रंग डालते हैं तथा गुलाल लगाते हैं। ब्रज की परंपरागत होली तो विश्वविख्यात है जिसे देखने के लिए देश-विदेश से लोग आते हैं। ब्रज क्षेत्र में होली का पर्व देखते ही बनता है। कहा जाता है कि भारत में जिसने ब्रज की होली नहीं देखी उसने कुछ भी नहीं देखा। होली का त्योहार प्रेम और सद्भावना का त्योहार है परंतु कुछ असामाजिक तत्व प्राय: अपनी कुत्सित भावनाओं से इसे दूषित करने की चेष्टा करते हैं।

प्रसिद्धि की बैसाखी बनता साहित्य में चौर्यकर्म

हरियाणा के एक लेखक द्वारा राज्य गान के रूप में एक गीत के चयन को लेकर हाल ही में एक बहस छिड़ी है, जिस पर साहित्यिक चोरी का आरोप लगाया गया है। अन्य लेखकों ने इस मामले पर अपनी चिंता व्यक्त की है और इसे राज्य के मुख्यमंत्री के ध्यान में लाया है। इस स्थिति ने साहित्यिक चोरी के साथ-साथ आज साहित्य के सामने आने वाले अवसरों और चुनौतियों के बारे में नए सिरे से बातचीत शुरू कर दी है। साहित्यिक चोरी और कॉपी-पेस्ट का मुद्दा हिंदी साहित्य में भी बढ़ रहा है, खासकर डिजिटल युग में, जहां लेख, कविताएं और कहानियां ऑनलाइन आसानी से उपलब्ध हैं।

किसी अन्य लेखक के काम को बिना उचित श्रेय दिए या केवल मामूली बदलाव करके कॉपी करना साहित्यिक चोरी का एक स्पष्ट उदाहरण है। यह प्रवृत्ति न केवल लेखकों के अधिकारों का उल्लंघन करती है बल्कि मौलिकता और रचनात्मकता को भी कमजोर करती है।

साहित्यिक चोरी साहित्यिक क्षेत्र में एक बड़ी चुनौती बन गई है, जहाँ एक लेखक के विचारों, शब्दों या रचनाओं पर दूसरे लेखक द्वारा उचित स्वीकृति के बिना दावा किया जाता है। यह कृत्य न केवल साहित्यिक नैतिकता का उल्लंघन करता है बल्कि सच्चे लेखक की मौलिकता और रचनात्मकता को भी कमज़ोर करता है। कॉपी-पेस्ट करने का मुद्दा हिंदी साहित्य में तेज़ी से प्रचलित हो रहा है, खासकर इस डिजिटल युग में, जहाँ लेख, कविताएँ और कहानियाँ ऑनलाइन आसानी से उपलब्ध हैं। साहित्यिक चोरी में किसी और के साहित्य को बिना श्रेय दिए लेना या उसमें मामूली बदलाव करके उसे अपना बताकर पेश करना शामिल है। यह व्यवहार मूल लेखकों के अधिकारों का उल्लंघन करता है और रचनात्मकता और मौलिकता को दबाता है। कुछ व्यक्ति इस हद तक चले जाते हैं कि वे दूसरों के साहित्य को अपना बता देते हैं। साहित्यिक चोरी के एक रूप में कहानी के पात्रों को बदलना और उसे मूल रचना के रूप में विपणन करना शामिल है। इस कुकृत्य में ऐसे लोग भी हैं जो स्थापित लेखकों की प्रसिद्ध कृतियों को अपनी कृति के रूप में प्रस्तुत करते हैं, तथा अक्सर साहित्यिक क्षेत्र में मान्यता और प्रसिद्धि पाने की कोशिश करते हैं। साहित्यिक चोरी तब होती है जब कोई व्यक्ति किसी दूसरे लेखक के शब्दों को बिना अनुमति या उचित श्रेय दिए अपने शब्दों के रूप में प्रस्तुत करता है। इसमें वे स्थितियाँ भी शामिल हैं जहाँ कोई लेखक बिना उचित उद्धरण के अपने पहले से प्रकाशित साहित्यिक काम का पुन: उपयोग करता है। इसके अतिरिक्त, यदि कोई व्यक्ति मूल विचारों और संरचना को बरकरार रखते हुए किसी दूसरे की सामग्री में मामूली बदलाव करता है, तो उसे भी साहित्यिक चोरी माना जाता है। यह समस्या विभिन्न समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में प्रचलित है, और दुर्भाग्य से, यह आज भी जारी है। साहित्यिक चोरी के कई रूप हैं, और यहाँ तक कि दोहराव को भी रचनात्मक चोरी के रूप में देखा जा सकता है। उदाहरण के लिए, कई हिंदी लेखक होली या दिवाली जैसे त्योहारों के दौरान विभिन्न प्रकाशनों में अपनी रचनाएँ पुन: प्रकाशित करते हैं। एक मजबूत समीक्षा संस्कृति की कमी ने साहित्यिक चोरी को साहित्य का एक परेशान करने वाला पहलू बना दिया है। आजकल, कोई भी किसी रचना को उसे बिना किसी जाँच के प्रकाशित करवा सकता है, जिससे ऐसी स्थिति बन जाती है जहाँ मूल लेखक ठगे रह जाते हैं। निजी पाठ्यक्रमों के लिए प्रसिद्ध लेखकों की कृतियाँ लेना और उन्हें अपने नाम से प्रकाशित करना आम बात हो गई है। इस व्यवहार को खत्म करने के लिए केवल आलोचना ही अपर्याप्त लगती है।

साहित्यिक चोरी सिर्फ़ नए लेखकों या प्रसिद्धि चाहने वालों की ही बैसाखी नहीं है; यहाँ तक कि स्थापित हिंदी लेखक भी दूसरों की रचनाओं में थोड़ा-बहुत बदलाव करके उन्हें अपना बता देते हैं। साहित्यिक चर्चाओं में साहित्यिक चोरी के कई उदाहरण सामने आए हैं, जिनमें कुछ लेखकों पर प्रसिद्ध पुस्तकों के अंशों को अपनी रचनाओं में शामिल करने का आरोप लगाया गया है, जिससे अंतत: उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचा है। किसी अन्य लेखक के काम या विचारों का उपयोग करते समय, उचित श्रेय देना आवश्यक है। अपने स्वयं के विचारों और शैली को व्यक्त करके मौलिक लेखन को अपनाएँ, यह सुनिश्चित करें कि हिंदी साहित्य में नए दृष्टिकोण और रचनात्मकता पनपे। दूसरों के काम की अनजाने में नकल करने से बचें। हिंदी लेखकों को अपनी बौद्धिक संपदा की रक्षा के लिए अपनी रचनाओं के लिए कॉपीराइट सुरक्षित करना चाहिए। साहित्यिक नैतिकता को बनाए रखें, और लेखकों और पाठकों दोनों को मौलिकता की वकालत करते हुए साहित्यिक चोरी के खिलाफ एकजुट होना चाहिए। साहित्यिक चोरी के खिलाफ लड़ाई में आलोचक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अफसोस की बात है कि प्रकाशन उद्योग में कई संपादक साहित्य की बारीकियों को पूरी तरह से नहीं समझ पाते हैं।

होली भारत की साझी सांस्कृतिक विरासत का उत्सव

इंशा वारसी

भारत एक ऐसा देश है जो विविधता को सिर्फ़ स्वीकार करने के बजाय उसे गले लगाता है। यह देश हमेशा से संस्कृतियों, परंपराओं और धर्मों का मिश्रण रहा है जो शांतिपूर्वक सह-अस्तित्व में हैं। समावेश की यह भावना इसके त्यौहारों में खूबसूरती से झलकती है, जिसमें होली सबसे जीवंत त्यौहारों में से एक है। रंगों का यह त्यौहार धार्मिक सीमाओं से परे है, और एकता, प्रेम और साझा सांस्कृतिक विरासत जैसे मूल्यों को स्थापित करता है। होली, जो वसंत के आगमन और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है, को व्यापक रूप से खुशी के त्यौहार के रूप में माना जाता है। यह हिंदू पौराणिक कथाओं पर आधारित है और प्रह्लाद और होलिका की कहानी का सम्मान करता है, जो गलत पर सही की जीत का प्रतिनिधित्व करता है। प्रेम और एकता पर जोर देने के साथ, राधा और कृष्ण की हल्की-फुल्की कहानी एक और स्तर का महत्व प्रदान करती है।

होली अब सामाजिक सद्भाव का उत्सव है जो अपने धार्मिक मूल से परे जाकर सभी क्षेत्रों के लोगों को एकजुट करता है। जैसा कि अतीत में देखा गया है, होली एक ऐसा त्यौहार है जिसे सभी धर्मों के लोग मनाते हैं। इसे मुगल काल के दौरान मुस्लिम शासकों द्वारा मनाया जाता था और इसे ईद-ए-गुलाबी या गुलाबी ईद कहा जाता था। मुसलमानों और हिंदुओं के बीच सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए, अकबर और बहादुर शाह ज़फ़र जैसे सम्राटों ने होली के उत्सव में भाग लिया। सूफी रीति-रिवाजों ने त्यौहार के अधिक आध्यात्मिक महत्व को स्वीकार किया जिसने होली को इस्लामी संस्कृति में और भी शामिल कर दिया। होली को देवा शरीफ (बाराबंकी, यू.पी.) के पवित्र सूफी दरगाह पर विभिन्न धार्मिक समुदायों के बीच सम्मान और प्रेम के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। मुसलमानों द्वारा होली मनाने के कई संदर्भ अमीर खुसरो जैसे मुस्लिम कवियों की रचनाओं में पाए जा सकते हैं, जिन्होंने होली की सार्वभौमिक अपील पर प्रकाश डाला। आधुनिक भारत में साझा उत्सव अभी भी एक परंपरा है। जहाँ कई मुसलमान सांस्कृतिक रूप से होली को अपनाते हैं और समान उत्साह के साथ उत्सव में भाग लेते हैं, वहीं हिंदू इसे धार्मिक रूप से मनाते हैं। मुस्लिम शादियों में मांझा समारोह, जो हिंदू हल्दी अनुष्ठान के बाद तैयार किया जाता है, संस्कृतियों के इस सम्मिश्रण का एक उदाहरण है। चमकीले रंग, जो खुशी, धन और एक नए अध्याय की शुरुआत का प्रतिनिधित्व करते हैं, दोनों रीति-रिवाजों में परिवार के सदस्यों और दोस्तों द्वारा लगाए जाते हैं। होली का मूल विचार, जो रंग के माध्यम से खुशी फैलाना है, को बरकरार रखा जाता है, यह पुष्टि करते हुए कि रीति-रिवाजों को विभाजित करने के बजाय साझा किया जाना चाहिए। भारत की ताकत विभिन्न परंपराओं को आत्मसात करने और अपनाने की इसकी क्षमता में निहित है। इस सांस्कृतिक संश्लेषण का एक उदाहरण होली का त्यौहार है। यह एक सांस्कृतिक समन्वय के रूप में कार्य करता है ।यह याद दिलाता है कि हम अपने साझा इतिहास, भावनाओं और रिश्तों से एकजुट हैं, चाहे हमारी धार्मिक संबद्धता कुछ भी हो। भारत की विविधता में एकता होली के दौरान मनाई जाती है, जो सिर्फ़ एक हिंदू त्यौहार से कहीं बढ़कर है। होली हमें सिखाती है कि एकता उत्सव लाती है और खुशी किसी धार्मिक सीमा को नहीं पहचानती। अक्सर मतभेदों से बंटी दुनिया के बीच, होली भारत के विविधतापूर्ण, समावेशी और लगातार बदलते इतिहास की एक शानदार याद दिलाती है।

फ्रैंकोफोन और पत्रकारिता अध्ययन, जामिया मिलिया इस्लामिया

पहले तोलें फिर बोलें

एक बूढ़ा राहगीर थक कर कहीं टिकने का स्थान खोजने लगा। एक महिला ने उसे अपने बाड़े में ठहरने का स्थान बता दिया। बूढ़ा वहीं चैन से सो गया। सुबह उठने पर उसने आगे चलने से पूर्व सोचा कि यह अच्छी जगह है, यहीं पर खिचड़ी पका ली जाए और फिर उसे खाकर आगे का सफर किया जाए। बूढ़े ने वहीं पड़ी सूखी लकड़ियां इकट्ठा कीं और ईंटों का चूल्हा बनाकर खिचड़ी पकाने लगा। बटलोई उसने उसी महिला से मांग ली। बूढ़े राहगीर ने महिला का ध्यान बंटाते हुए कहा, एक बात कहूं.? बाड़े का दरवाजा कम चौड़ा है। अगर सामने वाली मोटी भैंस मर जाए तो फिर उसे उठाकर बाहर कैसे ले जाया जाएगा.? महिला को इस व्यर्थ की कड़वी बात का बुरा तो लगा, पर वह यह सोचकर चुप रह गई कि बुजुर्ग है और फिर कुछ देर बाद जाने ही वाला है, इसके मुंह क्यों लगा जाए। उधर चूल्हे पर चढ़ी खिचड़ी आधी ही पक पाई थी कि वह महिला किसी काम से बाड़े से होकर गुजरी। इस बार बूढ़ा फिर उससे बोला- तुम्हारे हाथों का चूड़ा बहुत कीमती लगता है। यदि तुम विधवा हो गईं तो इसे तोड़ना पड़ेगा। ऐसे तो बहुत नुकसान हो जाएगा.? इस बार महिला से सहा न गया। वह भागती हुई आई और उसने बुड्ढे के गमछे में अधपकी खिचड़ी उलट दी। चूल्हे की आग पर पानी डाल दिया। अपनी बटलोई छीन ली और बुड्ढे को धक्के देकर निकाल दिया। तब बुड्ढे को अपनी भूल का एहसास हुआ। उसने माफी मांगी और आगे बढ़ गया। उसके गमछे से अधपकी खिचड़ी का पानी टपकता रहा और सारे कपड़े उससे खराब होते रहे। रास्ते में लोगों ने पूछा, यह सब क्या है.? बूढ़े ने कहा, यह मेरी जीभ का रस टपका है, जिसने पहले तिरस्कार कराया और अब हंसी उड़वा रहा है।

विरासत है भिवानी के बड़वा गांव की समृद्ध होली परम्परा

गांव के ऐतिहासिक झांग आश्रम में सबसे बड़ी डफ मंडली बसंत पंचमी पर एक उत्सव की शुरुआत करती है, जो गांव के हर कोने को जीवंत धमाल से भर देती है। इसी तरह, बाबा रामदेव मेला मंदिर में होली उत्सव एक अनूठी शैली में मनाया जाता है। होली के दौरान, मंदिर में एक भव्य डफ प्रतियोगिता आयोजित की जाती है, जिसमें उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों से शीर्ष डफ और धमाल टीमें भाग लेती हैं।

होली का यह उत्सव विशेष रूप से राजपूत समुदाय में खास होता है, जहां लोग भाईचारे की भावना को बढ़ावा देते हुए खुशी-खुशी रंग-बिरंगे गुलाल खेलते हैं। बड़वा में, राजपूत परिवार बसंत पंचमी से होली का जश्न शुरू करते हैं, और यह उत्साह गणगौर तक जारी रहता है।

होली भारत के सबसे प्रिय और भव्य त्योहारों में से एक है। दो दिनों तक चलने वाले इस त्योहार के पहले दिन को %छोटी होली% या होलिका दहन के नाम से जाना जाता है, जबकि दूसरे दिन को %रंगवाली होली% या फाग के नाम से जाना जाता है। पहले दिन की शाम को होलिका दहन होता है, जहाँ लोग अपने जीवन से नकारात्मकता को दूर करने के लिए प्रार्थना करने के लिए एकत्रित होते हैं। दूसरे दिन भोर होते ही, रंग-बिरंगे रंगों और पानी के साथ उत्सव की शुरुआत होती है और सभी लोग खुशी-खुशी होली खेलते हैं। भारत में, लोगों को एक-दूसरे पर रंग छिड़कने के लिए दौड़ते हुए देखना आम बात है, और हरियाणा में देवर-भाभी द्वारा मनाई जाने वाली कोरडा मार होली इस मस्ती में एक अनोखा मोड़ लाती है। यह खूबसूरत त्योहार भारत के विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न तरीकों से मनाया जाता है।

हरियाणा के सिवानी के बड़वा गाँव की होली काफी प्रसिद्ध है। यहाँ उत्सव डेढ़ महीने तक चलता है। दशकों से, राजपूत परिवार बड़वा में अपने जीवंत होली उत्सव के लिए जाने जाते हैं। भिवानी जिले का यह गांव अपने अनोखे तरीके से त्यौहार मनाने के लिए मशहूर है। बड़वा के युवा लेखक डॉ. सत्यवान सौरभ और प्रियंका सौरभ के अनुसार होली की परंपरा बसंत पंचमी से शुरू होती है और गणगौर पूजा तक जारी रहती है। बड़वा गांव को एक पवित्र स्थान माना जाता है, जिसकी संस्कृति समृद्ध है और जहां 36 समुदायों के लोग सद्भाव से रहते हुए त्योहारों के दौरान अपनी परंपराओं और रीति-रिवाजों को कायम रखते हैं।

बड़वा गांव में होली एक जीवंत उत्सव है जो विभिन्न प्रमुख स्थानों के साथ-साथ गांव के कोने-कोने में भी मनाया जाता है। उत्सव की शुरुआत प्राचीन झंग आश्रम से होती है, जहां सबसे बड़ी डफ मंडली बसंत पंचमी से अपना जीवंत धमाल नृत्य शुरू करती है। यह ऊर्जावान जुलूस आश्रम से अलग-अलग इलाकों में घूमते हुए पूरे गांव में फैलता है। होली का एक और आकर्षण बाबा रामदेव मेला मंदिर में मनाया जाने वाला उत्सव है, जहां एक भव्य डूफ प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। विभिन्न उत्तर भारतीय राज्यों की टीमें अपनी बेहतरीन डूफ और धमाल प्रस्तुतियां देती हैं, रात भर नृत्य से मनोरंजन करती हैं, जिसमें विजेता टीम को नकद पुरस्कार मिलता है। पूरा गांव धमाल नृत्य का आनंद लेने के लिए मंदिर में इकट्ठा होता है।

राजपूतों के ऐतिहासिक गढ़ में भी होली मनाई जाती है, जहां त्योहार पर एकता और भाईचारे के प्रतीक गुलाल की रंगीन छटा बिखेरी जाती है। बड़वा में, राजपूत परिवार बसंत पंचमी से अपना होली उत्सव शुरू करते हैं, जिसमें कई लोग डफ बजाने में भाग लेते हैं। अन्य समुदायों के लोग भी इसमें शामिल होते हैं और विभिन्न प्रकार के गीतों के साथ उत्सव को और भी शानदार बनाते हैं। बड़वा एक बड़ा गांव है, और इसकी संकरी गलियां मुख्य चौराहों पर मिलती हैं। फाग के दौरान, ये चौराहे पारंपरिक कोरडा मार होली के साथ जीवंत हो उठते हैं, आज कोरड़ा प्रथा जो हरियाणा के कई हिस्सों में लुप्त होती जा रही है। हालाँकि, बड़वा में, इन चौराहों पर बड़े-बड़े पानी के टब लगाए जाते हैं, जो देवरों और भाभियों के समूहों से घिरे होते हैं, और जोशीले कोरडा मार होली और जीवंत संगीत से भरा एक आनंदमय माहौल बनाते हैं।

फाग से पहले के दिन, बड़वा गांव के निवासी श्रद्धापूर्वक होलिका स्थापित करने के लिए गुलिया और रोहसड़ा चौराहे पर एकत्र होते हैं। बाद में, ग्रामीण होली पूजा में भाग लेने के लिए एकत्र होते हैं। शाम होते ही, शुभ समय पर होलिका को आग लगाई जाती है, और सभी लोग उत्सव में शामिल होते हैं।बदलते दौर में, गाँव की सामाजिक संस्थाओं ने गुलाल तिलक और फूलों के साथ होली मनाने का एक नया रिवाज शुरू किया है, जो जल संरक्षण को बढ़ावा देता है और हानिकारक रंगों से दूर रहने का सन्देश देता है, साथ ही आधुनिक संवेदनाओं के साथ अच्छी तरह से मेल खाता है। जीवंत होली धमाल मुख्य रूप से गाँव के पुरुषों द्वारा किया जाता है, जो हर गली में गूंजता है। दो व्यक्ति एक दूसरे के सामने खड़े होकर डफ बजाते हैं, बीच में एक ढोलकिया और एक झांझ बजाने वाला होता है। सभी लोग एक घेरा बनाते हैं, एक साथ खुशी से गाते हैं। गाँव के पारंपरिक सपेरे उत्सव में शामिल होते हैं, घूमते हैं और बांसुरी बजाते हैं, प्रत्येक घर से छोटे-छोटे दान प्राप्त करते हैं। जैसे-जैसे वे एक घर से दूसरे घर जाते हैं, बांसुरी और अन्य वाद्ययंत्रों की ध्वनि हवा में गूंजती है और सभी प्रतिभागी उत्साह के साथ नृत्य करते हैं, एक-दूसरे को उत्साह बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। बड़वा गांव में होली वास्तव में एक उल्लेखनीय और शानदारउत्सव है। यह एक अनूठी परंपरा का प्रतीक है जो पूरे साल की थकान को दूर कर देती है। आज के समय में भी जब मनोरंजन के कई विकल्प मौजूद हैं, बड़वा में सामूहिक आनंद, कला और संस्कृति का मिश्रण हमेशा की तरह ही संजोया हुआ है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राकेश व्यास द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप, 11 प्रेस कॉम्प्लेक्स जोन -1, एमपी नगर, भोपाल - 462011 (मप्र) से मुद्रित एवं प्लाट नम्बर 3, साईं दिशा कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एमपी नगर, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक राकेश व्यास, मो : - 09977701999, समूह संपादक सुनील दत्त तिवारी, मो :- 9713 289999, संपादक- ऋषिकान्त सिंह (रजत) परिहार, मो :- 09425002527, फोन: 0755-4222349, ईमेल आईडी: madhyaswarnim@gmail.com समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार होंगे। आरएनआई रजिस्टर्ड क्रमांक:- MPHIN/2013/52452

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

होली के त्यौहार पर 14 मार्च को मदिरा दुकानें बंद रखने के आदेश

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)। जिला दण्डाधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान ने होली के त्यौहार के दौरान कानून व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था एवं अन्य व्यवस्थाओं को दृष्टिगत रखते हुए शुक्रवार 14 मार्च को होली पर्व के अवसर पर मदिरा दुकानें बंद करने के आदेश जारी किए हैं। शुक्रवार को सायंकाल 4 बजे तक दुकानें पूर्णत- बंद रखे जाने के आदेश दिए गए हैं। जिला दण्डाधिकारी श्रीमती चौहान ने अपने आदेश में कहा है कि त्यौहार के अवसर पर मदिरा के क्रय ङ्क विक्रय पर अंकुश लगाए जाने के लिये मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा-24(1) प्रदत्त शक्तियों के अंतर्गत प्रशासकीय तथा लोक हित में होली के पर्व पर ग्वालियर जिले में समस्त देशी-विदेशी मदिरा दुकानें एफएल-2 रेस्टोरेंट, एफएल-3 होटल बार, एफएल-4 क्लब लायसेंस, समस्त एफएल-6/7, सैनिक कैन्टीन थोक एवं फुटकर लायसेंस, समस्त वाइन आउटलेट शॉप, विदेशी मदिरा भण्डार गृह ग्वालियर, देशी भण्डार मदिरा गृह ग्वालियर तथा डबरा और समस्त भांग दुकानों के क्रय-विक्रय केन्द्र को 14 मार्च को शाम 4 बजे तक के लिये बंद करने के आदेश जारी किए जाते हैं।

अब तक 70 दुकानदारों ने कराया पंजीयन

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)। स्कूली छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों की सुविधा के लिये कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान की पहल पर ग्वालियर में 22 मार्च से 29 मार्च तक वृहद पुस्तक मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह मेला ग्वालियर व्यापार मेला परिसर में आयोजित होगा। मेले में विभिन्न स्टॉलों के माध्यम से छात्र-छात्राओं और अभिभावकों को सस्ती दर पर स्कूली पुस्तकें, कॉपियाँ एवं स्कूल में उपयोग होने वाली अन्य सामग्री उपलब्ध कराई जायेगी। पुस्तक मेले में दुकानें लगाने के लिये उत्साहपूर्वक अब तक 70 दुकानदारों ने अपना पंजीयन करा लिया है। पंजीयन की तारीख सोमवार 17 मार्च तक कर दी गई है। शेष दुकानदारों से भी तत्परता से पंजीयन कराने का आग्रह किया गया है। पुस्तक मेले में अब तक कुल 70 दुकानदारों ने अपना पंजीयन कराया है। जिनमें 15 दुकानदार स्टेशनरी, 5 दुकानदार गणवेश, स्कूल बैग, बोतल आदि सामग्री, 50 दुकानें स्कूली पुस्तकें एवं अन्य सामग्री के संबंध में दुकानदारों द्वारा पंजीयन कराया गया है। अपर कलेक्टर टी एन सिंह ने बताया कि पुस्तक मेले के लिये जिन दुकानदारों के आवेदन प्राप्त होंगे, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर स्टॉल आवंटन करने का कार्य किया जायेगा। मेले में स्टॉलों की संख्या निर्धारित नहीं की गई है। कोई दुकान एक से अधिक स्टॉल चाहेगा तो उसे उपलब्ध कराए जायेंगे।

संभाग आयुक्त मनोज खत्री ने दी होली पर्व की शुभकामनाएँ

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)। संभाग आयुक्त मनोज खत्री ने हर्षोल्लास के उत्सव होली पर बधाई और शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने कहा है कि होली सामाजिक समरसता, सौहार्द्र और भाईचारे का त्यौहार है। यह त्यौहार विद्वेष और भेदभाव से ऊपर उठकर सबको एक साथ जीवन जीने की प्रेरणा भी देता है। उन्होंने सभी की सुख व समृद्धि की कामना की है।

कलेक्टर सक्सेना की अध्यक्षता में जिला मूल्यांकन समिति की बैठक संपन्न

जबलपुर (मध्य स्वर्णिम)। कलेक्टर दीपक सक्सेना की अध्यक्षता में आज जिले में स्थित स्थावर सम्पत्ति जैसे भूमि एवं भूखण्ड के बाजार मूल्य की संगणना के लिये बैठक आयोजित की गई। बैठक में वर्ष 2025-26 में अचल संपत्तियों के मूल्य की संगणना के गाईड लाईन व मध्यप्रदेश बाजार मूल्य मार्गदर्शक सिद्धांतों के संबंध में चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिये। साथ ही मूल्यांकन समिति द्वारा अनुमोदित प्रस्ताव सुझाव के लिये जिला व उप पंजीयक कार्यालयों में अवलोकन के लिये रखे गए है, जिसमें आमजन 17 मार्च को दोपहर 01 बजे तक अपने सुझाव या आपत्तियां प्रस्तुत कर सकते है। इस दौरान केंट विधानसभा से विधायक प्रतिनिधि सचिन जैन सहारा भी उपस्थित थे।

रानीताल के पास स्थित जमीन को विकसित करने में शहर के गणमान्य नागरिकों से सकारात्मक सुझाव लें

जबलपुर (मध्य स्वर्णिम)। कलेक्टर श्री दीपक सक्सेना की अध्यक्षता में रानीताल स्टेडियम के पास स्थित जमीन को नये प्रोजेक्ट के साथ शहरी सौंदर्यीकरण की दिशा में कार्य करने के संबंध में बैठक आयोजित की गई। इस दौरान कलेक्टर श्री सक्सेना ने कहा कि उक्त स्थल का सर्वप्रथम सीमांकन कर फेंसिंग करायें। प्राथमिक रूप से उन्होंने कहा कि यहां के डंप कचरे को हटाकर सिटी फॉरेस्ट विकसित कर वॉटर बॉडी को पुनर्जीवित करना है। साथ ही इस स्थान पर कुछ अच्छा नया प्रोजेक्ट लाकर रोजगार व व्यापार को बढ़ावा देने वाले कार्य किये जायें। नगर के अधिकारियों ने कहा कि उक्त स्थल पर एक व्यवस्थित तथा आकर्षक पार्क बनाया जायेगा। जहां शहर के प्रतिष्ठित लोगों के स्टेच्यु भी होंगे। फाउंटेन, स्केटिंग रिंग, बिलियर्ड क्लब, दर्शकों के लिये ओपन टेरिस प्वाइंट, घास के मैदान, पोंड, रोज गार्डन तथा केफे होगा, जो रानीताल झील से लगा होगा। उन्होंने कहा कि भविष्य में रानीताल लेक में बोटिंग कराने की कार्य योजना पर भी कार्य किया जा सकता है।

कलेक्टर ने जिलेवासियों को दीं होली पर्व की शुभकामनाएं

सीहोर (मध्य स्वर्णिम)। कलेक्टर बालागुरू के. ने होली पर्व के अवसर पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं हैं। उन्होंने सभी से प्रेम, सौहार्द और खुशियों के इस रंग-बिरंगे त्योहार को मिलजुल कर मनाने की अपील की है। कलेक्टर बालागुरू के. ने कहा कि होली आपसी भाईचारे और सद्भाव का प्रतीक है, जिसे हमें हर्षोल्लास और सुरक्षित वातावरण के साथ मनाना चाहिए।

बसों के मार्ग निर्धारण हेतु कलेक्टर एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों के साथ किया बस से भ्रमण

यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने विभिन्न मार्गों में सुधार हेतु प्रस्ताव तैयार करने के दिए निर्देश

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)।

ग्वालियर। शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और शहर के प्रमुख मार्गों से होकर अन्य शहरों की ओर जाने वाली बसों को कैसे व्यवस्थित रूप से संचालित किया जाए, इस उद्देश्य से कलेक्टर रुचिका चौहान एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने अंतर्राज्यीय बस स्टेण्ड से शहर के आउटर मार्गों का बस के माध्यम से भ्रमण कर अवलोकन किया। इस मौके पर नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय सहित नगर निगम, जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, स्मार्ट सिटी, परिवहन विभाग एवं अन्य विभागों के अधिकारियों ने भी बस में भ्रमण कर विभिन्न मार्गों का अवलोकन किया।

कलेक्टर रुचिका चौहान ने शहर की यातायात व्यवस्था को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से शहर के अंदर संचालित हो रहे बस स्टेण्डों से जो अन्य शहरों को जिसमें झांसी, शिवपुरी, डबरा, भिण्ड, मुरैना एवं अन्य शहरों को जो बसें संचालित होती हैं उन्हें आगामी दिनों से स्मार्ट सिटी द्वारा निर्मित किए गए अंतर्राज्यीय बस स्टेंड से संचालित करने के उद्देश्य से विभिन्न मार्गों का भ्रमण कर कार्ययोजना तैयार करने के लिये गुरुवार को विभागीय अधिकारियों के साथ शहर का भ्रमण कर मार्गों का अवलोकन किया। कलेक्टर चौहान एवं पुलिस अधीक्षक सिंह ने अंतर्राज्यीय बस स्टेंड से बस में सवार होकर भिण्ड जाने के लिये दीनदयालनगर, हवाई अड्डा के साथ ही ग्वालियर बाइपास होते हुए शिवपुरी लिंक रोड, नया गांव तिराहा से ग्वालियर हाईवे होते हुए पुन- अंतर्राज्यीय बस स्टेंड तक का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान मार्गों में जो भी सुधार किए जाना हैं, उनका प्रस्ताव तैयार कर आगामी दिनों में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक निर्णय लिए जायेंगे। दीनदयालनगर में रेत परिवहन करते दो ट्रकों की जाँच की गई। कलेक्टर रुचिका चौहान ने बस से भ्रमण के दौरान दीनदयाल नगर के टाइगर चौराहे पर दो ट्रकों को रेत परिवहन करते हुए देखने पर अधिकारियों को तत्काल उन्हें रोककर उनके कागजों की जांच करने के निर्देश दिए। खनिज विभाग एवं पुलिस विभाग के संयुक्त दल ने दोनों ट्रकों की विस्तार से जाँच की है। कलेक्टर रुचिका चौहान ने जाँच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि प्रतिवेदन के आधार पर आगामी कार्रवाई की जायेगी।

रंगपंचमी पर करीला मेले में आंगुतकों की सुविधाओं में कोई खलल नहीं होने देंगे

अपर कलेक्टर ने समीक्षा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया

विदिशा (मध्य स्वर्णिम)।

होली, रंगपंचमी पावन पर्व पर करीला में भरने वाले मेला में लाखों श्रद्धालुजन मां जानकी मंदिर में पूजा अर्चना व दर्शन के लिए शामिल होते हैं। आगंतुक श्रद्धालुगणों को किसी भी प्रकार की परेशानियां का सामना ना करना पड़े इसके लिए विदिशा जिले की राजस्व सीमा के अन्दर के मार्गो से संबंधित व अन्य वैकल्पिक प्रबंधो की समीक्षा अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर द्वारा की गई। जिले की सीमावर्ती बामौरीशाला ग्राम पंचायत में आयोजित समीक्षा बैठक में अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर ने सभी विभागो के अधिकारियों से कहा कि जो-जो दायित्व पिछले वर्ष आयोजन को सुव्यवस्थित रूप से सम्पन्न कराने हेतु सौंपे गए थे उन ही दायित्वों का क्रियान्वयन संबंधित विभागो के अधिकारी इस वर्ष भी और बेहतर तरीको से क्रियान्वित करेंगे। अपर कलेक्टर डामोर ने जिले की सीमावर्ती क्षेत्र में स्थित माता जानकी लवकुश मंदिरा करीला मेला में आंगुतकों की सुविधाओं में किसी भी प्रकार की कमियां नहीं होने देंगे। दो जिले क्रमश: विदिशा व अशोक नगर की सीमा पर स्थित माता जानकी लवकुश मंदिर करीला में श्रद्धालुगणों के लिए बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति के तहत स्वास्थ्य, यातायात, पेयजल आपूर्ति, बिजली की आपूर्ति, परिवहन, पार्किंग के साथ-साथ खाद्य पदार्थो की आपूर्ति, सुरक्षा प्रबंध, फायर बिग्रेड, वॉलिटियर्स, कंट्रोल रूम, खोया-पाया केन्द्र के साथ-साथ अन्य प्रबंधो पर विचार विमर्श कर क्रियान्वित किया गया। अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत चैबे, सिरोंज एसडीएम हर्षल चैधरी सहित अन्य अधिकारियों के द्वारा मेला के मद्देनजर किए जाने वाले प्रबंधो का जायजा ही नहीं लिया बल्कि क्रियान्वयन के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए है। इस दौरान बतलाया गया कि विदिशा जिले के तरफ से आने वाले वाहन पार्किंग के लिए स्थलों का चिन्हांकन किया गया है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशन में यू विन पोर्टल पर एंट्री हेतु दो दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

लगाए गए टीकों को कैसे ऑनलाइन यू विन पोर्टल पर एंट्री करना है दी जानकारी

विदिशा (मध्य स्वर्णिम)।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशन में जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. डीके शर्मा के मार्गदर्शन में जिले के प्रसव केंद्रों पर पदस्थ एएनएम, नर्सिंग ऑफिसर एवं कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स की यू विन पोर्टल पर एंट्री हेतु किए जा रहे कार्यों का प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन हुआ। गर्भवती महिलाओं के प्रसव प्रसव उपरांत जन्म लिए बच्चे को जानलेवा बीमारियों से बचाने बर्थ डोज के टीके लगा जाते हैं। जिनमें पोलियो , हैपेटाइटिस बी एवं बीसीजी शामिल हैं। लगाए गए टीकों को कैसे ऑनलाइन यू विन पोर्टल पर एंट्री करना है के संबंध में जिले में सभी एएनएम, नर्सिंग ऑफिसर एवं कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स को दो दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया था। प्रशिक्षण मास्टर ट्रेनर जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ डीके शर्मा, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पुनीत माहेश्वरी, प्रभारी जिला मीडिया अधिकारी श्री बीएसदांगी, डीव्हीएस के श्री राजेश कुमार अहिरवार एवं व्हीसीसीएम श्री नीरज शर्मा शामिल रहे जिनके द्वारा प्रशिक्षण देकर निर्देशित किया गया है कि वह अपने क्षेत्र के प्रसव केंद्रों पर जितने भी प्रसव हों उनमें शत प्रतिशत बर्थ डोज के टीके लगवाए जककर यू विन पोर्टल पर एंट्री करना सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने वृद्धाश्रम में पहुंचकर वृद्धजनों को होलिका की शुभकामनाएं अभिव्यक्त कर आत्मीय आशीर्वाद प्राप्त किया

कलेक्टर सिंह ने वृद्धजनों को अपने हाथो से गुलाल लगाई, मिठाई के पैकेट दिए

विदिशा (मध्य स्वर्णिम)।

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने होली की पूर्व संध्या पर शहर के श्रीहरिवृद्धाश्रम में पहुंचकर वृद्धजनों से संवाद किया और उन्हें होली की शुभकामनाएं अभिव्यक्त की। कलेक्टर सिंह ने वृद्धजनों को अपने हाथो से गुलाल लगाई और चरण स्पर्श कर शुभाशीर्वाद प्राप्त किया है। इस दौरान उन्होंने सभी बुजुर्गो को अपने हाथो से मिष्ठान पैकेट वितरित किए है। कलेक्टर सिंह ने इससे पहले वृद्धाश्रम में बुजुर्गो के रहने हेतु, भोजन सहित अन्य दैनिक दिनचर्या की पूर्ति हेतु किए गए प्रबंधो का अवलोकन कर जानकारियां प्राप्त की है। उन्होंने रसोई कक्ष के रोशनदान में जाली लगाने के निर्देश सामाजिक न्याय विभाग के उप संचालक को दिए है। कलेक्टर सिंह ने वृद्धाश्रम में रहने वाले वृद्धजनों से रू-ब-रू होकर उनकी दिनचर्या कैसे गुजरती है कि जानकारियां प्राप्त की। उन्होंने होली के पावन पर्व पर क्या-क्या मिष्ठान बनाएंगे कि जानकारियां लेते हुए खूब मिलकर होली खेले। रंग और जो भी चीज चाहिए सब उपलब्ध कराई जाएगी। कलेक्टर सिंह ने वृद्धजनों से आव्हान किया कि वे प्रसन्नचित मुद्रा में रहकर स्वंय आनंदित हो और दूसरो को संदेश दें। आश्रम की श्रीमती मीना सोनी ने भजन जनम-जनम का साथ हमारा तुम्हारा को गाया वहीं पंडित जी ने होरी पर वृदांवन की छंटा को बखान किया। वृद्धाश्रम की केयर टेकर सुकेसर जहां ने वृद्धाश्रम की व्यवस्थाओं, बुजुर्गो के संस्मरणो को सांझा किया। इस अवसर पर जिला पंचायत के अतिरिक्त सीईओ व सामाजिक न्याय विभाग के उप संचालक पंकज जैन के अलावा अन्य विभागो के अधिकारी मौजूद रहे।

किसानों की फार्मर आईडी बनाने के कार्य में उल्लेखनीय कार्य करने वाले पटवारियों का कलेक्टर ने किया सम्मान

अच्छा कार्य करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित करने की अनुकरणीय पहल

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)।

कलेक्टर रुचिका चौहान ने निरंतर मैदान में भ्रमण कर अपने दायित्वों का निर्वहन करने वाले और सौंपे गए दायित्वों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले जिले के 75 पटवारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करने का उल्लेखनीय कार्य किया है। कलेक्टर ने अपने कार्यालय में बुलाकर उत्कृष्ट कार्य करने वाले पटवारियों को न केवल प्रशस्ति पत्र दिया, बल्कि उनके द्वारा किए गए कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा भी की। ग्वालियर जिले में किसानों की फार्मर आईडी बनाने के कार्य में जिले के पटवारियों ने उल्लेखनीय कार्य किया है।

उनके द्वारा किए गए कार्य से ग्वालियर जिले की प्रगति में सुधार हुआ है। कलेक्टर रुचिका चौहान ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में जिले के 75 चयनित पटवारियों को बुलाकर उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए उनके द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्य की सराहना भी की। इस मौके पर एडीएम टी एन सिंह, संयुक्त कलेक्टर संजीव जैन, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अशोक चौहान, अतुल सिंह, विनोद सिंह, विभागीय अधिकारी व जिले के पटवारीगण उपस्थित थे। कलेक्टर चौहान ने पटवारियों को सम्मानित करते हुए कहा कि ग्वालियर जिले में किसानों की फार्मर आईडी बनाने के कार्य में अच्छा कार्य हुआ है लेकिन अभी और कार्य भी शेष है, जिन किसानों की फार्मर आईडी बनना शेष है उनकी भी फार्मर आईडी बने। इसके लिये सभी पटवारी अपने-अपने क्षेत्र में विशेष प्रयास कर किसानों की फार्मर आईडी बनवाएं। उन्होंने कहा कि अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं तहसीलदार के मार्गदर्शन में सभी पटवारी जिन ग्रामों में ज्यादा किसानों की फार्मर आईडी बनना शेष है वहाँ पर आवश्यकता हो तो शिविर लगाकर भी फार्मर आईडी बनाने का कार्य किया जाए।

कलेक्टर ने पंचायत, स्कूल, गौशाला और तहसील कार्यालय का किया निरीक्षण

सभी पात्र लोगों को मिले योजनाओं और सेवाओं का लाभ

सीहोर (मध्य स्वर्णिम)।

कलेक्टर बालागुरू के ने इछावर जनपद के पंचायत, स्कूल, गौशाला और तहसील कार्यालय का निरीक्षण किया। इसके साथ ही उन्होंने सीएम राइज स्कूल के निर्माणाधीन भवन एवं अन्य विकास कार्यों का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण कि दौरान उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आमजन के कार्य सरलता से हों तथा सभी पात्र नागरिकों को शासन की योजनाओं का लाभ एवं सेवाएं मिले। इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनपद में चल रहे सभी विकास एवं निर्माण कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढ़ंग से समय सीमा में पूर्ण करें। ताकि नागरिकों को उन कार्यों के पूरा होने पर सुविधा मिल सकें।

कलेक्टर बालागुरू के. ने इछावर जनपद के तहसील एवं एसडीएम कार्यालय, निर्माणाधीन सीएम राईज स्कूल, अमृत पार्क, सेवनिया कृषि विज्ञान केन्द्र का निरीक्षण किया। इसके साथ ही उन्होंने इछावर जनपद के ग्राम लसूडिया कांगर स्थित गौशाला, स्कूल, ग्राम पंचायत भवन, नलजल योजना, एवं मनरेगा प्लांटेशन का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर बालागुरू के. ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम जमील खान, तहसीलदार मती ऋतु भार्गव, जनपद सीईओ मती शिवानी मिश्रा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर, नगर निगम आयुक्त ने सेना के अधिकारियों के साथ किया ऑक्सीजन पार्क के लिये चिन्हित स्थल का निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान एसडीएम राँझी आर एस मरावी एवं पूर्व केंट बोर्ड मेम्बर सुंदर अग्रवाल भी मौजूद थे

जबलपुर (मध्य स्वर्णिम)।

कलेक्टर दीपक सक्सेना एवं नगर निगम आयुक्त प्रीति यादव ने आज बुधवार को सेना के अधिकारियों के साथ जबलपुर केंट विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत भैंसासुर मार्ग पर प्रस्तावित ऑक्सीजन पार्क के लिये चिन्हित स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम राँझी आर एस मरावी एवं पूर्व केंट बोर्ड मेम्बर सुंदर अग्रवाल भी मौजूद थे। ज्ञात हो कि भैंसासुर मार्ग स्थित सेना की करीब सात एकड़ भूमि पर केंट क्षेत्र के विधायक अशोक रोहाणी ने सैन्य अधिकारियों के समक्ष शासन, प्रशासन, नगर निगम के सहयोग से ऑक्सीजन पार्क के निर्माण का प्रस्ताव रखा है। इसी सिलसिले में कलेक्टर दीपक सक्सेना एवं नगर निगम आयुक्त प्रीति यादव ने यहाँ सेना के अधिकारियों के साथ आज बुधवार को इस स्थल का निरीक्षण किया। एसडीएम राँझी आर एस मरावी ने बताया कि चौथापुल से भैंसासुर बाबा मंदिर होते हुये केंट को जोड़ने वाले इस मार्ग पर स्थित सेना की इस भूमि पर विधायक अशोक रोहाणी ने सेना की सहमति से इस क्षेत्र को ऑक्सीजन पार्क के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव दिया है। एसडीएम राँझी ने बताया कि हरियाली से परिपूर्ण इस भूमि पर कभी तालाब हुआ करता था, जो अब पुर गया है। उन्होंने बताया कि केंट क्षेत्र विधायक द्वारा क्षेत्र की भूमि की हरियाली को देखते हुये इसे ऑक्सीजन पार्क के रूप में विकसित करने के साथ-साथ तालाब के जीर्णोद्धार का सुझाव भी दिया गया है।

उद्यानिकी विभाग की योजना का लाभ लेकर रामचरण कर रहे है सफेदमूसली की खेती

देवास। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार की मंशा है कि कृषि का लाभ का धंधा बने। इसके लिए शासन द्वारा किसान हितैषी कई योजनाएं संचालित की जा रही है। इन योजनाओं का लाभ पाकर कृषक बड़ी संख्या में फसलों का उत्पादन कर अच्छी आय अर्जित कर रहे हैं। किसानों की अच्छी आय होने से कृषक आर्थिक तौर पर भी सुदृढ़ भी हो रहे हैं। शासन की योजना से कृषि लाभ का व्यवसाय बना है। विकासखंड बागली के किसान श्री रामचरण ने उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों से औषधीय फसलों की जानकारी लेकर सफेदमूसली की खेती प्रारंभ की है। एक एकड़ जमीन में खेती से 20-25 क्विंटल कंद का उत्पादन प्राप्त होता है, तथा छिलने के बाद 4-6 क्विंटल सूखी सफेदमूसली प्राप्त होती है। वर्तमान में 18-20 बीघा में सफेदमूसली की खेती की जा रही है। साथ ही अंतरवर्तीय फसलों के रूप गेहूं और अरहर की खेती भी की जा रही है। किसान श्री रामचरण ने बताया कि सफेदमूसली की खेती से एक वर्ष में लगभग 40-50 लाख की आय प्राप्त हो रही है।

OFFICE OF THE MUNICIPAL CORPORATION, BHOPAL
Water Work Department
Municipal Corporation Rest House, Shyamla Hills, Bhopal
Office Telephone No. 0755-2701663, 2701669

N0 64 W.W.D./2025 Bhopal, Dated- 11.03.2025

NOTICE INVITING e-TENDER
THIRD CALL

Online Tender are invited on website http://mptenders.gov.in for following works. Document can be purchased on website from 11.03.2025 and online submission till 25.03.2025.
Corrigendum for above NIT shall not be published separately in newspapers. Corrigendum regarding correction can be seen on the website. Detailed NIT and other information can be seen on website http://mptenders.gov.in.

S. No.	TENDER NO	Name of Work	Probable Amount of contract	Earnest Money Deposit	Cost of Tender Document	Completion Period
	2.	3.	4.	5.	6.	7.
1	2025_UAD_396779_3	Providing, Laying and jointing of HDPE pipe line at Bhanpur bridge for commercial connection ward 74 Zone 16	3,40,219.00	3,402.00	2,000.00	120 Days Including Rainy Season

T.N. 1495/024/025

Executive Engineer
Water Works Department
Municipal Corporation, Bhopal

महासमुंद और बेमेतरा में दर्दनाक सड़क हादसे में नौ लोगों की मौत, क्रेन से निकाले गए शव

लगभग इतने ही लोग घायल हो गए, महासमुंद में कार सवार एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई

महासमुंद (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ के महासमुंद और बेमेतरा में गुरुवार को दो सड़क हादसों में नौ लोगों की मौत हो गई और लगभग इतने ही लोग घायल हो गए। महासमुंद में राष्ट्रीय राजमार्ग- 353 पर भीषण सड़क हादसे में कार सवार एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई। कार और ट्रक की टक्कर में राजस्व विभाग में पदस्थ आरआई ताहर सिंह ठाकुर सहित उनके पूरे परिवार की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा दोपहर 3-48 बजे ओंकारबंद के पास हुआ। हादसा इतना भयानक था कि कार के परखच्चे उड़ गए। शवों को निकालने के लिए स्थानीय

प्रशासन को काफी मशक्कत करनी पड़ी। इस हादसे में ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल है। वहीं घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने क्रेन की मदद से मृतकों और घायलों को बाहर निकाला। सभी शवों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बागबाहरा भेजा गया है। घायल ट्रक चालक को इलाज के लिए महासमुंद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। कार महासमुंद से बागबाहरा जा रही थी, जबकि ट्रक विपरीत दिशा से आ रहा था। कार में सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके चालक और एक अन्य व्यक्ति ने नजदीकी अस्पताल में दम तोड़ दिया। जिसमें राजस्व निरीक्षक, ताहर सिंह ठाकुर (52), बिन्देश्वरी ठाकुर (48), वैभवी ठाकुर (19), तृप्ति ठाकुर (32), सरोजनी ठाकुर (37) कार चालक सूरज कंसारी (30) कार में सवार थे।

बेमेतरा में तीन लोगों की मौत

वहीं बेमेतरा में सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर एक एसयूवी के सड़क से फिसलकर सूखी नहर में गिर जाने से एक महिला और उसकी बेटी समेत तीन लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए।

असामाजिक तत्वों पर पुलिस की कड़ी नजर, 25 चीता पार्टी तैनात, दिए गए ये निर्देश

जांजगीर चांपा (एजेंसी)। जांजगीर चांपा जिले में होली के त्योहार पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस विभाग ने अपनी कमर कस ली है। 13 मार्च को रात में होलिका दहन और 14 मार्च को होली का त्योहार जिले भर में मनाया मनाया जाएगा। सुरक्षा व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए एसपी विवेक शुक्ला के निर्देशन में कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने के लिए जिले के थाना-चौकी क्षेत्रों में व्यवस्था प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसमें पांच उप पुलिस अधीक्षक, 12 निरीक्षक, 10 उप निरीक्षक, 34 सहायक उप निरीक्षक, 48 प्रधान आरक्षक एवं 191 आरक्षक, महिला आरक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है। जिले के थाना और चौकी क्षेत्र अंतर्गत फिक्स पॉइंट चिन्हांकित किए गए हैं। इसमें जांजगीर क्षेत्रांतर्गत में 14, नैला में तीन, चांपा में नौ, बलौदा में चार, अकलतरा में छह, शिवरीनारायण में चार, मुलमुला में दो, पामगढ़ में दो, नवागढ़ में तीन, बिर्रा में तीन, बम्हनीडीह में दो, सारागांव में दो, पंतोरा में एक कुल 55 फिक्स पॉइंट बनाकर पर्याप्त मात्रा में बल की ड्यूटी लगाई है। पुलिस पेट्रोलिंग हेतु जांजगीर में तीन, नैला में दो, चांपा में दो, अकलतरा में दो, मुलमुला में दो, बलौदा में दो, पामगढ़ में दो, शिवरीनारायण में दो, नवागढ़ में दो, बम्हनीडीह में एक, बिर्रा में एक, सारागांव में एक और पंतोरा में एक कुल 23 पेट्रोलिंग पार्टी बनाई गई हैं, जो क्षेत्र में निर्धारित बीट के अनुरूप सघन रूप से पेट्रोलिंग करेंगे।

जांजगीर-चांपा में सड़क हादसा, ट्रेलर वाहन ने बाइक सवार युवक को कुचला

मृतक की पहचान अजित कुमार साहू के रूप में हुई है

जांजगीर चांपा (एजेंसी)।

जांजगीर चांपा जिले के भोजपुर में सड़क हादसा हुआ है। ट्रेलर वाहन ने बाइक सवार युवक को कुचल दिया, जिससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान अजित कुमार साहू के रूप में हुई है, जोकि बोड़सरा का रहने वाला है। घटना चांपा थाना क्षेत्र की है। जानकारी के अनुसार, अजित कुमार साहू पीआईएल प्लांट में असिस्टेंट मैनेजर के पद पर कार्यरत था। गुरुवार की सुबह 6 बजे उसकी ड्यूटी थी। ग्राम बोड़सरा अपने घर से जा रहा था, चांपा थाना क्षेत्र के भोजपुर पहुंचा हुआ था, तभी तेज रफ्तार ट्रेलर वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वह ट्रेलर वाहन के चक्के के बीच में जा गिरा। ट्रेलर वाहन ने युवक को कुचला है मौके पर से वाहन को छोड़ चालक फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर चांपा पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव को बीडीएम अस्पताल के पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। वहीं, परिजनों को भी घटना की जानकारी दी गई है। चांपा पुलिस आरोपी ट्रेलर वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर तलाश में जुटी हुई है। घटना की जानकारी मिलने के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

ईडी ने लखमा के खिलाफ पेश की 3841 पन्नों की चार्जशीट, ढेबर, टूटेजा समेत 21 आरोपियों के नाम

दो हजार करोड़ के शराब घोटाले का मामला,केस में अब अगली सुनवाई 22 मार्च को होगी

रायपुर (एजेंसी)।

दो हजार करोड़ के शराब घोटाले मामले में प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने गुरुवार को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के स्पेशल कोर्ट में 3 हजार 841 पन्नों का चालान दाखिल किया है। इसमें जेल में बंद पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा सहित 21 लोगों को आरोपियों के नाम हैं। इस केस में अब अगली सुनवाई 22 मार्च को होगी।

इन आरोपियों में रायपुर के पर्व मेयर एजाज ढेबर के बड़े भाई अनवर ढेबर, पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा, त्रिलोक सिंह ढिल्लन, छत्तीसगढ़ डिस्टलरी, वेलकम डिस्टलरी, टॉप सिक्योरिटी, ओम साई ब्रेवेरेज, दिशिता वेंचर, नेस्ट जेन पावर, भाटिया वाइन मर्चेंट और सिद्धार्थ सिंघानिया सहित अन्य 21 लोगों के नाम शामिल हैं। ईडी ने कोर्ट में चार्जशीट पेश करते हुए बताया है कि कवासी लखमा को शराब घोटाले की जानकारी थी और आबकारी नीति बदलने में उनकी

महत्वपूर्ण भूमिका थी। इसमें छत्तीसगढ़ डिस्टलरी को 48 फीसदी, भाटिया वाइन मर्चेंट को 28 प्रतिशत और वेलकम डिस्टलरी को 24 फीसदी दुकानों में शराब सप्लाई का काम दिया गया था। घोटाले से अर्जित अवैध वसूली से लखमा को डेढ़ करोड़ रुपए हर महीने मिलते थे। आरोप है कि लखमा दस्तावेजों में हस्ताक्षर करने के एवज में 50 लाख रुपए तक की राशि वसूलते थे।

कुसमुंडा खदान में हादसा, 25 फीट ऊपर से गिरने से वेल्डर की मौत

बिना सुरक्षा उपकरणों के कर रहा था काम

रायपुर (एजेंसी)।

कोरबा की कुसमुंडा खदान में 25 फीट ऊपर से गिरने से एक कर्मचारी की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। इस हादसे के बाद देखते ही देखते खदान में मजदूरों की भीड़ एकत्रित हो गई और कंपनी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। कोरबा की कुसमुंडा खदान में 25 फीट ऊपर से गिरने से एक कर्मचारी की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि कोल शिफ्टिंग वाले मशीन पर वेल्डर लगभग 25 फीट ऊपर काम कर रहा था। इस दौरान अचानक नीचे गिर गया और घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई। इस हादसे के बाद देखते ही देखते खदान में मजदूरों की भीड़ एकत्रित हो गई और कंपनी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। जहां इसकी सूचना तत्काल कुसमुंडा थाना पुलिस को दी गई मौके पर पहुंचे घटनाक्रम की जानकारी दी गई। वहीं, पंचनामा कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल रवाना किया गया। बताया जा रहा है कि मृतक किशन कुमार (26) कोल शिफ्टिंग वाली मशीन पर ऊपर वेल्डिंग का काम कर रहा था। उसके साथ एक और कर्मचारी था, दोनों वेल्डिंग का काम कर रहे थे और काम के दौरान वह अनियंत्रित हो गया और नीचे गिर गया।

अंधे कत्ल की गुथी सुलझी, पत्नी ने पति को उतरा मौत के घाट, पुलिस ने किया गिरफ्तार

ठड़गाबहरा गांव में दशरथ बंजारे की लाश उसके घर ख़ाट पर खून से सना मिला

जांजगीर चांपा (एजेंसी)।

जांजगीर चाम्पा जिला के बलौदा थाना क्षेत्र में हुए अंधे क़त्ल गुथ्थी सुलझा ली है। 4 दिन पहले ठड़गाबहरा गांव में दशरथ बंजारे की की लाश उसके घर ख़ाट में खून से सना मिला,घटना की सूचना बलौदा पुलिस को मृतक की पत्नी ने दी, और घटना की रात पति पत्नी अलग अलग कमरे में सोने की जानकारी दी,लेकिन आरोपी महिला का झूठ ज्यादा देर तक नहीं चला और पुलिस ने आरोपी छिता बाई बंजारे की पति की हत्या के मामले में गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। बलौदा थाना के ठड़गा बहरा गाँव में 9 मार्च की सुबह दशरथ राम बंजारे की पत्नी ने पुलिस को सूचना दी की उसका पति कल रात में अपने कमरे ने सोया था, आज उसे उठाने के लिए कम्बल से हटा कर देखा तो सिर के नीचे चोट लगा और खून से सना पाया,और दशरथ बंजारे की हत्या होने की जानकारी दी,, घटना के दिन पति पत्नी के अलावा उसका 20 वर्ष का नाती भी था,पुलिस ने घटना स्थल पर गैती और हथोड़ा बरामद किया और डॉग स्क्वायड की मदद से मामले को सुलझाने में जुटी। पुलिस ने हत्या के कारणों और संदेहियो के विषय में विवेचना कर रही थी लेकिन कोई ख़ास सुराग नहीं मिल रहा था, तभी उसकी पत्नी के बयान के आधार पर प्रतिपरिक्षण किया, जिसमे कई विरोधाभास मिलने पर पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की, और मृतक दशरथ की पत्नी ने हत्या करना स्वीकार किया,आरोपी छीता बाई बंजारे ने बताया कि उसका बेटा दो साल से जेल में बंद है और उसका पति उसे छुड़वाने के लिए जमीन को बेचा जिसको लेकर पति पत्नी के बीच विवाद होता था, घटना के दिन भी पति पत्नी के बीच विवाद हुआ था और पति ने मारपीट की थी, जिससे आक्रोषित छिता बाई अपने पति के सोने का इंतजार कर रही थी।

देश-विदेश

सड़क हादसे में मृतक पर आर्थिक तौर पर निर्भर हर सदस्य को दिया जाए मुआवजा

सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया ऐतिहासिक फैसला, जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की बेंच ने मामले की सुनवाई की

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सुप्रीम कोर्ट ने सड़क हादसे में मुआवजा मृतक पर आर्थिक तौर पर निर्भर हर सदस्य को मिलेगा। मामले में कानूनी प्रतिनिधित्व की संकीर्ण व्याख्या नहीं हो सकती है। शीर्ष अदालत ने हाल के फैसले में यह भी स्पष्ट किया कि कानूनी प्रतिनिधि वह व्यक्ति होता है जो सड़क दुर्घटना में किसी शख्स की मृत्यु के कारण पीड़ित होता है और यह जरूरी नहीं कि केवल पत्नी, पति, माता-पिता या संतान ही हो।

जस्टिस संजय करोल और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की बेंच ने मामले की सुनवाई की जिसमें मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण (एमएसीटी) ने मुआवजा प्रदान करते समय मृतक के पिता और बहन को आश्रित नहीं माना था। एमएसीटी ने माना कि मृतक के पिता उनकी आय पर निर्भर नहीं थे और चूंकि पिता जीवित थे, इसकारण छोटी बहन को आश्रित नहीं मान सकते है। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने एमएसीटी के फैसले को बरकरार रखा था। जिसके बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट के सामने आया। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले को रद्द कर माना कि निचली अदालतों ने अपीलकर्ताओं को मृतक का आश्रित मानने से इंकार करके गलती की थी।

शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि मुआवजा केवल पति-पत्नी, माता-पिता या बच्चों तक सीमित नहीं है,बल्कि उन सभी व्यक्तियों तक विस्तार होता है जो मरने वाले के कारण प्रभावित हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने मुआवजा राशि 17 लाख 52 हजार 500 तय कर दी। दरअसल ग्वालियर में 25 सितंबर 2016 को 24 साल के धीरज सिंह तोमर ऑटो में जा रहे थे। ड्राइवर तेज रफ्तार से ऑटो चला रहा था। लापरवाही के कारण ऑटो दुर्घटनाग्रस्त हुआ और धीरज की मौके पर ही मौत हो गई। एमएसीटी ने मामले में कुल 9,77,200 मुआवजे भुगतान का आदेश दिया। लेकिन साथ ही कोर्ट ने मृतक के पिता और बहन को दावेदार नहीं माना और अन्य दावेदारों को यह रकम दिए जाने को कहा गया था। सुप्रीम कोर्ट ने अपीलकर्ताओं जिसमें मृतक के पिता और बहन को मृतक का आश्रित माना और उन्हें मुआवजा प्रदान किया।

सुनीता विलियम्स को लेने जा रहा नासा का मिशन स्थगित

वॉशिंगटन (एजेंसी)। नासा ने बुधवार को नासा-स्पेसएक्स क्रू -10 मिशन को स्थगित करने की घोषणा की। एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स का क्रू ड्रैगन अंतरिक्ष यान इन अंतरिक्ष यात्रियों को वापस लाने के लिए तैयार किया गया था। क्रू-10 मिशन के तहत चार अंतरिक्ष यात्रियों को आईएसएस भेजा जाना था, और वापसी में सुनीता विलियम्स और विल्मोर को लाना था। यह मिशन 12 मार्च 2025 को फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से फाल्कन-9 रॉकेट के जरिए लॉन्च होने वाला था, लेकिन लॉन्च पैड पर हाइड्रोलिक्स से संबंधित समस्या के कारण इसे स्थगित कर दिया गया। इससे अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर फंसे दो अंतरिक्ष यात्रियों, सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर की वापसी में देरी हो गई है। यह मिशन इन दोनों अंतरिक्ष यात्रियों के स्थान पर एक नई टीम को भेजने के लिए निर्धारित था, लेकिन लॉन्च से चार घंटे पहले इंजीनियरों को रॉकेट के एक महत्वपूर्ण हाइड्रोलिक सिस्टम में खराबी मिली। जानकारी के मुताबिक, रॉकेट की लॉन्चिंग से ठीक पहले, तकनीशियन ग्राउंड हाइड्रोलिक सिस्टम की जांच कर रहे थे। यह प्रक्रिया रॉकेट को लॉन्च पैड पर सुरक्षित रखने वाले दो में से एक आर्म को रिलीज करने के लिए आवश्यक होती है।

जगन्नाथ मंदिर में आज मनेगा दोल उत्सव

भक्त खेलेंगे भगवान के साथ होली

भुवनेश्वर (एजेंसी)।

महाप्रभु श्री जगन्नाथ मंदिर में 14 मार्च शुक्रवार को धूमधाम से दोल उत्सव (होली) मनाया जाएगा। इस दौरान भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के साथ भक्त रंग-गुलाल की होली खेलेंगे। होली उत्सव के लिए मंदिर परिसर को विशेष रूप से सजाया जा रहा है, जहां भजन-कीर्तन के बीच श्रद्धालु इस पावन पर्व का आनंद ले सकेंगे।

मंदिर में होली उत्सव की खास बात यह है कि भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा पर चंदन, अबीर और गुलाल चढ़ाया जाएगा। मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। श्रद्धालु भगवान के साथ होली खेलने का दिव्य अनुभव प्राप्त करेंगे। विशेष प्रसाद वितरण और संकीर्तन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जानकारी अनुसार, होलिका दहन 13 मार्च (गुरुवार) रात 11.26 बजे से शुरू होगा, जिसके बाद 14 मार्च (शुक्रवार) को सुबह से रंग-गुलाल की होली खेली जाएगी। होली उत्सव को लेकर बाजारों में भी खासा उत्साह देखा गया है। रंग-बिरंगे गुलाल, पिचकारी और रंग-बिरंगी टोपियों की दुकानों पर भारी भीड़ उमड़ी है। खासकर युवाओं और बच्चों में होली के प्रति जबरदस्त उत्साह देखने को मिला है।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

कुत्ते ने मालिक को मारी गोली अस्पताल में चल रहा इलाज

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अक्सर इंसान दूसरे की गोली लगने से घायल होता है या फिर धोखे से उसे ही लग जाती है लेकिन कभी जानवर को इंसान को गोली मारते देखा या सुना है लेकिन अमेरिका में ऐसा हुआ है जहां एक शख्स पर कुत्ते ने गोली चला दी। पालतू कुत्ते का मालिक अपने डॉगी के ही पैर से चली गोली लगने से घायल हो गया। यह मामला हैरान करने वाला है और दुनिया भर में इसकी चर्चा हो रही है। मीडिया रिपोर्ट में पुलिस का कहना है कि कुत्ते के मालिक बेड पर अपनी गर्लफ्रेंड के साथ था। इसी दौरान डॉगी बेड पर कूदा और उसका पैर पिस्तौल पर पड़ गया, जिससे गोली चल गई और गोली सीधे उसके मालिक की जांघ पर लगी जिसे वह खून से लथपथ हो गया। अमेरिका के मेमफिस के रहने वाले टेनेसे का अस्पताल ले जाया गया जहां उसका इलाज चल रहा है। जानकारी के मुताबिक यह घटना उस समय हुई, जब वह बेड पर अपनी पार्टनर के साथ सो रहा था। उनके बेड पर ही पिस्तौल रखी थी। ऑरियो नाम का उनका डॉगी बेड पर कूदा और उसका पैर पिस्तौल के ट्रिगर पर पड़ गया, जिससे गोली चल गई और टेनेसे घायल हो गया।

मॉरीशस में पीएम मोदी को देखने सड़कों पर लगा हुजूम

पोर्ट लुईस (एजेंसी)। भारत में पीएम नरेंद्र मोदी मॉरीशस की दो दिवसीय यात्रा दोनों देशों के बीच गहरे संबंधों को दर्शाती है। पीएम मोदी ने बुधवार को मॉरीशस के गंगा तालाब के दर्शन किए। गंगा तालाब जाने के दौरान लोग सड़कों पर पीएम मोदी को देखने खड़े थे। लोग सड़क के दोनों ओर मॉरीशस और भारतीय झंडा लहरा रहे थे। कई लोगों ने इस पल को अपने फोन में कैद करते नजर आए। जब पीएम मोदी गंगा तालाब पहुंचे। पीएम मोदी ने प्रयागराज में महाकुंभ मेले के दौरान त्रिवेणी संगम से लाए गए पवित्र जल और पूजा-अर्चना की। मोदी ने वहां मौजूद लोगों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। पीएम मोदी ने बुधवार को एक्स पर पोस्ट में लिखा- मॉरीशस में पवित्र गंगा तालाब के दर्शन कर भावविभोर हो गया। इसकी पावन जलधारा के किनारे दोनों देशों के बीच के आध्यात्मिक संबंधों को महसूस किया जा सकता है। यह सीमाओं से परे है और हमारी कई पीढ़ियों को उनकी जड़ों से जोड़ता है।

शेख हसीना जल्द ही बांग्लादेश की पीएम के रूप में करेंगी वापसी!

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना के करीबी और अमेरिका अवामी लीग के उपाध्यक्ष डॉ. रब्बी आलम ने दावा किया है कि शेख हसीना जल्द ही बांग्लादेश की पीएम के रूप में वापसी करेंगी। इसके साथ ही उन्होंने भारत सरकार और पीएम नरेंद्र मोदी को शेख हसीना को सुरक्षित ठिकाना और यात्रा मार्ग प्रदान करने के लिए धन्यवाद दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डॉ. रब्बी आलम ने कहा कि शेख हसीना बांग्लादेश की प्रधानमंत्री के रूप में वापस करेंगी। युवा पीढ़ी ने गलती की है, लेकिन यह उनकी गलती नहीं है, उन्हें गुमराह किया गया है। उन्होंने बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति पर चिंता जताते हुए इसे हमले के अधीन बताया और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से हस्तक्षेप की मांग की है। राजनीतिक विद्रोह ठीक है, लेकिन बांग्लादेश में ऐसा नहीं हो रहा है। यह एक आतंकवादी विद्रोह है।

चारधाम यात्रा रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 15 से होगी शुरू,आधार नंबर किया अनिवार्य

रजिस्ट्रेशन के लिए अपने होटल की बुकिंग आदि का ब्योरा देने की जरूरत नहीं

देहरादून (एजेंसी)।

उत्तराखंड चारधाम यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पहले की तरह ही सामान्य रहेगी। यात्रियों को रजिस्ट्रेशन के लिए अपने होटल की बुकिंग आदि का ब्योरा देने की जरूरत नहीं। केदारनाथ-बदरीनाथ समेत चारों धामों के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 15 से 20 मार्च के बीच शुरू होगी। पर्यटन सचिव सचिन कुर्वे ने कहा कि रजिस्ट्रेशन के लिए आधार नंबर अनिवार्य है। रजिस्ट्रेशन को आधार से लिंक किया जाएगा। इससे यात्री की पहचान और संख्या की सही जानकारी मिल सकेगी।

मालूम हो कि पिछले कुछ समय से चारधाम यात्रा के रजिस्ट्रेशन को लेकर भ्रम की स्थिति थी। माना जा रहा था कि रजिस्ट्रेशन तभी होगा जब यात्री की चारधाम मार्ग पर रहने की पुख्ता व्यवस्था होगी। यात्रियों के लिए होटल की बुकिंग का ब्योरा भी

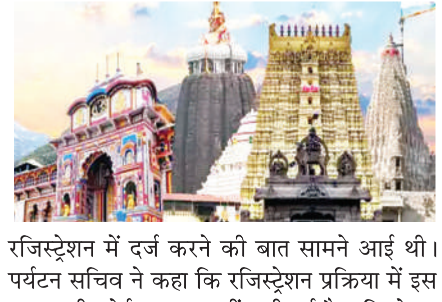

रजिस्ट्रेशन में दर्ज करने की बात सामने आई थी। पर्यटन सचिव ने कहा कि रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया में इस प्रकार की कोई बाध्यता नहीं रखी गई है। रजिस्ट्रेशन के लिए पोर्टल जल्द शुरू किया जाएगा। उत्तराखंड में चार प्रमुख मंदिर और पर्यटन स्थलों में नए रोपवे के निर्माण का रास्ता साफ हो गया। उत्तरकाशी में रैथल बारसू, वरुणावत पर्वत, रुद्रप्रयाग में कार्तिकेय स्वामी मंदिर और टिहरी में कुंजापुरी मंदिर रोपवे प्रोजेक्ट की उपयुक्तता जांच में विशेषज्ञों ने हरी झंडी दे दी है।

आतंकवाद के खिलाफ और पाकिस्तान की सुरक्षा मजबूत करने हम हमेशा तैयार : चीन

बीएलए अपने इलाके के संसाधनों का दोहन करने का इल्जाम चीन पर लगाता है

बीजिंग (एजेंसी)।

जाफर एक्सप्रेस ट्रेन हाईजैक होना पाकिस्तान के लिए सुरक्षा संकट बन गया है, जिसका असर बड़ा होता जा रहा है। पाकिस्तान की सेना का बलूचिस्तान में जाफर एक्सप्रेस ट्रेन का रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा गया है। सेना का दावा है कि 24 घंटे चले के इस ऑपरेशन में बलूच लिबरेशन आर्मी के सभी 33 विद्रोहियों को मारे गए हैं, लेकिन सिर्फ पाकिस्तान ही नहीं बल्कि चीन भी इस घटना से सीधे तौर पर प्रभावित हुआ है। हमले को अंजाम देने वाली बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) चीन को भी अपने मकसद के खिलाफ मानती है। इस सिलसिले में 12 मार्च को चीन ने इस हमले की कड़ी निंदा की थी। साथ ही चीन ने पाकिस्तान के सामने सुरक्षा सहयोग बढ़ाने की पेशकश भी रख दी है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने इस घटना को लेकर कहा कि हम इस आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हैं।

ट्रंप की पुतिन को चेतावनी, अगर युद्ध नहीं रोका तो भुगतने होंगे परिणाम

वाशिंगटन (एजेंसी)। यूक्रेन और अमेरिका के बीच सीजफायर को लेकर सहमति सऊदी अरब में बनी थी। अमेरिका ने 30 दिनों के सीजफायर का यह प्लान रूस के पास भेजा है। सीजफायर के इस प्लान पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का रवैया ढीला है जिसे देखते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नाराज हो गए हैं। ट्रंप ने पुतिन को चेतावनी दे दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने कहा है कि उन्हें उम्मीद है की सीजफायर पर रूस अपनी सहमति देगा। हमारे प्रतिनिधि रूस जा रहे हैं। इसके साथ ही पुतिन को 30 दोनों का सीजफायर एग्रीमेंट भी भेजा है जो यूक्रेन के साथ अमेरिका ने किया था। ट्रंप ने पुतिन को चेतावनी दी है कि अगर रूस ने यूक्रेन के खिलाफ अपनी जंग जारी रखी तो इसके परिणाम उसे आने वाले दिनों में भुगतने होंगे। रूस को इस युद्ध में आगे बढ़ने पर आर्थिक खामियाजा भी भुगतना पड़ सकता है। ट्रंप ने चेतावनी दी है कि अगर रूस ने युद्ध में खुद को पीछे नहीं किया तो उस पर नकारात्मक वित्तीय प्रभाव पड़ेंगे जो देश के लिए घातक होगा। अमेरिका के इस प्रस्ताव के बाद रूस का कहना है कि इस प्रस्ताव पर अभी विचार किया जा रहा है।

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी जीतने के बाद भारतीय टीम अब अगले तीन महीने तक कोई सीरीज नहीं खेलेगी

22 मार्च से इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल खेलना है जिसका फाइनल 25 मई को खेला जाएगा

मुम्बई (एजेंसी)।

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी जीतने के बाद अब भारतीय टीम को अगले तीन माह तक कोई टूर्नामेंट नहीं खेलना है। ऐसे में अब भारतीय टीम को 3 महीने कोई टूर्नामेंट या सीरीज नहीं खेलनी है पर इस दौरान भी खिलाड़ियों को आराम नहीं मिलेगा। इसका कारण है कि अब उन्हें 22 मार्च से इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल खेलना है जिसका फाइनल 25 मई को खेला जाएगा। पिछली बार की तरह इस सीजन में भी आईपीईल में 10 टीमें हिस्सा लेंगी। इन टीमों के बीच 65 दिनों में फाइनल समेत कुल 74 मुकाबले खेले जाएंगे। यह सभी मुकाबले देश में ही 13 स्थलों पर होंगे।

ऐसे में खिलाड़ियों को काफी यात्राएं भी करनी पड़ेंगी। इस प्राकर देखा जाये तो टीम का कार्यक्रम काफी व्यस्त है और उसे आराम का बिलकुल भी अवसर नहीं मिलेगा। भारतीय टीम को अपनी अगली सीरीज 3 महीने बाद जून-जुलाई 2025 में खेलनी है। तब भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। जहां उसे बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। पहला टेस्ट 20 जून से लीड्स में खेला जाएगा। वहीं दूसरा टेस्ट 20-24 जून, पहला टेस्ट, हेडिंग्ले, तीसरा टेस्ट लॉर्ड्स में 10-14 जुलाई जबकि चौथा टेस्ट, मैनचेस्टर में 23-27 जुलाई और पांचवां द ओवल में 31 जुलाई-4 अगस्त तक खेला जाएगा।

रोहित के लिए लकी रहा है दुबई स्टेडियम

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के लिए दुबई इंटरनेशनल स्टेडिमय लाभदायक साबित हुआ है। उन्हें कप्तान के तौर पर यहां एशिया कप, आईपीएल और चैंपियंस ट्रॉफी में जीत मिली है। इन तोनो के ही फाइनल में वह बड़ी पारियां खेलने में सफल रहे हैं। वहीं दुबई में वह एक भी एकदिवसीय मैच नहीं हारे हैं। रोहित शर्मा ने साल 2018 में एशिया कप दुबई में ही जीता था, तब भारतीय टीम ने फाइनल में बांग्लादेश को हराया था। इसके बाद साल 2020 में रोहित की कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने यहां आईपीएल में अपना पांचवां खिताब जीता था। इसके बाद अब रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी जीती है। इतना ही नहीं, इन तीनों टूर्नामेंट के फाइनल में रोहित शर्मा अपनी टीम की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने में सफल रहे। एशिया कप 2018 के फाइनल में रोहित ने बांग्लादेश के खिलाफ 55 गेंदों में 48 रनों की पारी खेली थी, जबकि आईपीएल 2020 के फाइनल में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ रोहित शर्मा ने 51 गेंदों में 68 रन बनाए थे।

पाकिस्तानी अधिकारी फाइनल में शिरकत करने के नहीं थे हकदार

कामरान ने कहा कि आईसीसी ने पीसीबी को आईना दिखाया

कराची (एजेंसी)।

पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ी कामरान अकमल ने कहा है कि चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में पुरस्कार समारोह के दौरान पाकिस्तानी अधिकारी को शिरकत करने का हक नहीं था। पुरस्कार गेते समय पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) का कोई प्रतिनिधि मंच पर मौजूद नहीं था जिसे लेकर विवाद उठा था। पीसीबी ने आईसीसी से इस बारे में शिकायत की है और स्पष्टीकरण मांगा है। हाल ही में कामरान ने इस विवाद पर अपनी राय रखी और कहा कि आईसीसी ने पीसीबी को आईना दिखाया है।

पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा कि पाकिस्तान से कोई भी फाइनल के पुरस्कार समारोह का हिस्सा बनने का हकदार नहीं था क्योंकि उनकी क्रिकेट टीम ने बेहतर प्रदर्शन नहीं किया था। अकमल ने अपने यू-ट्यूब चैनल पर कहा, आईसीसी ने हमें आईना दिखाया है। टूर्नामेंट के निदेशक सुमैर वहां मौजूद थे। वह उपलब्ध भी थे, लेकिन उन्हें क्यों समारोह के लिए नहीं बुलाया गया? यह इसलिए कि हम वहां पर होने के हकदार नहीं थे। हमने अच्छा क्रिकेट नहीं खेला। किसी ने इस बात पर चर्चा नहीं की है कि पाकिस्तान ने किस तरह टूर्नामेंट की मेजबानी की। अगर हम ऐसे ही खेलते रहे तो इसी तरह ट्रीट किए जाएंगे। अगर आप अपने लिए खेलेंगे तो सम्मान नहीं मिलेगा। भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराया था और 12 साल बाद खिताब अपने नाम किया था। पीसीबी इस टूर्नामेंट का मेजबान था, लेकिन भारत के पाकिस्तान जाने से इन्कार करने के बाद आईसीसी ने भारत के सभी मैच दुबई में कराने का फैसला किया था जिसमें फाइनल भी शामिल था। विजेता टीम को ट्रॉफी आईसीसी के अध्यक्ष जय शाह ने दी थी और इस दौरान पीसीबी का कोई प्रतिनिधि मौजूद नहीं था।

वेंकटेश अय्यर को क्यों नहीं बनाया गया कप्तान मेगा नीलामी से पहले कर दिया था रिलीज

फ्रेंचाइजी ने अजिंक्य रहाणे को टीम की कमान सौंपी और वेंकटेश अय्यर को उपकप्तान बनाने का एलान किया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

गत विजेता केकेआर ने मेगा नीलामी से पहले अपने कप्तान श्रेयस अय्यर को रिलीज कर दिया था। इसके बाद से टीम को नए कप्तान की तलाश थी। तीन मार्च को फ्रेंचाइजी ने अजिंक्य रहाणे को टीम की कमान सौंपी और वेंकटेश अय्यर को उपकप्तान बनाने का एलान किया। यह फैसला क्रिकेट फैंस के लिए चौंकाने वाला था।

आईपीएल 2025 की शुरुआत में अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है। 22 मार्च से टूर्नामेंट का आगाज होगा। इससे पहले कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के सीईओ ने अजिंक्य रहाणे को कप्तान बनाए जाने के पीछे की वजह का खुलासा किया है। इस दौरान उन्होंने बताया कि वेंकटेश अय्यर को इस जिम्मेदारी से क्यों दूर रखा गया। गत विजेता केकेआर ने मेगा नीलामी से पहले अपने कप्तान श्रेयस अय्यर को रिलीज कर दिया था। इसके बाद से टीम को नए कप्तान की तलाश थी। तीन मार्च को फ्रेंचाइजी ने अजिंक्य रहाणे को टीम की कमान सौंपी और वेंकटेश अय्यर को उपकप्तान बनाने का एलान किया। यह फैसला क्रिकेट फैंस के लिए चौंकाने वाला था, सभी का अनुमान था कि श्रेयस के बाद वेंकटेश को कप्तान बनाया जा सकता था लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इस संबंध में केकेआर के सीईओ वेंकी मैसूर ने खुलकर बात की। उन्होंने ईएसपीएनक्रिकइनफो से बात करते हुए कहा कि आईपीएल काफी रोमांचक टूर्नामेंट है। हम वेंकटेश अय्यर के बारे में बहुत अच्छा सोचते हैं, लेकिन साथ ही कप्तानी एक युवा खिलाड़ी के लिए बहुत कठिन है। उन्होंने कहा- हमने देखा है कि आगे बढ़ने के साथ-साथ बहुत से लोगों को इसमें बहुत सी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इसके लिए बहुत स्थिर हाथ की जरूरत होती है साथ ही बहुत परिपक्वता और अनुभव की आवश्यकता होती है। इसके लिए अजिंक्य रहाणे हमें सबसे अच्छे विकल्प लगे।

पीसीबी को चैम्पियंस ट्रॉफी में करोड़ों खर्च करने के बाद भी नहीं हुआ फायदा

पाकिस्तान की टीम नॉकआउट में भी नहीं पहुंच पाई

लाहौर (एजेंसी)।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के लिए आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी का आयोजन घाटे का सौदा रहा। उसने इस पर करोड़ों रुपय खर्च कर दिये पर टीम नॉकआउट में भी नहीं पहुंच पायी। पीसीबी को कितना घाटा हुआ। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उसने तीन स्टेडियम को खेलने लायक बनाने के लिए हजारों करोड़ रुपये खर्च कर दिये पर हालात फिर भी नहीं बदले। पाकिस्तान में 3 वेन्यू पर कुल 10 मैच हुए, जिसमें से 2 मैच बारिश की वजह से नहीं हुए। ये दो मैच रावलपिंडी स्टेडियम में खेले जाने थे। स्टेडियम में पानी सुखाने के लिए लगाया ड्रेनेज सिस्टम भी फेल रहा। यहां तक कि मैदान सुखाने वाले सुपर सॉपर की जगह वाइपर और स्पंज से पानी सुखाते देखा गया। एक रिपोर्ट के अनुसार रावलपिंडी स्टेडियम को बनाने के लिए पीसीबी ने 1500 करोड़ रुपये रिलीज किये थे। इसमें फ्लड लाइट्स , मुख्य भवन, हॉस्पिटैलिटी बॉक्स और एलईडी डिजिटल स्क्रीन सहित कई अन्य सुविधाएं शामिल थीं। इस प्रकार देखा जाये तो एक स्टेडियम में सिर्फ एक मैच का कुल खर्च 1500 करोड़ रुपये से अधिक रहा।

चोटिल राहुल द्रविड़ ने बतौर कोच संभाला मोर्चा, टीम से जुड़े बैसाखी पर आए नजर

द्रविड़ ने आईपीएल का आगामी सत्र शुरू होने से पहले ट्रेनिंग शिविर में हिस्सा लिया

जयपुर (एजेंसी)।

राजस्थान रॉयल्स के नए मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने आईपीएल का आगामी सत्र शुरू होने से पहले ट्रेनिंग शिविर में हिस्सा लिया। द्रविड़ को स्थानीय लीग मैच में खेलने के दौरान पैर में चोट लग गई थी।

फ्रेंचाइजी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया जिसमें द्रविड़ पहले ट्रेनिंग शिविर में हिस्सा लेते दिखाई दिए। इस दौरान द्रविड़ बैसाखी के सहारे चल रहे थे। द्रविड़ को भले ही चलने में दिक्कत हो रही थी, लेकिन उन्होंने सक्रियता से ट्रेनिंग सीजन में हिस्सा लिया। द्रविड़ ने खिलाड़ियों से हाथ मिलाए और फिर वह रियान पराग, यशस्वी जायसवाल के साथ चर्चा करने लगे। यशस्वी ने इस दौरान कई शॉट्स लगाए और वह द्रविड़ से सलाह लेते नजर आए। हाथ में बैसाखी लिए द्रविड़ पूरे सत्र को ध्यान से देखते रहे। राजस्थान ने इस बात की पुष्टि की थी कि द्रविड़ को खेलते वक्त चोट लग गई थी।

राजस्थान रॉयल्स ने एक्स पर एक फोटो पोस्ट की थी जिसमें राहुल बैठे हुए थे। राजस्थान फ्रेंचाइजी ने इसके कैप्शन में लिखा था, मुख्य कोच राहुल द्रविड़ जिन्हें बंगलुरू में क्रिकेट खेलते वक्त चोट लगी थी और वह इससे उबर रहे हैं और जयपुर में टीम के साथ जुड़ गए हैं। पिछले सप्ताह द्रविड़ को विजय क्रिकेट क्लब के लिए जयनगर क्रिकेटर्स के खिलाफ खेलते हुए चोट लगी थी।

बाबर-रिजवान व नसीम ने लिया इस लीग को छोड़ने का फैसला, टी-20 टीम से हुए थे बाहर

तीनों को न्यूजीलैंड से होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज में नहीं लिया गया

कराची (एजेंसी)।

न्यूजीलैंड के खिलाफ 16 मार्च से शुरू होने जा रही पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए पाकिस्तान की टीम में बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान और नसीम शाह को शामिल नहीं किया गया है। हालांकि, इन तीनों को वनडे टीम में रखा गया है। टीम की घोषणा करते हुए बोर्ड की तरफ से संकेत दिए गए थे कि तीनों खिलाड़ी इस सप्ताह फैसलाबाद में शुरू होने वाली राष्ट्रीय टी20 चैंपियनशिप में खेलते दिखेंगे। हालांकि, अब खबर आई है कि बाबर-रिजवान और नसीम ने इस टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। बाबर और नसीम ने हालांकि कार्यभार प्रबंधन और आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं का हवाला देते हुए राष्ट्रीय टी20 टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। पीसीबी के एक विश्वसनीय सूत्र ने कहा कि अप्रैल के मध्य में पाकिस्तान सुपर लीग शुरू होने वाली है, इसलिए यह स्पष्ट है कि वे फ्रेंचाइजी लीग को प्राथमिकता दे रहे हैं। सूत्र ने कहा, राष्ट्रीय चयनकर्ताओं की असंगत नीतियों को देखते हुए ये खिलाड़ी जानते हैं कि अगर वे पीएसएल में कुछ अच्छे प्रदर्शन करते हैं तो वे राष्ट्रीय टी20 टीम में वापस आ जाएंगे, जिससे सोशल मीडिया पर भी उनकी चर्चा होगी। बाबर ने 2020 के बाद से कोई घरेलू प्रथम श्रेणी मैच नहीं खेला है।

कोच गौतम गंभीर की नजरें इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज पर रहेंगी

टेस्ट के बाद बड़ी चुनौती भारत और श्रीलंका में 2026 में होने वाला टी20 विश्वकप होगा

मुम्बई (एजेंसी)।

चैम्पियंस ट्रॉफी में जीत के बाद अब भारतीय क्रिकेट टीम के कोच गौतम गंभीर का लक्ष्य इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज जीतना रहेगा। टेस्ट के बाद गंभीर के लिए दूसरी बड़ी चुनौती भारत और श्रीलंका में 2026 में होने वाला टी20 विश्व कप होगा, जहां सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भातरीय टीम अपना खिताब बचाने उतरेगी। आखिरी और तीसरी सबसे बड़ी चुनौती दक्षिण अफ्रीका में होने वाला 2027 का एकदिवसीय विश्व कप होगा। अगर गंभीर की कोचिंग को अलग-अलग प्रारूप में देखा जाए तो उन्होंने सूर्यकुमार की कप्तानी में टी20 टीम के लिए उतरने वाले कोर खिलाड़ियों के समूह को पहले ही तैयार कर लिया है। इसी कारण रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा के संन्यास के बाद भी टी20 टीम में उनकी कमी महसूस नहीं हुई। हाल में भारतीय टी20 टीम ने जिस पकार का आक्रामक क्रिकेट खेला है। उसे दुनिया भर में पसंद किया जा रहा है। गंभीर ने अभिषेक शर्मा के रूप में एक पारी की शुरुआत के लिए आक्रामक खिलाड़ी को प्रमोट किया है।

इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक पर आईपीएल 2025 से पहले दो साल के लिए प्रतिबंध लगा

22 मार्च से शुरू होने वाले टूर्नामेंट से पहले दिल्ली कैपिटल्स के साथ अपना अनुबंध समाप्त किया था

नई दिल्ली (एजेंसी)।

हैरी ब्रूक पर आईपीएल 2025 से पहले दो साल के लिए प्रतिबंध लग गया है। उन्होंने 22 मार्च से शुरू होने वाले टूर्नामेंट से पहले दिल्ली कैपिटल्स के साथ अपना अनुबंध समाप्त किया था। इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक पर आईपीएल 2025 से पहले दो साल के लिए प्रतिबंध लग गया है। उन्होंने 22 मार्च से शुरू होने वाले टूर्नामेंट से पहले दिल्ली कैपिटल्स के साथ अपना अनुबंध समाप्त किया था। यह लगातार दूसरा सत्र है जब 26 वर्षीय खिलाड़ी ने आईपीएल के लिए खुद को अनुपलब्ध रखा है। अपने फैसले की जानकारी ब्रूक ने सोशल मीडिया के जरिए दी थी। उन्होंने इसके लिए दिल्ली कैपिटल्स और प्रशंसकों से माफी मांगी थी। उन्होंने लिखा- मैंने आईपीएल के अगले सत्र से हटने का बहुत मुश्किल फैसला किया है। मैं दिल्ली कैपिटल्स और उनके समर्थकों से बिना शर्त माफी मांगता हूं। उन्होंने कहा कि यह इंग्लैंड क्रिकेट के लिए वास्तव में महत्वपूर्ण समय है और मैं आगामी श्रृंखला की तैयारी के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध होना चाहता हूं। इसके लिए मुझे अपने अब तक के करियर के सबसे व्यस्त दौर के बाद तरोताजा होने के लिए समय चाहिए। मैं जानता हूं कि हर कोई इसे नहीं समझेगा और मैं उनसे इसकी उम्मीद भी नहीं करता हूं, लेकिन मुझे वह करना होगा जो मुझे लगता है कि सही है और अपने देश के लिए खेलना मेरी प्राथमिकता है और मेरा पूरा ध्यान इसी पर है। ब्रूक ने अपनी दादी के निधन के कारण आईपीएल के पिछले सत्र से भी नाम वापस ले लिया था। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के आईपीएल से जुड़े नियमों के अनुसार अगर कोई विदेशी खिलाड़ी नीलामी में चुने जाने के बाद अनफिट नहीं होने की स्थिति में इस टूर्नामेंट में नहीं खेलता है तो उस पर आईपीएल में खेलने पर दो साल का प्रतिबंध लगाया जा सकता है।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

पांच से छह आईसीसी ट्रॉफी जीतना चाहते हैं पांड्या

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने कहा है कि आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीतने से वह बेहद खुश हैं। पांड्या ने कहा कि अब उनका लक्ष्य अब अपनी मेजबानी में होने वाले टी20 विश्वकप को जीतना है। इसके साथ ही वह आने वाले समय में पांच से छह आईसीसी ट्रॉफी और जीतना चाहते हैं। पांड्या ने कहा कि इस बार की जीत इसलिए अहम रही क्योंकि इससे साल 2017 चैंपियंस ट्रॉफी में मिल हार से वह उबर गये। तब खिताबी मुकाबले में वह रविंद्र जडेजा के साथ बल्लेबाजी करते हुए रन आउट हो गए थे। पांड्या ने कहा की जो काम तब पूरा नहीं हुआ था। वह अब पूरा हुआ है। हार्दिक ने यह भी बताया कि वह अपनी टीम को हर हाल में जीत दिलाना चाहते हैं। इससे कोई मतलब नहीं है कि वह कहां किस जगह उतरते हैं। चाहे गेंदबाजी हो या बल्लेबाजी वह अपनी टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन चाहते हैं। इस ऑलराउंडर ने कहा, मेरी क्रिकेट यात्रा में सबसे अहम बात यह है कि मैं कैसे तय कर सकता हूं कि मेरी टीम जीत जाए और मेरे लिए हर बार जब मैं मैदान पर कदम रखता हूं तो यह बहुत संतोषजनक, बहुत शांत और प्रसन्न क्षण होता है, भले ही मैं अपनी टीम को जीत दिलाने में योगदान ना दे पाऊं, मुझे लगता है कि यह मेरे लिए सबसे खूबसूरत एहसास है। उन्होंने कहा, इस बार हर किसी ने एक ही समय में अपनी क्लास दिखाई और जो विश्वास उनमें है, वह असाधारण है। मुझे ऐसे मैच पसंद हैं जहां हर कोई अपना दिल लगाकर खेलता है। इससे टीम का आने वाले मुकाबलों के लिए मनोबल बढ़ा है।

भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर सैयद आबिद अली का अमेरिका में निधन

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर सैयद आबिद अली का निधन हो गया। वह 83 वर्ष के थे और लंबे समय से बीमार चल रहे थे। आबिद का निधन अमेरिका में हुआ। इस दिग्गज क्रिकेटर ने भारतीय टीम की ओर से 34 इंटरनेशनल मैच खेले थे। वह मूल रुप से हैदराबाद की ओर से खेलते थे। आबिद अली के निधन की खबर उत्तरी अमेरिका क्रिकेट लीग (एनएसीएल) ने साझा की। एनएसीएल ने अपनी पोस्ट में लिखा, ''भारतीय क्रिकेटर आबिद अली के निधन की खबर साझा कर रहे हैं वह आजकल कैलिफोर्निया के ट्रेसी में रह रहे थे उनकी उल्लेखनीय विरासत हमें उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित करती है। गौरतलब है कि उत्तरी अमेरिका क्रिकेट लीग और उत्तरी कैलिफोर्निया क्रिकेट संघ (एनसीसीए) खाड़ी क्षेत्र में क्रिकेट के विकास में उनके अथक प्रयासों और योगदान के लिए उनका आभारी है है। आइए हम उन्हें अपनी प्रार्थनाओं में याद करें और उनकी उल्लेखनीय विरासत का जश्न मनाएं।'' क्रिकेट जगत ने उनके निधन पर श्रद्धांजलि दी और उन्हें एक समर्पित गुरू, एक टीम खिलाड़ी और एक असाधारण इंसान के रूप में याद किया। पूर्व ऑलराउंडर मदन लाल ने लिखा, ''दुखद समाचार आबिद अली नहीं रहे। वह एक बेहतरीन टीम खिलाड़ी और अच्छे इंसान थे। परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना। ओम शांति। पूर्व मुख्य राष्ट्रीय चयनकर्ता और विकेटकीपर एमएसके प्रसाद ने आबिद अली के आंध्र के कोच के दिनों को याद किया।

बांग्लादेश के अनुभवी क्रिकेटर महमूदुल्लाह ने संन्यास लिया

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के अनुभवी क्रिकेटर महमूदुल्लाह ने एकदिवसीय क्रिकेट से भी संन्यास की घोषणा कर दी है। 39 साल के महमूदुल्लाह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिये अपने संन्यास की बात कही। इस ऑलराउंडर ने साल 2021 में ही टेस्ट और साल 2024 में टी20 से संन्यास लिया था। अब उन्होंने सभी प्रारुपों को अलविदा कह दिया है। इस क्रिकेटर ने अपने 18 साल के करियर के दौरान कई अहम पारियां खेलीं। महमूदुल्लाह ने अपने आधिकारिक फेसबुक पेज पर लिखा, मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। मैं अपने सभी साथियों, कोचों और खासकर अपने प्रशंसकों को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने हमेशा मेरा साथ दिया है। मेरे माता-पिता, मेरे ससुराल वालों खासकर मेरे ससुर और सबसे महत्वपूर्ण मेरे भाई इमदाद उल्लाह को बहुत-बहुत धन्यवाद जो बचपन से ही मेरे कोच और मेंटर के रूप में हमेशा मेरे साथ रहे हैं। वहीं अंत में मेरी पत्नी और बच्चों को धन्यवाद जिन्होंने हर कठिन समय में मेरा साथ दिया। मुझे पता है कि हर चीज का अंत बिल्कुल सही तरीके से नहीं होता लेकिन आप हां कहते हैं और आगे बढ़ते हैं। मेरी टीम और बांग्लादेश क्रिकेट को शुभकामनाएं। अपने 17 साल के करियर में 239 वनडे, 50 टेस्ट और 141 टी20 मैच खेलने वाले महमूदुल्लाह ने कहा, 'मेरे माता-पिता, मेरे ससुराल वालों खासकर मेरे ससुर और सबसे महत्वपूर्ण मेरे भाई इमदाद उल्लाह को बहुत-बहुत धन्यवाद जो बचपन से ही मेरे कोच और मेंटर के रूप में मेरे साथ रहे है!' वह बांग्लादेश के एकमात्र बल्लेबाज हैं जिन्होंने एकदिवसीय विश्व कप में तीन शतक बनाए हैं। वहीं भारत के खिलाफ इस क्रिकेटर का रिकार्ड काफी अच्छा है।

धोनी और ऋषभ संगीत समारोह में 'तू जाने ना' गाते नजर आये

देहरादून (एजेंसी)। टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की बहन साक्षी पंत की शादी में पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी, सुरेश रैना सहित कई क्रिकेटर और बॉलीवुड सितारे शामिल हुए। शादी के संगीत समारोह में धोनी भी ऋषभ के साथ तू जाने ना गाना गाते दिखे , इसमें साक्षी धोनी भी नजर आ रही हैं। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ है। धोनी अपनी पत्नी साक्षी धोनी और सुरेश रैना भी अपनी पत्नी के साथ इस शादी समारोह के लिए पहुंचे थे। वीडियो में ऋषभ और धोनी को संगीत समारोह के दौरान बॉलीवुड के हिट गाने 'तू जाने ना' को गाते हुए देखा जा सकता है। इसे देखकर दोनों के प्रशंसक और समारोह में शामिल लोग भी खुशी से झूमने लगे। इसी शादी का एक और वीडियो सोशल मीडिया पर इससे पहले वायरल हुआ था। जिसमें धोनी, सुरेश रैना, पृथ्वी शॉ और ऋषभ दमा दम मस्त कलंदर गीत पर डांस करते नजर आए थे। इस वायरल वीडियो को लेकर एक प्रशंसक ने लिखा, कितना भी देख लो जी नहीं भर रहा। ऋषभ की बहन साक्षी पंत की शादी के कारोबारी अंकित चौधरी के साथ हुई।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

सक्षम आंगनवाड़ी एवं मिशन पोषण 2.0 के तहत आंगनवाड़ी कार्यकताओं का होगा प्रशिक्षण

भोपाल। केन्द्र सरकार के 'पोषण भी-पढाई भी' कार्यक्रम के तहत प्रदेश की समस्त आंगनवाड़ी कार्यकताओं को नेशनल करिकल्म फॉर अर्ली चाईल्डहूड केयर एण्ड एजुकेशन 2024 (आधारशिला) एवं नेशनल फ्रेमवर्क फॉर अर्ली चाईल्डहूड स्टीमूलेशन 2024 (नवचेतना) के अनुसार प्रशिक्षित किया जाएगा। दो चरणों में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 20 से 22 मार्च 2025 और 24 से 26 मार्च को होगा। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को 3 वर्ष से कम आयु के बच्चों के पालकों को बाल विकास को प्रेरित करने के संबंध में जागरूक करने, पोषण संबंधी गतिविधियों, 3-6 वर्ष के बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा और बच्चों में दिव्यांगता एवं विकास में देरी के संबंध में पालकों को जागरूक करने जैसे विषयों पर प्रशिक्षित किया जाएगा। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने के लिये राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान नई दिल्ली एवं इंदौर द्वारा ऑनलाइन एवं ऑफलाइन प्रशिक्षणों के माध्यम से परियोजना अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों को मास्टर ट्रेनर्स के रूप में तैयार किया गया है।

बिजली उपभोक्ता सतर्कता एवं अन्य जांच के देयकों का करें ऑनलाइन भुगतान

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के अंतर्गत आने वाले 16 जिलों के ऐसे बिजली उपभोक्ता जिन्हें बिजली कंपनी के सतर्कता एवं अन्य जांच दलों ने अनंतिम/अंतिम देयक जारी किये हैं, उनके भुगतान के लिए कंपनी की वेबसाइट portal.mpcz.in पर ऑनलाईन भुगतान की सुविधा उपलब्ध है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया है कि ऐसे व्यक्ति अथवा बिजली उपभोक्ता जिनके परिसर में बिजली के अनधिकृत उपयोग या फिर अन्य किसी भी अनियमितता के चलते बिजली कंपनी के सतर्कता एवं अन्य जांच दलों द्वारा प्रकरण पंजीबद्ध कर उन्हें अनंतिम/अंतिम देयक जारी किया गया है, तो अब उसके भुगतान के लिए कंपनी के जोन/वितरण केन्द्र कार्यालय के साथ-साथ घर बैठे ही कंपनी की बेवसाइट portal.mpcz.in पर भी ऑनलाईन भुगतान कर सकते हैं।

गोविंद सिंह राजपूत ने प्रदेशवासियों को दी होली की शुभकामनाएं

भोपाल। खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने प्रदेशवासियों को रंगों के त्यौहार होली की शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा है कि होली का त्यौहार आनंद, एकता, आत्मीयता, त्याग और भाईचारे का प्रतीक है। राजपूत कहा कि होली कि पवित्र अग्नि में बुराई और नकरात्मकता का दहन करना चाहिए। मंत्री राजपूत ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि होली का त्यौहार हर्षोल्लास और उमंग के साथ मैत्री पूर्ण वातावरण में मनायें।

प्रद्युम्न सिंह तोमर ने दी होली की शुभकामनाएं

भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने प्रदेशवासियों को रंगों के त्यौहार होली की शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा है कि होली का त्यौहार आत्मीयता और भाईचारे का प्रतीक है। श्री तोमर ने कामना की है कि रंगो का पर्व होली प्रदेशवासियों के जीवन में समृद्धि और खुशहाली लायेगी।

प्रेम, आत्मीयता और सौहार्द से होली मनायें : देवड़ा

भोपाल। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने प्रदेशवासियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि होली आत्मीयता, प्रेम, सौहार्द का पर्व है इसे सभी के साथ खुशी से मनाये। होली हमें सामाजिक सद्भाव और समरसता का संदेश देती है। उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने कामना की है कि होली के पावन पर्व पर प्रदेशवासियों के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली आए। उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा कि हम सबको प्राकृतिक रंगों से होली खेलना चाहिये। उन्होंने प्रदेशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना करते हुए कहा कि यह त्यौहार सभी जीवन में नई ऊर्जा लाये।

निर्मला भूरिया ने प्रदेशवासियों को दी होली पर्व की बधाई

भोपाल। महिला-बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने प्रदेशवासियों को रंगों के त्यौहार होली की शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने कहा कि होली आनंद, एकता, आत्मीयता, प्यार और खुशी का प्रतीक है। होली की पावन अग्नि में दरिद्रता, आलस्य, बुराई, नकारात्मकता और दु:ख का दहन करना चाहिए। मंत्री सुश्री भूरिया ने सभी से अपील की है कि वे हर्षोल्लास और उमंग के साथ सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में होली पर्व मनाएँ। यह त्यौहार हम सभी के जीवन को सुख, समृद्धि और आनंद से परिपूर्ण कर दें। उन्होंने सभी से अपील की है कि होली पर हर्बल रंगों का ही उपयोग करें।

नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने प्रदेशवासियों को होली की शुभकामनाएँ दीं

भोपाल। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने प्रदेशवासियों को होली एवं होलिका दहन की शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने कहा कि होली का पर्व प्रेम, सौहार्द और खुशहाली का प्रतीक है। उन्होंने प्रार्थना की है कि होलिका की पावन अग्नि बुराइयों, विसंगतियों और रोगों को समाप्त करे तथा सभी के जीवन में सुख-समृद्धि के रंगों का संचार करे। उन्होंने प्रदेशवासियों से स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और प्राकृतिक रंगों से होली खेलने की अपील की है।

होली आपसी प्रेम, सौहार्द और उल्लास का प्रतीकः राजेन्द्र शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने प्रदेशवासियों को रंगों के महापर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने कहा कि होली आपसी प्रेम, सौहार्द और उल्लास का प्रतीक है, जो हमें सामाजिक समरसता और एकता का संदेश देता है। उन्होंने कामना की है कि होलिका दहन की पावन अग्नि सभी नकारात्मकता, दुख और रोगों को समाप्त करे तथा प्रदेशवासियों के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली लाए।

वन्य जीवों के संरक्षण के लिए राज्य सरकार संकल्पितः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रदेश में बनेंगे दो नए वन्य जीव अभ्यारण्य, मुख्यमंत्री ने दी मंजूरी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है मध्यप्रदेश में वन्य जीव पर्यटन की अपार संभावनाएं मौजूद हैं और सरकार दृढ़ संकल्प के साथ वन, पर्यावरण एवं वन्य जीव सहित जलीय जंतुओं के संरक्षण के लिए भी काम कर रही है। वन्य जीव संरक्षण की दिशा में एक कदम ओर बढ़ाते हुए अब प्रदेश में दो नए वन्य जीव अभयारण्य स्थापित किए जाएंगे। यह नए वन्य जीव अभयारण्य ओंकारेश्वर एवं जहानगढ़ में स्थापित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में मध्यप्रदेश राज्य वन्यप्राणी बोर्ड की 28वीं बैठक में 2 वन्य जीव अभयारण्य की स्थापना को मंजूरी दी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के प्रभावी प्रयासों का ही सुखद परिणाम है कि प्रदेश में बाघ, तेंदुआ, चीता, हाथी, घड़ियाल के साथ-साथ विलुप्त होती प्रजाति के गिद्धों की संख्या में भी वृद्धि हो रही है। गत माह 17 से 19 फरवरी 2025 को हुई ताजा गिद्ध जनगणना के अनुसार प्रदेश में 12 हजार 981 गिद्ध पाए गए हैं। गिद्धों की संख्या बीते वर्ष में ही 19 प्रतिशत बढ़ी है। उन्होंने बताया कि ओंकारेश्वर वन्य जीव अभयारण्य देवास-खंडवा जिले के करीब 614.0709 वर्ग कि.मी. वन रकबे में तथा जहानगढ़ वन्य जीव अभयारण्य श्योपुर जिले के 6.328 वर्ग कि.मी. वन रकबे पर विकसित किया जाएगा।

बैठक में वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार, वन्य प्राणी बोर्ड के सदस्य विधायक हेमंत खंडेलवाल, मुख्य सचिव अनुराग जैन, मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव वन अशोक बर्णवाल, प्रधान मुख्य वन संरक्षक, चीफ वाईल्ड लाईफ वार्डन, सदस्य मोहन नागर, डॉ. नारायण व्यास, डॉ. सुदेश बाघमारे, डॉ. भटनागर, डॉ. रविचंद्रन सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

रेस्क्यू सेंटर कम जू की स्थापना में लाएं तेजी

बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव को अवगत कराया गया कि उज्जैन जिले के नौलखी में वन्य जीव रेस्क्यू सेंटर कम जू प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री ने इस सेंटर की स्थापना की प्रगति की जानकारी ली और इस कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रेस्क्यू सेंटर कम जू को वन्य जीव पर्यटन के लिहाज से तैयार किया जाए। बैठक में बताया गया कि उज्जैन की तरह एक वन्य जीव रेस्क्यू सेंटर कम जू का निर्माण जबलपुर जिले में भी प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश वन्य जीवों की विविधता से भरा राज्य है। यहां के मंदसौर, नीमच, शिवपुरी समेत चंबल के जिलों में बड़ी संख्या में मगरमच्छ पाए जाते हैं।

वन्य जीवों से किसानों की फसल हानि रोकने के लिए करें सभी उपायः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश वन्य जीवों से समृद्ध है। शेर, बाघ, चीता, सांभर, हाथी सभी यहां उपलब्ध हैं। वन्य जीवों के कल्याण के लिए सभी प्रयास किए जाएं। प्रदेश के वनों में रह रहे हाथियों के कल्याण की भी चिंता करें। इनके भोजन की व्यवस्था करें। घास के मैदान बनाएं ताकि वे भोजन की तलाश में आबादी क्षेत्रों में यहां-वहां न भटकें। इससे किसानों की फसल हानि भी रूकेगी और मानव-हाथी के बीच टकराव की स्थिति के स्थान पर साहचर्य की भावना विकसित होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में मध्यप्रदेश टाइगर फाउंडेशन समिति की 15वीं आमसभा की बैठक की अध्यक्षता कर यह निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में वन्य जीव पर्यटन को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके लिए जहां बेहतर सुविधा उपलब्ध हो वहां वन्य जीव रेस्क्यू सेंटर कम जू स्थापित करने के लिए केन्द्र सरकार, सेंट्रल जू अर्थॉरिटी व अन्य वन्य जीव संस्थानों से मार्गदर्शन लेकर इस दिशा में आगे बढ़ें। वन्य जीवों को खुले में देखना पर्यटकों के लिए सदैव सहज आकर्षण का केन्द्र होता है और मध्यप्रदेश में इस दिशा में कार्य कर वन्य जीव पर्यटन को एक नई दिशा की ओर ले जाएं। बैठक में मध्यप्रदेश टाइगर फाउंडेशन समिति के सदस्य विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल, श्री मोहन नागर, अन्य सदस्यगणों सहित मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव वन श्री अशोक बर्णवाल, प्रधान मुख्य वन संरक्षक, चीफ वाईल्ड लाईफ वार्डन व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

रंगों की तुलना कचरे से करने पर विश्वास सारंग भड़के

ऐसा करने से समाज का माहौल बिगड़ेगा

__रतलाम।__ रतलाम में होली की धुलेंडी और रमजान माह का जुम्मा एक ही दिन पड़ने से प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए शांति समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें सभी समुदायों से अपने त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से मनाने की अपील की गई।

रतलाम शहर काजी सय्यद अहमद अली ने मुस्लिम समाज के नाम एक अपील जारी की है। उन्होंने लिखा है कि रमजान का पवित्र महीना चल रहा है और 14 मार्च को जुम्मा और होली एक साथ मनाई जाएगी। उन्होंने मुस्लिम समाज से आग्रह किया कि यदि कोई गलती से रंग डाल दे तो बिना किसी विवाद के मुस्कुराकर आगे बढ़ जाएं। साथ ही, नमाज अदा करने के बाद बिना रुके सीधे अपने घरों की ओर जाने की सलाह दी गई है।

इसी बीच, शहर काजी के नाम से एक दूसरा पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें कथित रूप से होली के रंगों की तुलना कचरे से की गई है। इसमें कहा गया है कि अगर कोई जानबूझकर रंग डाल दे, तो धैर्य बनाए रखें और इसे पैगंबर मोहम्मद की सहनशीलता से जोड़ते हुए आगे बढ़ जाएं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों को होली की बधाई दी

मुख्यमंत्री निवास में भी हुआ होलिका दहन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने होली पर समस्त प्रदेशवासियों को बधाई और मंगलकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि होली का उत्सव होलिका दहन की कथा का स्मरण करवाता है। भक्त प्रहलाद का नारायण प्रेम इसमें स्पष्ट झलकता है। होलिका दहन में भक्त प्रहलाद को स्वयं नारायण ने जीवनदान दिया। मध्यप्रदेश में होली से रंगपंचमी तक अलग-अलग अंचल में उत्सव के अनेक स्वरूप दिखाई देते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारे राष्ट्र में विरासत से विकास के ध्येय को ध्यान में

रखकर स्वर्णिम काल चल रहा है। हमारी सनातन संस्कृति के एक-एक त्यौहार को सभी आनंदित होकर मना रहे है।

बिजली कर्मचारियों को होली पर उच्च वेतनमान का तोहफा

इंदौर। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने होली के पूर्व पात्रतानुसार कार्मिकों को तय समय अवधि पूर्ण होने पर उच्च वेतनमान का तोहफा दिया हैं। कंपनी के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह के अनुमोदन उपरांत 103 कार्मिको के नए वेतनमान संबंधी आदेश जारी किए गए हैं। मुख्य महाप्रबंधक प्रकाश सिंह चौहान ने बताया कि मार्च माह में होली के ठीक पहले लाभ प्राप्ति वाले इन कार्मिकों को दो हजार से लेकर आठ हजार रूपए प्रतिमाह का फायदा मिलेगा। इधर कंपनी ने मप्र शासन के आदेशानुसार पैंतीस वर्ष की सेवा अवधि पूर्ण होने पर कार्मिको को चतुर्थ समयवेतनमान भी मंजूर किया हैं। जनवरी से लेकर मार्च तक कंपनी ने 800 कार्मिकों को उच्च वेतनमान मंजूर किया हैं। संयुक्त सचिव संजय मालवीय ने बताया कि इन कार्मिकों में अतिरिक्त मुख्य अभियंता, सहायक अभियंता, सिक्योरिटी गार्ड, सेक्शन ऑफिसर, अधीक्षण अभियंता, कार्यपालन अभियंता, लेखाधिकारी, टेस्टिंग असिस्टेंट, ड्राफ्टमेन, लाइन सुपरवाइजर, ग्रिड सुपरवाइजर, ज्वाइंट डायरेक्टर फायनेंस, स्टॉफ आफिसर आदि शामिल हैं। संयुक्त सचिव मालवीय ने स्पष्ट किया हैं कि इन कार्मिकों को तय समय अवधि पूर्ण होने पर नया वेतनमान मंजूर किया गया हैं, इसका पदोन्नति से कोई संबंध नहीं हैं। इस बारे में कोई मांग या दावा स्वीकार्य योग्य नहीं होगा।

सदन में अध्यक्ष महोदय द्वारा दी गई व्यवस्था

सदस्य व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप से बचें और संसदीय परंपरा के अनुरूप शब्दावली का उपयोग करें

__भोपाल।__ मध्यप्रदेश विधानसभा की कार्रवाई के दौरान सदस्यों द्वारा परस्पर उपयोग की जाने वाली भाषा के संदर्भ में विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने गुरूवार को सदन की कार्रवाई के दौरान महत्वमपूर्ण व्यवस्था दी है। विधानसभा अध्यक्ष ने महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण के कृतज्ञता प्रस्ताव पर हो रही चर्चा के दौरान असंसदीय शब्दावली तथा व्यक्तिगत आरोप प्रत्यारोप के संबंध में यह व्यवस्था दी। उन्होंने कहा कि राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान बीच में कई बार थोड़ी सी अप्रिय स्थिति उत्पन्न हुई थी। मध्यप्रदेश विधानसभा की एक गरिमामय परंपरा रही है। जिसके कारण मध्यप्रदेश की विधानसभा की प्रतिष्ठा देश भर में अग्रणी स्थान पर रहती है, लेकिन कई बार शब्दावली ऐसी हो जाती है जो उचित नहीं कही जा सकती है और इसलिए हम सबका यह प्रयत्न होना चाहिए कि शब्दावली में सुधार हो और व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप से बचें।

विधानसभा अध्यक्ष ने व्यवस्था देते हुए कहा कि मेरी अपेक्षा है कि कोई भी सदस्य इस बात का ध्यान रखे कि वे व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोपों से बचें और ऐसी शब्दावली का उपयोग न करे जिससे हमारे सदन की परम्परा हमेशा के लिए प्रभावित और कलंकित हो, ऐसी मेरी आप सब लोगों से अपेक्षा है। मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने प्रदेश के कई अंचलों में घोड़ा रोज (रोजड़े) से फसलों को होने वाले नुकसान से किसानों को बचाने के लिए एक व्यवस्थित कार्ययोजना बनाने की सलाह प्रदेश सरकार को दी है।

गुरूवार को प्रश्नकाल के दौरान सदस्य विपिन जैन ने प्रश्न उठाया था कि घोड़ारोज (रोजड़े) से किसानों की फसलों को हो रहे नुकसान से रोकथाम के लिए सरकार द्वारा क्या प्रयास किये जा रहे हैं इनके द्वारा प्रतिदिन बढ़ रहे सड़क हादसों की रोकथाम के लिए सरकार द्वारा क्या प्रभावी कदम उठाये जा रहे हैं इस सवाल का जवाब राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने दिया।

इस सवाल के अनुपुरक प्रश्नों के दौरान कई सदस्यों ने घोड़ा रोज से किसानों को होने वाले नुकसान की समस्या को गंभीर बताते हुए इस पर कार्यवाही का आग्रह भी किया। विधानसभा अध्यक्ष ने सलाह देते हुए कहा कि इस मामले में संबंधित विभाग और विशेषज्ञों से सलाह करके कोई व्यवस्थित योजना बनाना चाहिए क्योंकि यह धन भी एक तरह से विकसित हो रहा है यह ज्यादा बढ़ जाएगा तो प्रदेश को दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है।

पाठ्यक्रमों में 'भारतीय ज्ञान परम्परा' के समृद्ध समावेश की दृष्टि से मध्यप्रदेश होगा देश भर में अग्रणी : उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार

'भारतीय ज्ञान परम्परा' से समृद्ध नवीन पाठ्यक्रमों में दिखेगा पूर्वजों का ज्ञान

भोपाल। भारत का गौरवशाली इतिहास शौर्य, पराक्रम और ज्ञान का रहा है। भारत के पास अपना आर्थिक चिंतन एवं दर्शन रहा है, इसलिए भारत समृद्धशाली और 'सोने की चिड़िया' कहलाता था। भारत अपने ज्ञान और विज्ञान के आधार पर विश्वमंच पर सिरमौर था और विश्वगुरु की संज्ञा से सुशोभित था। भारत का ज्ञान हजारों साल पुराना है, जो आज विश्व भर में सर्वत्र झलक रहा है।

भारतीय ज्ञान को सही परिप्रेक्ष्य में, तथ्यपूर्ण रूप से समाज के समक्ष रखने की आवश्यकता है। इसके लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने सही तथ्यों के साथ, भारतीय इतिहास में किए गए छल से मुक्त होने का अवसर दिया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 के क्रियान्वयन में, भारतीय ज्ञान परम्परा का समावेश

महत्वपूर्ण है। पुस्तक लेखन में लेखकों का दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है, इसके लिए लेखकों में भारतीय दृष्टि की महती आवश्यकता है। भारत को केंद्र में रखकर, भारतीय दृष्टि के साथ पाठ्यक्रम निर्माण करना होगा। लेखनी में भारतीयता का भाव परिलक्षित होना चाहिए। 'भारतीय ज्ञान परम्परा' असीमित है, पुस्तकों में भारतीय ज्ञान का तथ्यपूर्ण समावेश व्यापक एवं सतत् प्रक्रिया है।

समाज के प्रश्नों का समाधान, शिक्षा के मंदिरों से ही मिलेगा और समाधान के लिए व्यापक और सकारात्मक चर्चा होना चाहिए। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने गुरुवार को भोपाल स्थित उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान के सभाकक्ष में, उच्च शिक्षा विभाग अंतर्गत 'भारतीय ज्ञान परम्परा = विविध संदर्भ' विषय पर 'पाठ्यक्रम निर्माण हेतु आयोजित दो दिवसीय राज्यस्तरीय कार्यशाला' के द्वितीय दिवस में सहभागिता कर कही।

होली पर इंदौर और महू में हाई अलर्ट, ड्रोन से होगी निगरानी, 2000 पुलिसकर्मी तैनात

इंदौर। महू में रविवार रात हुए विवाद के बाद पुलिस प्रशासन ने इंदौर और महू में हाई अलर्ट घोषित कर दिया है। क्षेत्र में सैकड़ों स्थानों पर होलिका दहन किया जाना है। पुलिस ने उन इलाकों के आसपास विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं जहां मस्जिदें स्थित हैं। पुलिस ने मुस्लिम समुदाय से अपील की है कि यदि होली के रंगों से किसी प्रकार की समस्या हो तो वे मस्जिदों को प्लास्टिक कवर से ढक सकते हैं। इंदौर में कई मस्जिदों को पहले ही प्लास्टिक से कवर कर दिया गया है। इंदौर और महू में पुलिस अधिकारियों की ड्यूटी लगा दी गई है ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति को नियंत्रित किया जा सके। इसके अलावा, ड्रोन कैमरों के माध्यम से इलाकों की निगरानी रखी जाएगी। संवेदनशील इलाकों में पुलिस के फिक्स पॉइंट (स्थायी पुलिस बल) तैनात किए गए हैं, जो वहां पूरे समय मौजूद रहेंगे। गुरुवार शाम से ही पुलिस फोर्स इन इलाकों में ड्यूटी पर तैनात हो जाएगा। त्योहार को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने बुधवार रात इंदौर के संवेदनशील इलाकों में फ्लैग मार्च भी निकाला, ताकि सुरक्षा का संदेश दिया जा सके और लोगों में विश्वास बना रहे। एएसपी रूपेश द्विवेदी ने जानकारी दी कि महू में गुरुवार को मुख्य रूप से 21 स्थानों पर होलिका दहन होना है। इसके अलावा कई लोग अपने घरों के बाहर भी होलिका दहन करेंगे। त्योहार को देखते हुए महू में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

भोपाल के 2 विद्यार्थी प्रेरणा कार्यक्रम से जुड़े

केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय का कार्यक्रम बच्चों को विरासत से जुड़ने का देता है मौका

भोपाल। केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने 'प्रेरणा' एक अनुभावात्मक शिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है। भोपाल के 2 विद्यार्थियों को इस कार्यक्रम से जुड़ने का मौका मिला है। इन विद्यार्थियों ने कार्यक्रम से अपनी विरासत और संस्कृति पर गर्व करने के साथ एक अच्छे नागरिक बनने के गुण भी सीखे हैं।

केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय के प्रेरणा कार्यक्रम में भोपाल के चयनित 2 विद्यार्थी छात्रा मुस्कान मालवीय पीएमश्री स्कूल बरखेड़ा और छात्र आशुतोष द्विवेदी महात्मा गांधी सीएम राइज स्कूल पिपलानी ने 7 दिन गुजरात के बड़नगर में प्रशिक्षण प्राप्त किया। इनके साथ शिक्षक सुश्री भूमेश्वरी पारधी ने भी प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

अनुभावात्मक शिक्षण कार्यक्रमः प्रेरणा कार्यक्रम भारतीय शिक्षा प्रणाली के

सिद्धांतों और मूल्य आधारित शिक्षा के दर्शन को एकीकृत करने की एक मजबूत प्रतिबद्धता से प्रेरित है। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की आधारशिला है। यह कार्यक्रम आईआईटी गांधीनगर द्वारा तैयार किया गया है। प्रेरणा स्कूल का पाठ्यक्रम 9 मूल्य विषयों पर आधारित है।

नमें स्वाभिमान और विनय, शौर्य और साहस, परिश्रम और समर्पण, करूणा और सेवा, विविधा और एकता, सत्यनिष्ठा और सुचिता, नवाचार और जिज्ञासा, श्रद्धा और विश्वास के साथ स्वतंत्रता और कर्त्तव्य भी शामिल हैं। यह मूल्य युवाओं को देश का आदर्श नागरिक बनने में प्रेरणा देगा। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षण के दौरान देश के विभिन्न राज्यों के विद्यार्थी भी शामिल होते हैं। चयनित विद्यार्थियों को प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न राज्यों से आये बच्चों के बीच में एक-दूसरे की संस्कृति, परंपराओं और विरासत को समझने का मौका मिलता है। विद्यार्थियों में विशेष रूप से वृद्धजनों के प्रति श्रद्धा की भावना जागृत करने के प्रयास किये जाते हैं।

प्रधानमंत्री का पत्र

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भोपाल से गये विद्यार्थियों और शिक्षक से अनुभव जाने हैं। उन्होंने पत्र लिखकर प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त अनुभव को अन्य विद्यार्थियों के साथ साझा करने की बात भी कही है।